kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-14 ❐ अंक-137 ❐ गुरुवार, 19 जून 2025 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सार्वजनिक सेवा की चुनौतियों का सामना करते हुए उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि उनके निर्णयों और कार्यों में लोगों का जीवन बदलने की शक्ति है। द्रौपदी मुर्मु

पनडुब्बी रोधी स्वदेशी युद्धपोत 'अर्नाला' नौसेना के बेड़े में शामिल 11

पटाखा फैक्ट्री में भयानक विस्फोट दो की मौत, मलबे में दबे कई मजदूर 12

संक्षेप

यूपी में मानसून ने दी दस्तक... तपिश और लू से मिलेगी राहत

लखनऊ। इंतजार की घड़ियां खत्म हुईं। उत्तर प्रदेश में आखिरकार बुधवार को मानसून ने दस्तक दे दी। इसकी आधिकारिक जानकारी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि बुधवार को सोनभद्र की ओर से दाखिल मानसून के असर से प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों सोनभद्र, गाजीपुर, वाराणसी आदि में मानसूनी बारिश की शुरुआत हो चुकी है। जल्द ही पूर्वी यूपी से शुरू हुई इस मानसूनी बारिश का असर पश्चिम तक देखने को मिलेगा।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का नाम बदला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया में स्थित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का नाम बदल कर पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने फ़ेसबुक अकाउंट के जरिये बुधवार को यह जानकारी साझा की है। उन्होने लिखा ह्ल आप सभी को यह शुभ संदेश देते हुये हर्ष की अनुभूति हो रही है कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, औरैया का बदला गया नाम अब पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, औरैया के नाम से जाना जाएगा। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्हें अपनी न्याय प्रियता, प्रशासनिक कुशलता और परोपकार के लिए जाना जाता है।

बुलंदशहर में कार में लगी आग, पांच जिंदा जले

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में बुधवार सुबह दिल्ली बदायूं हाईवे पर एक कार में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच सदस्य की जलकर मृत्यु हो गई जबकि एक महिला की हालत चिंताजनक बनी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक तेजवीर सिंह ने बताया कि बदायूं के सहसवान थाना क्षेत्र स्थित ग्राम चमनपुरा निवासी एक ही परिवार के छह सदस्य स्विफ्ट कार द्वारा दिल्ली के लिए रवाना हुए थे कि करीब साढ़े पांच बजे जिले के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जानी के पास चालक को झपकी आ गई और कार पुलिया से टकराने के बाद पलट गई। पलटने के तुरंत बाद कार में आग लग गई और उसमें सवार पांच लोग की जलकर मृत्यु हो गयी। एक महिला को राहगीरों ने जिंदा बचा लिया जिसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। सूचना पर फायरबिग्रेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जिंदा बची महिला गुलनाज पुत्री तनवीर को को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करा दिया गया है। हादसे में मारे गए व्यक्तियों के परिजनों ने बताया कि हाईवे पर सामने से आ रही मोटरसाइकिल को बचाने के दौरान कार पुलिया से टकराई थी।

'ऑपरेशन सिंदूर' पाकिस्तान के अनुरोध पर 'रोका' गया था : मोदी

भारत को मध्यस्थता स्वीकार नहीं : मोदी ने ट्रंप से फोन पर वार्ता में कहा

एजेंसी

कनैनिस्किस (कनाडा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की और उन्हें स्पष्ट रूप से कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पाकिस्तान के अनुरोध पर ''रोका'' गया था न कि अमेरिका द्वारा मध्यस्थता या किसी व्यापार समझौते की पेशकश के कारण।

ट्रंप के साथ मंगलवार को फोन पर 35 मिनट तक हुई बातचीत में मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी और यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को उसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। पिछले महीने 'ऑपरेशन सिंदूर' रोके जाने के बाद यह ट्रंप और मोदी के बीच पहली बातचीत है।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत पर एक बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में व्यापार से जुड़े किसी विषय पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की और भविष्य में भी ऐसी कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने यहां आए प्रधानमंत्री मोदी को कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका आने का न्यौता दिया। बहरहाल, मोदी ने कहा कि वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण इस न्यौते को स्वीकार नहीं कर सकते। मोदी ने ट्रंप को इस साल प्रस्तावित क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का न्यौता दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले ही विदा ले ली थी। मोदी और ट्रंप ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पहली बार बात की है। हमले के बाद ट्रंप ने भारत के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की थीं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उसका समर्थन किया था। मोदी ने मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत में कहा कि भारत ने 9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का कड़ा जवाब दिया, जिससे पाकिस्तान के सैन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा और उनके हवाई अड्डों को निष्क्रिय कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने ट्रंप को बताया कि भारत की कड़ी प्रतिक्रिया के कारण पाकिस्तान को उससे सैन्य अभियान रोकने का अनुरोध करना पड़ा। मोदी ने ट्रंप से साफ-साफ कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कोई चर्चा नहीं की गयी और भारत तथा पाकिस्तान के बीच अमेरिकी मध्यस्थता का कोई संदर्भ नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान ने सीधे बातचीत के जरिए और पड़ोसी देश के अनुरोध पर सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्णय लिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया कि भारत, पाकिस्तान के साथ किसी भी बातचीत में कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा और इस मुद्दे पर द्विदलीय/राजनीतिक एकता है। मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री की बात सुनने के बाद ट्रंप ने मुद्दे पर सहमति जतायी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का समर्थन किया। विदेश सचिव ने कहा, ''मोदी ने ट्रंप से कहा कि अब से भारत आतंकवाद को छद्म युद्ध नहीं बल्कि युद्ध की कार्रवाई मानेगा और ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। मिसरी ने बताया कि मोदी और ट्रंप का जी7 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात करने का कार्यक्रम था लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के शिखर सम्मेलन से समय से पहले विदा लेने के कारण यह बैठक नहीं हो पायी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मोदी से बात ● शेष पेज 11 पर

आतंक को मूक समर्थन मानवता के साथ विश्वासघातः मोदी

कनानास्किस (कनाडा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाये जाने के मुद्दे पर विश्व के ताकतवर देशों को सीधे सीधे चुनौती दी और उनसे दो टूक शब्दों में कहा कि निजी हितों के लिए, आतंकवाद को मूक सम्मति देना, आतंक या आतंकवादियों का साथ देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है। श्री मोदी ने यहां मंगलवार को ऊर्जा सुरक्षा पर जी-7 आउटरीच सत्र के दौरान अपने संबोधन में आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक शक्तियों से सीधे एवं कठोर सवाल पूछे। श्री मोदी ने कहा, ह्ल एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं- वह है आतंकवाद। आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हाल ही में भारत को एक क्रूर और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा। बाइस अप्रैल को हुआ आतंकवादी हमला केवल पहलगाम पर ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर भी सीधा आघात था। यह पूरी मानवता पर आघात था। आप सभी मित्रों ने जिन कड़े शब्दों में इसकी निंदा की, संवेदनायें व्यक्त की, उसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। लोकतान्त्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी देशों का ● शेष पेज 11 पर

3000 रुपए में एक साल के लिए फास्टैग

एजेंसी

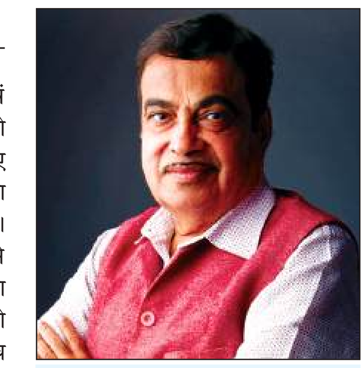

❐ सरकार 15 अगस्त से वार्षिक 'पास' शुरू करेगी : गडकरी

❐ निजी गाड़ियां 200 बार टोल क्रॉस कर सकेंगी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार निजी वाहनों के लिए 'फास्टैग' आधारित वार्षिक 'पास' पेश करेगी, जिसकी कीमत 3,000 रुपये होगी।

उन्होंने कहा कि यह 15 अगस्त से प्रभावी होगा जिससे राजमार्गों पर बिना किसी परेशानी के यात्रा करना संभव हो पाएगा। गडकरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह 'पास' चालू होने की तारीख से एक साल या 200 यात्रा के लिए (जो भी पहले हो) वैध होगा। इसे खास तौर पर गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए तैयार किया गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि वार्षिक 'पास' से देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध एवं लागत प्रभावी यात्रा संभव हो सकेगी। इसके लिए एक लिंक जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। गडकरी ने कहा कि यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित 'टोल प्लाजा' के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करती है और एकल, किफायती लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सरल बनाती है। मंत्री ने कहा, '' प्रतीक्षा समय, भीड़भाड़ को कम करके तथा टोल प्लाजा पर विवादों को न्यूनतम करके इस वार्षिक 'पास' का उद्देश्य लाखों निजी वाहन मालिकों को तीव्र एवं सुगम यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। गडकरी की इस घोषणा के बाद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जिनके पास पहले से ही 'फास्टैग' है, उन्हें नया फास्टैग खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। मंत्रालय ने कहा, '' वार्षिक 'पास' को आपके मौजूदा 'फास्टैग' पर सक्रिय किया जा सकता है, बशर्ते कि यह पात्रता मानदंडों को पूरा करता हो (अर्थात, यह वाहन के विंडशील्ड पर ठीक से चिपका हुआ हो, वैध वाहन पंजीकरण संख्या से जुड़ा हो, ब्लैकलिस्टेड न हो आदि)। वार्षिक 'पास' केवल राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे (एनई) टोल प्लाजा पर ही मान्य है। राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित एक्सप्रेसवे, राज्य राजमार्गों (एसएच), आदि टोल प्लाजा पर फास्टैग एक नियमित फास्टैग के रूप में काम करेगा और लागू उपयोगकर्ता ● शेष पेज 11 पर

अयोध्या में लौह पुरुष और अटल बिहारी बाजपेयी की याद में बनेगा स्मृति द्वार

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❐ नियावां से पाटेश्वरी मंदिर होते हुए रामपथ तक बनेगी फोरलेन नगर निगम क्षेत्र में और भी सड़कों के निर्माण व सौंदर्यीकरण का कार्य प्रस्तावित

❐ 351 करोड़ की लागत से सीवर लाइन से जोड़े जाएंगे 27 हजार घर, विकास में संत-महंतों का सुझाव जरूरी

लखनऊ। योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या धार्मिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे के विकास में नए आयाम स्थापित कर रहा है। अब वहां लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 'स्मृति द्वार' का निर्माण कराया जाएगा। शासन ने इसकी स्वीकृति देते हुए निर्माण के लिए पहली किस्त भी जारी कर दी है।

इस परियोजना से अयोध्या की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक गरिमा और बढ़ेगी। बाकरगंज में लौह पुरुष व गोंडा मार्ग पर बनेगा बाजपेयी द्वार अम्बेडकरनगर मार्ग में बाकरगंज बाजार में लौह पुरुष सरकार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार व अयोध्या गोण्डा मार्ग पर पेट्रोल पम्प के पास अटल बाजपेयी द्वार का निर्माण कराया जाएगा। लौह पुरुष सरकार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार की लागत 16.57 लाख रुपये आएगी, जिसके तहत 9.42 लाख रुपये की प्रथम किश्त अवमुक्त की जा चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी द्वार की लागत 17.17 लाख आएगी। जिसकी प्रथम किश्त के रुप में 10.302 लाख की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। फटिक शिला पार्किंग समेत ये महत्वपूर्ण कार्य प्रस्तावित अयोध्या धाम में फटिक शिला पार्किंग का निर्माण व पर्यटकीय सुविधाओं का विकास का कार्य, रामपथ व धर्मपथ पर मिस्टिंग फैन का कार्य, राम की पैड़ी पर आरती घर व पर्यटन विकास का कार्य, लता चौक के दाहिने तरफ राम की पैड़ी कैनाल रोड़ पर धर्मपथ के समानान्तर राष्ट्र की संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले थीम वाल का सौन्दयीकरण ● शेष पेज 11 पर

एक्सिओम मिशन-4 की लॉन्चिंग 22 जून को संभावित

नई दिल्ली। एक्सिओम मिशन-4 के प्रक्षेपण (लॉन्चिंग) की नई संभावित सामने आ गई है। संभावित लॉन्च तिथि 22 जून हो सकती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर यह जानकारी देते हुए कुछ महत्वपूर्ण ब्योरा जारी किया है।

इसरो ने लिखा है, ''इसरो, पोलैंड और हंगरी की टीमों ने एक्सिओम मिशन -4 की संभावित लॉन्च टाइमलाइन के बारे में एक्सिओम स्पेस के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद, एक्सिओम स्पेस ने कई तत्परता मापदंडों का आकलन करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और स्पेसएक्स के साथ परामर्श किया। इसरो ने एक्स पर बताया कि स्पेसएक्स फाल्कन-9 लॉन्च वाहन, ड्रैगन अंतरिक्ष यान की तत्परता की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा मॉड्यूल में मरम्मत, चढ़ाई गलियारे की मौसम की स्थिति और संगरोध में चालक दल के स्वास्थ्य और तैयारियों के आधार पर एक्सिओम स्पेस ● शेष पेज 11 पर

हिंदी में सुशील शुक्ल को बाल साहित्य व पार्वती तिर्की को युवा पुरस्कार

एजेंसी

नयी दिल्ली। साहित्य अकादमी ने साल 2025 के लिए हिंदी में सुशील शुक्ल को बाल साहित्य पुरस्कार तथा पार्वती तिर्की को युवा पुरस्कार देने की बुधवार को घोषणा की।

अकादमी ने अलग अलग बयान जारी कर बताया कि सभी 24 भाषाओं में बाल साहित्य पुरस्कार और 23 भाषाओं में युवा पुरस्कार देने के लिए रचनाकारों का चयन किया गया है। बयान के मुताबिक, अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने बताया कि संस्था के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में अकादमी के कार्यकारी मंडल ने युवा पुरस्कार 2025 एवं बाल साहित्य पुरस्कार 2025 की घोषणा की। उनके मुताबिक, बैठक में 23 युवा लेखकों की पुस्तकों एवं 24 बाल साहित्यकारों के लिए 2025 के पुरस्कार अनुमोदित किए गए। उन्होंने बताया कि इन पुस्तकों को त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना है। उनके मुताबिक, डोगरी भाषा का युवा पुरस्कार बाद में घोषित किया जाएगा। अकादमी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, बांग्ला, पंजाबी, राजस्थानी, उर्दू और संस्कृत समेत 24 भारतीय भाषाओं में साहित्य अकादमी पुरस्कार, युवा पुरस्कार, बाल साहित्य पुरस्कार तथा अनुवाद पुरस्कार प्रदान करती है। बयान के मुताबिक, हिंदी में शुक्ल को उनकी कहानी 'एक बटे बारह' के लिए प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी को 'दक्षिण, साउथ इंडियन मिथ्स एंड फैब्लस रीटोल्ड' (कहानी), उर्दू में गज़नफर इकबाल को 'कौमी सितारे' (लेख) व मैथिली में मुन्नी कामत को 'चुक्का' (कहानी) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से नवाज़ा जाएगा। इसके मुताबिक, बांग्ला में त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय को 'एखोनो गाये कांटा देय' (कहानी), गुजराती में कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट को 'टिंचक' (कविता), मराठी में सुरेश सावंत को 'आभालमाया' (कविता) और पंजाबी में पाली खादिम (अमृत पाल सिंह) को 'जादू पत्ता' (उपन्यास) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि अकादमी राजस्थानी में भोगीलाल पाटीदार को 'पंखेरुवं नी पीड़ा' (नाटक), संस्कृत में प्रीति पुजारा को 'बाल विश्र्वम्' (कविता), संथाली में हरलाल मुर्मू को 'सोना मिरु-अग संदेश' (कविता) और ● शेष पेज 11 पर

रेलवे लाइन किनारे मिला मोर्टार शेल, सेना ने किया निष्क्रिय

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली के सुभाषनगर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक किनारे मिट्टी के ढेर में दबा मोर्टार शेल मिलने से सनसनी फैल गयी। जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस ने मोर्टार शेल को सेना यूनिट के हवाले कर दिया जिसे सेना द्वारा इसको निष्क्रिय कराया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर रात्रि लगभग एक बजे थाना क्षेत्र सुभाष नगर अंतर्गत सूचना प्राप्त हुई कि जेसीबी से रेलवे ट्रैक किनारे मिट्टी का ढेर लगाया जा रहा था, जिसमें एक संदिग्ध वस्तु दिखने की सूचना प्राप्त हुई। यह एक मोर्टार शेल जैसे दिखने वाली वस्तु थी। जानकारी मिले पर रात में ही तत्काल मौके पर एसपी सिटी मानुष पारीक अपनी पूरी टीम साथ पहुंचे। टीम ने बरेली पुलिस लोकल बीडीएस यूनिट को भी भेजा गया। श्री आर्य ने बताया कि इसके साथ साथ आर्मी डिस्पोजल

स्क्वाड को भी भेजा गया। उनके द्वारा कन्फर्म किया गया कि ये एक बहुत पुराना मोर्टार शेल है। आर्मी यूनिट द्वारा इसको निष्क्रिय किया गया। ये भी बताया गया कि ये मिसफायर शेल है जो संभवतः पहले कभी इस्तेमाल हो कर मिसफायर हुआ होगा। उसको डिस्पोजल कर मिट्टी में दबा दिया गया होगा। जेसीबी से खुदाई दौरान यह बरामद हुआ है।

नहीं करेंगे सरेंडर... जंग में कूदा यूएस तो चुकाएगा भारी कीमत : खामेनेई

एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराने के ईरान के दावे को इजरायल ने किया खारिज, इजरायल ने तेज किए हमले

एजेंसी

तेलअवीव/तेहरान। ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूदने की अटकलों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने दो टूक कहा है कि उनका देश किसी भी कीमत पर सरेंडर नहीं करेगा। राष्ट्रीय टेलीविजन पर खामेनेई ने देश के नाम राष्ट्रीय संबोधन में कहा कि ईरान हरगिज आत्मसमर्पण नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान की जनता अपने शहीदों के खून को कभी नहीं भूलेगी। उन्होंने कहा कि देश की हवाई सीमा का उल्लंघन करने वालों को कभी माफ नहीं किया जाएगा।

खामेनेई ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका ने इस्लामी गणराज्य के दुश्मनों का साथ दिया तो उसे भी गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। खामेनेई ने कहा, ''अमेरिकियों को पता होना चाहिए कि संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किसी भी सैन्य हस्तक्षेप से उसे अपूरणीय क्षति उठानी होगी।''

ईरान के सर्वोच्च नेता ने बुधवार को अमेरिका को चेतावनी दी कि इस्लामी गणराज्य को निशाना बनाकर किए जा रहे इजराइली हमलों में शामिल होने से 'उसे अपूरणीय क्षति होगी।' खामेनेई की यह टिप्पणी एक सरकारी टेलीविजन के एंकर द्वारा पढ़ी गई जबकि उस दौरान स्क्रीन पर खामेनेई की तस्वीर दिखाई देती रही। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि 86 वर्षीय खामेनेई खुद स्क्रीन पर क्यों नहीं दिखाई दिए क्योंकि शुक्रवार को इजराइली हमले शुरू होने के बाद वह एक बार टीवी स्क्रीन पर दिखाई दिए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले ही ईरान को 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करने के लिए कहा था। ट्रंप ने अयातुल्ला अली खामेनेई को चेतावनी दी थी कि वह जानते है कि ईरान के सर्वोच्च नेता कहां छिपे हैं। ट्रंप ने एक 'पोस्ट' में ईरान से ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने का आह्वान किया था। ट्रंप ने कहा कि खामेनेई को मारने की उनकी ''कम से कम फिलहाल कोई योजना'' नहीं है। इसके एक दिन बाद ईरान की तरफ से ये बयान आया है। इस बीच, बुधवार सुबह इजराइल ने ईरान की राजधानी पर हवाई हमले तेज कर दिए। इजरायल ने तेहरान के एक अन्य क्षेत्र पर हमले की चेतावनी जारी की थी, जिसके बाद ये हमले किये गये। क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल है और इजरायल द्वारा ईरान के सैन्य एवं परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर किये जा रहे हवाई हमलों के छठे दिन तेहरान में रह रहे ज्यातार लोग अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में युद्धक विमान भेजे हैं। ईरान की वायु सेना ने तेहरान के वारमिन शहर के ऊपर इजरायल के एफ-35 लडाकू विमान को मार गिराने का दावा किया है। इजरायल ने हालांकि ईरान के दावे को खारिज कर दिया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने वरामिन काउंटी के प्रमुख के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा, ह्लसेना के वायु रक्षा बलों ने वरामिन ● शेष पेज 11 पर

अगले 48 घंटे हो सकते हैं ईरान के लिए महत्वपूर्ण : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी अधिकारियों ने व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बैठक के दौरान कहा कि अगले 24 से 48 घंटे निर्णायक सिद्ध होंगे जो यह निर्धारित करेंगे कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान संभव है या फिर राष्ट्रपति सैन्य कार्रवाई का सहारा लेंगे। अमेरिकी टेलीविज़न नेटवर्क एबीसी ने बुधवार को रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अमेरिका के अधिकारियों ने कहा है कि वह अगले 24 से 48 घंटे यह निर्धारित करेंगे कि ईरान और इज़रायल के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान संभव है या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सैन्य कार्रवाई का सहारा लेना पड़ेगा। एबीसी न्यूज़ चैनल की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम में श्री ट्रम्प के साथ बैठक के दौरान कहा कि वह अगले 24 से 48 घंटे यह निर्धारित करेंगे कि ईरान और इज़रायल के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान संभव है या राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई का सहारा लेना पड़ेगा।

अखिलेश ने भाजपा पर लगाया स्वास्थ्य सेवा को बर्बाद करने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद करने का आरोप दोहराया है।

श्री यादव ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि अस्पतालों में लापरवाही के कारण कई जगह मरीजों की मौतें हो चुकी है। मरीजों को सही से इलाज नहीं मिल पा रहा है। मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में मानक के अनुरूप पर्याप्त प्रोफ़ेसर, डॉक्टर, तकनीकी स्टाफ और आधारभूत ढांचा नहीं है। मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस छात्रों की पढ़ाई के लिए पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन नहीं है।

उन्होने कहा कि सरकार मेडिकल कॉलेजों और बड़े संस्थानों को उनकी जरूरत के अनुसार बजट नहीं देती। गरीब और आम जनता को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले मंत्री विभाग की व्यवस्था संभालने के बजाय समाज को लड़ाने में ज्यादा रूचि रखते है। अस्पतालों में दलालों का बोलबाला है। सामानों के खरीद में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी है। जिसका नतीजा कहीं आग लगने की घटनाएं होती हैं तो कहीं अन्य तरह की घटनाएं हो रही है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य विभाग की हालत ऐसी कर दी है कि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खुद ही बीमार नज़र आते है। राजधानी लखनऊ में भाजपा सरकार की नाक के नीचे ही बड़े संस्थानों में लापरवाही चरम पर है। लोहिया संस्थान से बायोप्सी के 12 नमूने गायब हो गए। केजीएमयू ट्रामा सेंटर के सेटेलाइट ब्लड स्टोरेज यूनिट से खून गायब हो गया। लोहिया संस्थान में मरीजों को एंडोस्कोपी के लिए सवा साल बाद की तारीख मिल रही है। नगराम सीएचसी में अल्ट्रासाउंड जांच चार महीने से बंद पड़ी है। स्वास्थ्य मंत्री को बयानबाजी और थोथे दावे करने से फुर्सत नहीं, जमीनी हकीकत वे क्या समझेंगे।

उन्होने कहा कि हालत यह है कि मरीज सरकारी अस्पताल जाने से डरते है। मजबूरी में उन्हें निजी अस्पतालों का रूख करना पड़ता है। जहां उन्हें इलाज के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ती है। भाजपा सरकार साजिश के तहत सरकारी सेवाओं को खराब कर रही है।

यीडा बदलेगा ग्रेटर नोएडा समेत समूचे अधिकृत क्षेत्र की तस्वीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की बुधवार को 85वीं बोर्ड बैठक में 54 महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किए गए, जो ग्रेटर नोएडा समेत समूचे यीडा अधिकृत क्षेत्र को भविष्य की जरूरतों के आधार पर विकसित करने के रोडमैप को प्रस्तुत करते हैं।

यीडा के अध्यक्ष आलोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान पेश किए गए प्रस्तावों में सुरक्षा, पर्यटन, औद्योगिक निवेश, बिजली आपूर्ति, ग्रामीण विकास और भूखंडों के आवंटन से जुड़े अहम फैसले लिए गए।

ये निर्णय यमुना क्षेत्र में विकास को नई दिशा देने वाले माने जा रहे हैं और मास्टर प्लान-2041 के उद्देश्यों को पूरा करने के हिसाब से निर्मित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा व आगरा के 1149 राजस्व गांव यीडा अधिकृत कुल क्षेत्र में आते हैं। इनमें से गौतमबुद्धनगर व बुलंदशहर मास्टरप्लान-2041 के अंतर्गत आते हैं। वहीं, अन्य 4 जिले प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र में फ़ेज-2 कहलाते हैं।

बोर्ड बैठक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र में 1000 वर्गमीटर भूमि पर एक नया पुलिस थाना बनाए जाने को मंजूरी दी गई। यह थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगा। वहीं, सेक्टर 22एफ और 23बी में रिक्रिएशनल ग्रीन क्षेत्रों के अंतर्गत गोल्फ कोर्स, जिमखाना क्लब, यमुना हाट जैसे पर्यटन स्थल विकसित करने की योजना को स्वीकृति मिली। इसके अलावा किंगडम ऑफ ड्रीम्स, ओलंपिक विलेज, थीम पार्क, एविएशन म्यूजियम, ऑक्सफोर्ड गोल्ड रिजॉर्ट, दिल्ली हाट, कब्बन पार्क तथा दिल्ली जिमखाना क्लबजैसे बड़े प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित किए गए हैं, जिन्हें पीपीपी मोड पर विकसित किया जाएगा और इनकी स्थापना के लिए नियम व शर्तों के प्रारूप को अंतिम रूप देने पर फोकस किया जा रहा है।

बैठक में अर्बन सेंटर के बाहर पड़ने वाले कृषि भूमि के उपयोग तथा ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में विकास के लिए मास्टर प्लान-2031 के फ़ेज-2 (संपूर्ण क्षेत्र-रीजनल लेवल योजना) तैयार की गई है। इसमें ग्रामीण आबादी के 200 मीटर की त्रिज्या में रेजिडेंशियल, पब्लिक, इंस्टीट्यूशनल व आवश्यक कमर्शियल एक्टिविटी के संचालन के लिए भी एक फ्रेमवर्क तैयार किया गया है।

बैठक में केंद्र सरकार के सहयोग से सेक्टर-10 में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी 2.0) की स्थापना को मंजूरी दी गई, जिसके लिए 200 एकड़ भूमि चयनित की गई है। इसमें अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए विशेष सुविधाएं जैसे डाटा सेंटर, हॉस्टल, स्किल डेवलपमेंट सेंटर आदि विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा, सेक्टर-18 और 32 में अग्निशमन केंद्र (फायर स्टेशन) की स्थापना के लिए लगभग 7485 वर्गमीटर भूमि चिन्हित की गई है। सेक्टर-29 में नेशनल एग्जीक्यूटिव एविएशन क्लस्टर के तहत 82 सदस्यों को भूखंड दिए गए हैं, जिनमें से 61 भूखंडों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। पहले चलाई गई ओटीएस योजना से प्राधिकरण को करीब 551 करोड़ रुपये की आय हुई थी। ऐसे में, इसे फिर से 1 जुलाई से 31 अगस्त 2025 तक लागू किया जाएगा, ताकि डिफॉल्टरों को दोबारा मौका मिल सके और बकाया राशि जमा हो सके। इसके साथ ही, सेक्टर 16, 17, 18, 20 और 22डी में इन्फॉर्मल सेक्टर के लिए 30 वर्गमीटर वाले लगभग 28,900 भूखंड विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा 4288 भूखंडों की पहचान कर ली गई है। साथ ही, स्टील इंडस्ट्रियल क्लस्टर के लिए 2 हेक्टेयर भूमि आरक्षित की गई है, जिससे पावर इंटेंसिव इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार पुलिस भर्ती का ऐसे प्रचार कर रही है, जैसे यह कोई नई बात हो: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने यूपी में 60,244 पुलिसकर्मियों भर्ती को लेकर लेकर राज्य सरकार के प्रचार प्रसार पर सवाल उठाया। सरकार पर तंज कसते हुए मायावती ने कहा यूपी में 60,244 पुलिस भर्ती को लेकर सरकार इतना प्रचार प्रसार कर रही है। इससे यह लग रहा है कि यह कोई नई बात है। पुलिस विभाग में ऐसी भर्ती रुटीन कार्य हैं। उनकी सरकार में भी भर्ती हुई थी। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को एक्स पर दो पोस्ट किए। पहले पोस्ट में उन्होंने कहा कि प्रदेश में हाल ही में 60,244 सिपाही भर्ती हुई। सरकार इसका खूब प्रचार-प्रसार कर रही है। सिपाही भर्ती को लेकर ऐसा प्रचारित किया गया, जैसे यह कोई नई बात हो, जबकि पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है, ताकि बैकलाग की बुराई पुलिस विभाग में भी न आए। किन्तु इस भर्ती में सर्वसमाज को सही हक मिला या नहीं व उनकी प्रशिक्षण को लेकर चिंता जताई है। मायावती ने कहा कि उनकी सरकार में यूपी में 'कानून का राज' स्थापित और न्याय-युक्त माहौल स्थापित करने के लिए एकमुश्त 1.20 लाख नए पद सृजित किए थे।

योगी सरकार बना रही 37 हजार गरीब बच्चों का सुंदर भविष्य

- आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं विद्यालय
- सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर बनाई गई प्रवेश प्रक्रिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक समावेश और समता का एक सफल मॉडल बनकर उभरे हैं। गरीब, वंचित और ग्रामीण परिवेश के मेधावी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और पूरी तरह निःशुल्क आवासीय शिक्षा देने वाली इस योजना के तहत लाभान्वित बच्चों की संख्या में वर्ष दर वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2018-19 में जहां मात्र 32,429 बच्चे इस योजना के तहत पढ़ाई कर रहे थे, वहीं वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर करीब 37,000 तक पहुंच गई है।

यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार की दूरदर्शी सोच और संकल्प की सफलता की कहानी है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि बीते सात वर्षों में करीब 4,571 छात्रों की बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि सरकार गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वर्ष 2018-19 तक प्रदेश के 58 जिलों में 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित थे। 2025 तक यह संख्या बढ़कर 109 विद्यालयों तक पहुंच गई है, जो अब 62 जिलों में कार्यरत हैं। समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बाताया कि इस वर्ष मथुरा, बलिया, पीलीभीत, गोंडा, कानपुर देहात, अमरोहा, महाराजगंज, अंबेडकरनगर और मैनपुरी जिलों में 9 नए सर्वोदय विद्यालय खोले गए हैं। लगभग 2000 नए छात्रों को निःशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा।

इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, टैबलेट, एयरोमॉडलिंग, AI कार्यशालाएं, CCTV निगरानी और अन्य नवीनतम तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भोजन, यूनिफॉर्म, पाठ्य सामग्री से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं (NEET, JEE, CUET) की निःशुल्क कोचिंग तक की संपूर्ण व्यवस्था छात्रों को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक है।

इन विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया भी सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर बनाई गई है। 60 फीसदी सीटें अनुसूचित जाति/जनजाति, 25फीसदी पिछड़े वर्ग और 15 फीसदी सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जिससे हर तबके को समान अवसर मिल सके। साथ ही, 85 फीसदी छात्र ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित किए जाते हैं। इससे गांवों के होनहारों को भी आगे बढ़ने का मंच मिलता है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में आए नीट (यूजी) के परिणाम में मीरजापुर के मड़िहान स्थित सर्वोदय विद्यालय की 25 में से 12 छात्राओं ने सफलता हासिल की है।

कांग्रेस ने दशकों तक ओबीसी समाज को सिर्फ वोटबैंक समझा: केशव

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पार्टी पर पिछड़ों की विरोधी होने का आरोप लगाया है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर बुधवार को लिखा कि कांग्रेस ने दशकों तक ओबीसी समाज को सिर्फ वोटबैंक समझा, कभी हक नहीं दिया। मोदी सरकार ने वो सब किया जिसका इंतज़ार आज़ादी के बाद से था—जातिगत जनगणना,ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्ज़ा, नीट सहित सभी क्षेत्रों में ओबीसी आरक्षण ठोस लाभ। आज मोदी फोबिया से ग्रसित ढोंगियों की असलियत उजागर है। पिछड़े वर्ग के लोग जानते हैं कि पिछड़ों की विरोधी कांग्रेस और राहुल गांधी, सपा बहादुर अखिलेश यादव,राजद एंड कंपनी सिर्फ धोखा हैं—वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर देश का भरोसा है। विकसित भारत,शिक्षित भारत, गरीब होंगे अमीर,बदल रही है,देश की तस्वीर। उन्होंने लिखा कि गुंडाराज, परिवारवाद और भ्रष्टाचार की विरासत अब खत्म होने वाली है। सपा सरकार और अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनता के आशीर्वाद से 2014 में 73 सांसद और 2017 में 325 विधायक जिताकर इतिहास रचा था। जब उनके हाथ में सत्ता थी, तब भी जनता ने भाजपा को सिर माथे बिठाया — अब जब पूरा सच सामने है, तो 2027 में जनता के आशीर्वाद से भाजपा कार्यकर्ता 'सपा' को 'समाप्त वादी पार्टी' बना देंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत खमहरिया हरिवंश विकास खण्ड पंडरी कृपाल गोंडा

दिनांक :13/06/2025 निविदा /2025-26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत खमहरिया हरिवंश विकास खण्ड पड़री कृपाल में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मनरेगा /चतुर्थ राज्य वित्त/ पंचम राज्यवित्त/केंद्री वित्त आयोग/चौदहवाँ राज्य वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आगनवाडी केन्द्र पंचायत भवन, वृक्षा रोपण कायाकल्प,अन्तेष्टि स्थल ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति गौ पशुआश्रय,इत्यादि कार्यों हेतु प्रथम/द्वितीय श्रेणी ईट, इण्टर लाकिंग ईट,ईट गिट्टी,बालू,मोरंग,पेंट,सारिया,पत्थर गिट्टी हयूम पाइप एवम समस्त निर्माण सामग्री इत्यादि की आवश्यकता है,इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20/06/25 तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वाछितं प्रपत्र बंद लिफाफ़े में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बाक्स में डाली जायेगी।धरोहर राशि पाच हजार होगी।निविदा/कोटेशन दिनांक 20/06/2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रधान/सचिव की उपस्थित मे निविदा फार्म खोला जायेगा।

कार्य का नाम:पक्की सड़क से गौ आश्रय केंद्र तक इंटरलॉकिंग कार्य 350X 3 लम्बाई

प्रधान सचिव

राकेश कुमार नीलू सिंह

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

एक माह 19 दिन गुजर गए नहीं मिला बधुओं को अनुमन्य धनराशि?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव। प्रयागराज। सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह पूरे यमुनानगर की गत एक मई 2025 को कोरांव तहसील के एक बड़े गेस्ट हाउस में सैकड़ों वर वधुओं का विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ,किंतु समाज कल्याण विभाग द्वारा इतने दिन गुजरने के बावजूद भी आज तक वर वधुओं को प्रोत्साहन राशि नहीं नसीब हो सकी। जिससे वधू पक्ष के लोगों में रोष व्याप्त है। और सरकार की जन मानस में खिल्लियां उड़ रही है।

उल्लेखनीय है कि यमुनापार के प्रत्येक विकास खंड से सैकड़ों वर वधुओं का कोरांव में समागम हुआ था। और विवाहोत्सव किया गया था। किंतु समाज कल्याण विभाग ने एक मई 2025 को संपन्न कार्यक्रम के पश्चात चुप्पी साध ली। इस दौरान दो तीन बार वधुएं ससुराल से मायके आईं और मायके से ससुराल बिदा हुई,किंतु विवाह की अनुदान राशि विवाहिताओं के खाते में अभी तक राशि नहीं भेजी गईं। जिससे लोगों में इस योजना को लेकर समाज कल्याण विभाग की बड़ी किरकिरी हो रही है।

चर्चा भी इस बात की है कि उक्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक राजमणि कोल कोरांव विधान सभा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। और वर वधुओं को आशीर्वाद दिए थे। साथ ही अविलंब सभी कन्याओं के खातों में 35 हजार रुपए ट्रांसफर किए जाने की घोषणा की थी। किंतु उक्त विभाग ने ध्यान नहीं दिया। बल्कि लोगों ने गरीबों का गरीबी का मजाक उड़ाया जाना बताया जा रहा है। जिससे उक्त योजना के प्रति जागरूकता कम होने लगी है। फिलहाल एक शिकायत की आख्या में समांज कल्याण अधिकारी कार्यालय ने दर्शाया है कि दस जून को धन प्राप्त हुआ है किंतु जिलाधिकारी की अनुमति के बाद ही धन राशि भेजी जाएगी। फिर भी पर्याप्त समय व्यतीत हो चुका किंतु अनुमति नहीं मिली। इस मामले मे मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज के सियुजी नम्बर पर फोन किया फोन किसी अन्य स्टॉफ ने उठाया बताया की मीटिंग मे है।

प्रयागराज में सड़क किनारे मिला महिला का शव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के हंडिया क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक महिला का शव सड़क किनारे पाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हंडिया थाना क्षेत्र में जमशेदपुर गेट के पास सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त लगती थी। वह अक्सर इस क्षेत्र में भटकती हुई दिखाई देती थी। संभवतः उसको किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया गया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी तलाशने में जुटी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई महिला को पहचानता है तो सैदाबाद पुलिस से संपर्क करे। उन्होंने मृतका के पहनावे के अनुसार बताया कि लगता है वह राजस्थान की रहने वाली है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खत्म होने तक जारी रहेगा : डॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद व पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खत्म होने तक जारी रहेगा। भारत एक बदला हुआ भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ किसी समझौते के मूड में नहीं है। डॉ. दिनेश शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच टेली-वार्ता पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री के बयान पर कहा, ''विदेश सचिव ने सब कुछ बता दिया है, अब इसमें कोई भ्रम या संदेह नहीं है।, इस बात की इससे स्पष्ट चर्चा विश्व पटल पर नहीं हो सकती। वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर में आतंक का सफाया कर रही थी, तब कांग्रेस और राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे थे। उनकी बयानबाज़ी सेना के शौर्य का अपमान थी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया कि भारत ने कभी कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की। भारत गोली का जवाब गोले से, ड्रोन का जवाब ब्रह्मोस से देता है३ और देगा। कांग्रेस अब देशवासियों को मुँह दिखाने लायक नहीं रही ! देश को सेना और सेना के शौर्य एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गर्व है। परंतु कांग्रेसियों की पाकिस्तान परस्ती पर शर्म आती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत भिवपुर विकास खण्ड पंडरी कृपाल गोंडा

दिनांक :13/06/2025 निविदा /2025-26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत भिवपुर विकास खण्ड पड़री कृपाल में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मनरेगा /चतुर्थ राज्य वित्त/ पंचम राज्यवित्त/केंद्री वित्त आयोग/चौदहवाँ राज्य वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आगन वाडी केन्द्र पंचायत भवन,वृक्षा रोपण कायाकल्प, अन्तेष्टि स्थल ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति गौ पशुआश्रय,इत्यादि कार्यों हेतु प्रथम/द्वितीय श्रेणी ईट, इण्टर लाकिंग ईट,ईट गिट्टी, बालू, मोरंग, पेंट, सारिया,पत्थर गिट्टी हयूम पाइप एवम समस्त निर्माण सामग्री इत्यादि की आवश्यकता है,इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20/06/25 तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वाछितं प्रपत्र बंद लिफाफ़े में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बाक्स में डाली जायेगी।धरोहर राशि पाच हजार होगी।निविदा/कोटेशन दिनांक 20/06/2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रधान/सचिव की उपस्थित मे निविदा फार्म खोला जायेगा।

कार्य का नामः तुलसीराम के घर से नबी के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य 200X 3 लम्बाई

प्रधान सचिव

आशा राम तिवारी

यूपी ने जेम पर पारदर्शी और दक्ष खरीद प्रणाली में रचा इतिहास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर डिजिटल और पारदर्शी प्रशासन में अपनी अग्रणी भूमिका को साबित किया है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के माध्यम से की गई खरीद में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर खुले शब्दों में प्रशंसा की है। उन्होंने योगी सरकार के इस प्रयास को अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल भी बताया है। पीयूष गोयल ने पत्र के साथ ही 5 वर्षों में जेम पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई खरीद का डाटा भी दिया गया है, जिसके अनुसार प्रदेश सरकार ने 2020-21 से 2024-25 के दौरान कुल 65,227 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीद की है। जेम पर अब तक 11,000 से अधिक उत्पाद श्रेणियों और 330 से ज्यादा सेवा श्रेणियों को शामिल किया जा चुका है। इस प्रणाली के तहत उत्तर प्रदेश के क्रेताओं ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों में की गई खरीद राज्य की तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता और नीतिगत दृढ़ता का प्रमाण है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने पत्र में कहा, उत्तर प्रदेश की यह पहल डिजिटल इंडिया की संकल्पना को साकार करने का जीवंत उदाहरण है। जब तकनीकी दृष्टिकोण और समावेशिता निष्पादन से जुड़ती है, तभी हम ऐसी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उत्तर प्रदेश का यह प्रयास अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा, जिससे जेम को देशभर में और तेजी से अपनाया जाएगा। पीयूष गोयल ने यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश द्वारा जेम को प्रोत्साहित करने का प्रयास उस संकल्पना को साकार कर रहा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन-स्टॉप डिजिटल मार्केटप्लेस' के रूप में परिकल्पित किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने न केवल जेम को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है, बल्कि इसे प्रभावी ढंग से लागू करने में भी सफलता हासिल की।

डीसीपी जमुनापार ने थाना कोरांव का किया निरीक्षण

- डीसीपी के आने की खबर सुनते ही सुबह से व्यवस्था मे लगा रहा कोरांव थाना पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव (प्रयागराज) । पुलिस उपायुक्त जमुनापार विवेक चंद्र यादव ने बुधवार को कोरांव थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने बंदी गृह, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, बैरक, मेस और परिसर में खड़े वाहनों का निरीक्षण किया। साथ ही हाल ही मे बना नया आवास समेत पुराने आवास का भी निरीक्षण किया तत्पश्चात थाना के स्टॉफ की मीटिंग ली लंबित विवेचना का जल्द न्यायोचित निष्पक्ष निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया निरीक्षण की सुचना थाना पुलिस कोरांव को पहले से था जिस कारण थाना मे अब्यवस्था को लेकर थाना पुलिस सुधारने मे जुटा रहा वही महिला हेल्फ डेक्स मे कोई महिला पुलिस कर्मी नहीं दिखी साथ ही एन बी डब्लू का पालन न करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की कुछ रख रखाव ठीक नहीं पाया गया सुधार के लिए हिदायत दिया गया बिना तस्दीक किये गलत तरिके से किसी ब्यक्ति को पाबंद निरुद्ध न करने व पीड़ित पक्ष का चालान अनावश्यक रूप से न करे जो पक्ष गलत हो उसी के विरुद्ध कार्रवाही करे निरीक्षण के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त मेजा संत प्रसाद उपाध्याय, प्रभारी निरीक्षक थाना कोरांव राकेश कुमार वर्मा इंस्पेक्टर क्राइम थाना कोरांव शैलेश कुमार सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। निरीक्षण का उद्देश्य थाने की व्यवस्था और सुविधाओं का जायजा लेना था।

कार्यालय ग्राम पंचायत बेलावा विकास खण्ड पंडरी कृपाल गोंडा

दिनांक :13/06/2025 निविदा /2025-26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत बेलावा विकास खण्ड पड़री कृपाल में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मनरेगा /चतुर्थ राज्य वित्त/ पंचम राज्यवित्त/केंद्री वित्त आयोग/चौदहवाँ राज्य वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आगनवाडी केन्द्र पंचायत भवन, वृक्षा रोपण कायाकल्प,अन्तेष्टि स्थल ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति गौ पशुआश्रय,इत्यादि कार्यों हेतु प्रथम/द्वितीय श्रेणी ईट, इण्टर लाकिंग ईट,ईट गिट्टी,बालू,मोरंग,पेंट,सारिया,पत्थर गिट्टी हयूम पाइप एवम समस्त निर्माण सामग्री इत्यादि की आवश्यकता है,इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20/06/25 तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वाछितं प्रपत्र बंद लिफाफ़े में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बाक्स में डाली जायेगी।धरोहर राशि पाच हजार होगी।निविदा/कोटेशन दिनांक 20/06/2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रधान/ सचिव की उपस्थित मे निविदा फार्म खोला जायेगा।

1. कार्य का नामः बेलावा में इंटरलॉकिंग रोड से सरयू के घर तक 150 X 2.50 इंटरलॉकिंग कार्य
2. मेवाराम के घर से रमेश के घर होकर अनोखी के घर तक 150 X 2.50 इंटरलॉकिंग कार्य

प्रधान सचिव

राकेश कुमार सरिता शुक्ला

दोनों ओर से मारपीट व जानलेवा हमले के आरोप

नगराम में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम,लखनऊ । नगराम थाना क्षेत्र के ईश्वरदीनखेड़ा मजरा समेसी के गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस संघर्ष में दोनों पक्षों की महिलाएं घायल हो गईं, वहीं एक-दूसरे पर जानलेवा हमला करने और गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। घटना मंगलवार रात की है, जिसकी तहरीर दोनों पक्षों ने नगराम थाने में दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगराम थाना क्षेत्र के ईश्वरदीनखेड़ा निवासी रानू पत्नी अंजनी ने नगराम थाने में तहरीर दी है कि बीते मंगलवार की रात वह अपनी छोटी बहन सुषमा के साथ घर पर अकेली थी। तभी विपक्षी फूलचन्द्र पुत्र अवसान, रिंकू और टिंकू निवासी अतरोली थाना मोहनलालगंज, लाठी-डंडा व कुल्हाड़ी लेकर घर में घुस आए और पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। रानू के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला किया जिससे गंभीर चोटें आईं, वहीं बीच-बचाव करने आई उसकी बहन सुषमा को भी कुल्हाड़ी मारी गई। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से उपरोक्त गांव की रहने वाली रोशनी पत्नी फूलचन्द्र ने भी नगराम थाने में तहरीर दी है। पीड़िता रोशनी का आरोप है कि बीते मंगलवार की देर रात रानू पत्नी अंजनी, अंजनी पुत्र पियारे, व उनकी साली-साढ़ू सहित चार लोग घर में घुस आए और उसे बांका मारकर घायल कर दिया।

संघर्ष में दोनों पक्षों की महिलाएं घायल हो गईं, वहीं एक-दूसरे पर जानलेवा हमला करने और गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं

पीड़िता के अनुसार, गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी गई। बीच-बचाव करने पर उसके पति फूलचन्द्र को भी पीटा गया, जिससे उन्हें चोटें आईं।दोनों पक्षों की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों का मामला दर्ज कर लिया है। नगराम थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी पुलिस ने बताया कि, जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली के बच्चों को सिखाया गया योग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम क्षेत्र स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली में योग शिविर का आयोजन किया गया।

आजकल के भाग दौड़ भरे जीवन में शरीर से संबंधित अनेक विकार जन्म लेते हैं जिसके लिए योग बहुत ही आवश्यक है। छात्र-छात्राओं के लिए योग का विशेष महत्व है क्योंकि एक्सरसाइज के अलावा इसमें ध्यान संबंधी योग भी शामिल होते हैं। पतंजलि योग समिति गंगागंज के अध्यक्ष नागेश वर्मा शिक्षक एवं योग प्रशिक्षक अनिल कुमार वर्मा योग प्रशिक्षक रामकुमार पांडे तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया। छात्र-छात्राओं को सर्वप्रथम ग्रीवा संचालन, कटि संचालन, हस्त संचालन,शशक मुद्रा, प्राणायाम,कपाल भाति जैसे प्रमुख योगाभ्यास कराये गये।

छात्र-छात्राओं को पतंजलि योग समिति गंगागंज लखनऊ की ओर से यूनिफॉर्म भी प्रदान की गई तथा विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2025 को गंगागंज लखनऊ के मिनी स्टेडियम निकट सरकारी अस्पताल में आयोजित बृहद योग शिविर में प्रतिभाग करने के लिए छात्र-छात्राओं शिक्षकों और उनके अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को 21 जून 2025 को प्रातः 5:00 बजे विद्यालय बुलाया गया है जहां से बस द्वारा गंगागंज भेजा जाएगा।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्रायें तथा प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा शिक्षक अमित कुमार श्रीकांत प्रदीप कुमार राम अचल कुमारी अंजली कुमारी अंजू उपस्थित रहे।

बाबू सुन्दर सिंह की पुण्यतिथि पर 'यथार्थ गीता' से अनुप्राणित श्रद्धांजलि समारोह सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां स्तिथ बाबू सुंदर सिंह इंजीनियरिंग कॉलेज में पूज्य बाबू सुन्दर सिंह की पुण्यतिथि पर एक गरिमामय एवं आध्यात्मिक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रद्धा, संस्कार और आत्मिक अनुशासन का संगम बन गया, जिसमें दिवंगत आत्मा की स्मृति को 'यथार्थ गीता' के आलोक में श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शांति पाठ और वैदिक हवन से हुई, जिसमें संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व स्थानीय श्रद्धालुजन शामिल हुए। इसके पश्चात आयोजित ‖स्मृति-चिंतन एवं जीवन यात्रा‖ सत्र में वक्ताओं ने बाबू सुन्दर सिंह जी के जीवन दर्शन, समाज सेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण को साझा किया। उन्होंने उनके विचारों को 'यथार्थ गीता' के संदेशों – कर्तव्य, समर्पण और आत्मज्ञान – से जोड़ते हुए उन्हें आज की पीढ़ी के लिए प्रेरक उदाहरण बताया। वक्ताओं में चेयरमैन आनंद शेखर सिंह, संस्थापक निदेशक गोमती सिंह, बी. के. सिंह चौहान, अनिल सिंह व रवि राय शामिल रहे। संचालन अमित कुमार यादव ने प्रभावशाली ढंग से किया। प्रो. के. के. सिंह, प्रो. शाह, अनिल कुमार सिंह और डायरेक्टर आलोक कुमार शुक्ला , डॉ आनंद सिंह, सुनील शंखधर, संजीव पांडेय की उपस्थिति ने समारोह को विशेष बना दिया।

डालीगंज व मेडिकल चौराहे पर ट्रैफिक से मिलेगी राहत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए डालीगंज तिराहा और मेडिकल कॉलेज चौराहे पर ट्रैफिक जाम की समस्या को खत्म करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। इन चौराहों की री-मॉडलिंग का कार्य शुरू हो चुका है, जिसे सितंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही हुसैनाबाद में घंटाघर के पास बन रही लजीज गली भी जल्द शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने दोनों चौराहों और हेरिटेज जोन का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि डालीगंज तिराहा और मेडिकल कॉलेज चौराहे पर पीक आवर्स में भारी ट्रैफिक के कारण जाम की स्थिति बनती है, जिससे मरीजों और मेडिकल स्टाफ को खासी परेशानी होती है। सर्वे के आधार पर इन चौराहों की री-मॉडलिंग की जा रही है। मेडिकल कॉलेज चौराहे के लिए 72 लाख रुपये और डालीगंज तिराहे के लिए 87 लाख रुपये की लागत से रोटरी का व्यास कम किया जाएगा, मीडियन का विस्तार होगा, और आइलैंड को री-डिज़ाइन किया जाएगा। इसके अलावा, रोड मार्किंग, साइनेज बोर्ड, ट्रैफिक सिग्नल, सीसीटीवी, और बिजली के खंभों को शिफ्ट करने का काम भी जल्द पूरा होगा। इसके अलावा हुसैनाबाद के घंटाघर के पास बन रही लजीज गली में फिनिशिंग और विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है। उपाध्यक्ष ने म्यूजियम ब्लॉक का भी जायजा लिया और अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा, अधिशासी अभियंता संजीव कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एलडीए के प्रयासों से न केवल ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी, बल्कि लजीज गली के गुलजार होने से लखनऊ की सांस्कृतिक और पर्यटन क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा।

योग को पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग बनाया जाए : राज्यपाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ,। प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से बुधवार को राजभवन, लखनऊ में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ की नैक टीम ने भेंट की। यह भेंट विश्वविद्यालय को पहले प्रयास में ही राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बेंगलुरु की ओर से ग्रेड 'ए' प्राप्त होने के उपलक्ष्य में की गई। टीम ने इस उपलब्धि के लिए राज्यपाल द्वारा समय-समय पर दिए गए मार्गदर्शन, प्रेरणा और सतत निगरानी के प्रति आभार प्रकट करते हुए इसे विश्वविद्यालय की सफलता का आधार बताया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि योग तथा अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग बनाया जाए ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। कहीं भी कोई अच्छा कार्य दिखाई दे तो उसे अपने विश्वविद्यालय में अपनाने की भावना विकसित करें। अपने संबोधन में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान की टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह सोचना आवश्यक है कि श्रेष्ठतम ग्रेड प्राप्त करने से विश्वविद्यालय कैसे वंचित रह गया और उन कमियों को दूर करने के लिए योजना बनाई जाए। विश्वविद्यालय को यह संकल्प लेना चाहिए कि अगले मूल्यांकन में और बेहतर ग्रेड प्राप्त किया जाए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड मिलने के उपरांत विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिलने तथा विदेशी छात्रों के नामांकन पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का प्रमाण है। इस दिशा में और प्रयास किए जाने चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में स्थान बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि आज महिलाएं कृषि और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में सक्रियता से भाग ले रही हैं, जो कि एक सकारात्मक परिवर्तन है। पहले ऐसा नहीं होता था। विश्वविद्यालय को चाहिए कि वह इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करे और महिला विद्यार्थियों को इस दिशा में नवाचार करने के लिए प्रेरित करे।

राज्यपाल ने सख्त निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय में होने वाले शोध किसानों तक अवश्य पहुंचने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि रिसर्च के माध्यम से ऐसी बीज प्रजातियां विकसित करने के शोध किये जाएं जो मौसमी प्रभावों से सुरक्षित रह सकें और उच्च उत्पादन दे सकें। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.के. सिंह, विश्वविद्यालय की नैक टीम, राजभवन के अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

हाईटेक बने यूपी के किसान, राजधानी समेत छह जिलों में ड्रोन से शुरू हुई फसलों की सुरक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के किसान ड्रोन तकनीक से फसल सुरक्षा कर रहे हैं। राजधानी लखनऊ समेत छह जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत ड्रोन से नैनो यूरिया और कीटनाशकों का छिड़काव शुरू कर दिया गया है। इस पहल से एक घंटे में तीन से बारह एकड़ तक के क्षेत्रफल में फसलों पर प्रभावी ढंग से छिड़काव किया जा रहा है। इससे न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों को कम समय में अधिक लाभ मिलेगा। योगी सरकार आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी योजनाओं के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने के प्रयास कर रही है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि फिलहाल प्रदेश में कुल नौ ड्रोन प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं। इनमें गोरखपुर, बहराइच और मुजफ्फरनगर में दो-दो, जबकि लखनऊ, गाजियाबाद और कानपुर नगर में एक-एक प्रोजेक्ट की शुरुआत हो चुकी है। ड्रोन के माध्यम से किसानों को टेक्निकल ट्रेनिंग भी दी जा रही है, जिससे वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को सहजता से अपना सकें। योगी सरकार की योजना है कि इस प्रणाली को जल्द ही अन्य जिलों में भी लागू किया जाए, जिससे पूरे प्रदेश में कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सके। ड्रोन से खेती की निगरानी और दवा छिड़काव किया जा रहा है। फसलों की समय रहते निगरानी और नैनो यूरिया व कीटनाशकों का सटीक छिड़काव संभव हो पा रहा है। एक घंटे में 12 एकड़ तक एरिया कवर किया जा रहा है। आधुनिक ड्रोन तकनीक से कम समय में बड़े क्षेत्रफल पर प्रभावी छिड़काव संभव हो पाया है। इसके साथ ही किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ड्रोन चलाने के साथ ही आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी किसानों को दी जा रही है। अभी छह जिलों में शुरू इस परियोजना के जल्द ही अन्य जिलों में भी विस्तार की तैयारी है। स्मार्ट एग्रीकल्चर की ओर यूपी सरकार का यह मजबूत कदम है। ड्रोन तकनीक के इस नवाचार से उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित यह पहल आने वाले समय में किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

सोनभद्र की लौह अयस्क की दो खदानों की नीलामी कार्यवाही पूर्ण

लखनऊ। सोनभद्र में लौह अयस्क की दो खदानों की नीलामी कार्यवाही नियमानुसार पूर्ण कर ली गयी है, इससे खनिज राजस्व में बढ़ोतरी के साथ खनन आधारित रोजगार भी बड़ी संख्या में लोगों को प्राप्त होंगे। इस कार्यवाही के फलस्वरूप दोनों खदानों में उपलब्ध लौह अयस्क के खनन से राज्य सरकार को लगभग 6000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होना आंकलित है। इसके अतिरिक्त जिले में खनन आधारित रोजगार भी प्राप्त होगा। यह जानकारी सचिव व निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग माला श्रीवास्तव ने बुधवार को दी।

माला श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने 21 मार्च 2025 को सोनभद्र की दो लौह अयस्क के ब्लाक बी-भरहरी व ब्लाक-सी शोभना-चकरिया को माइनिंग लीज पर आक्शन किये जाने के लिए एनआईटी (निविदा आमंत्रण सूचना) लान्च की थी। इसी क्रम आक्शन की कार्यवाही पूरी कर ली गयी है। दोनों ब्लाक सफलतापूर्वक उच्च प्रिमियम की दर क्रमशः 93.91 प्रतिशत व 125.51 प्रतिशत की दर से गैलेन्ट इस्पात, गोरखपुर के पक्ष में आक्शन हुये हैं।

टास सर्वे में जौनपुर व महोबा का प्रदर्शन बेहतर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बीते मई महीने में प्रदेश के 13 जिलों में हुए ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे (टास) में जिलों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। जौनपुर और महोबा ने बेहतर काम किया है। शाहजहांपुर, बलिया और चित्रकूट का प्रदर्शन औसत से कम रहा। बुधवार को संस्था सी-कैंप के सहयोग से स्थानीय होटल में हुई समीक्षा बैठक में ये नतीजे सामने आए।

राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. ए.के. चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तत्वाधान में वर्ष 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मई में 13 जिलों के 118 ब्लॉकों में टास-1 सर्वे किया गया। इसमें 72 इवैल्यूएशन यूनिट (ईयू) में से 55 ईयू सफल रहे, यानी कुल 77 प्रतिशत ईयू पास हुए हैं। इन क्षेत्रों में अब दो साल बाद टास-2 कराया जाएगा। गौरतलब है कि टास-1 सर्वे अम्बेडकरनगर, अयोध्या, बलिया, भदोही, चित्रकूट, हमीरपुर, जालौन, जौनपुर, मऊ, महोबा, शाहजहांपुर, पीलीभीत और सोनभद्र में हुआ था। डॉ. चौधरी ने बताया कि जिन गांवों में नाइट ब्लड सर्वे, टास तथा यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल (यूडीएसपी) के माध्यम से माइक्रोस्कोपी से अधिक फाइलेरिया मरीज चिन्हित हुए हैं, वहां एक माह के भीतर फोकस सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत लोगों को फाइलेरियारोधी दवाएं खिलाई जाएंगी ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। राज्य फाइलेरिया अधिकारी ने टास की प्रक्रिया सफलतापूर्वक कराने के लिए जिलास्तरीय अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों, ग्राम प्रधानों, कोटेदारों और अन्य स्थानीय नेतृत्व की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी की सराहना की। इसके साथ ही चिन्हित फाइलेरिया मरीजों को उपचार और देखभाल की सेवा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

गेट्स फाउंडेशन के संचारी रोग एवं वैक्सीन डिलीवरी के उपनिदेशक डॉ. भूपेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जिन ईयू में टास-1 पास नहीं हो पाया, उसका प्रमुख कारण यह रहा कि वहां सर्वजन दवा सेवन अभियान में लोगों की भागीदारी कम रही। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगले एमडीए अभियान में सभी लोगों को दवा सेवन सुनिश्चित कराना होगा। उन्होंने संक्रमण की रोकथाम के लिए वेक्टर कंट्रोल और वेक्टर मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही दवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण के दौरान दवाओं के लाभों की विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए, जिससे वे लाभार्थियों को बेहतर तरीके से समझाकर दवा सेवन सुनिश्चित कर सकें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. तनुज ने सर्वेक्षण की तकनीकी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित 13 जिलों के नोडल अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी एवं सहयोगी संस्था डब्ल्यूएचओ, पाथ, सीफार, जीएचएस और पीसीआई के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नगराम मंडल मे भाजपाइयों ने किया चौपाल का आयोजन, गिनाईं उपलब्धियां

नगराम, लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र के भाजपा नगराम मंडल के विभिन्न गांव में मोदी सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया , विभिन्न गांव में अलग-अलग अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुए। नगराम क्षेत्र के ममई मऊ गांव मे मुख्य वक्ता के रूप मे पहुंचे जिला कार्य समिति सदस्य दीपक तिवारी ने चौपाल में संबोधित करते हुए कहां की प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यकाल जनकल्याणकारी रहा । कार्यक्रम का प्रेम प्रकाश ने संचालन किया और संयोजक सोनू धीमान रहे, वहीं करोरा ग्राम पंचायत मे बीते दिनों कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा से वीरेंद्र शंकर मिश्रा ने मोदी सरकार की उपलब्धि गिनाई, इस बीच आयुष्मान कार्ड भी लाभार्थियों को वितरण किए गए।

युवक ने की आत्महत्या मौत

काकोरी लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। मृतक सचिन रावत पुत्र बाबू उम्र करीब 25 वर्ष निवासी भलिया थाना काकोरी लखनऊ द्वारा आम के बाग में एक पेड़ से अपनी ही पहनी हुई बनियान से फंासी का फंदा लगाकर की आत्महत्या। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक सतीश चन्द राठौर ने मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे। और डेड बॉडी पेड़ से उतरवा कर पंचनामा भरकर पीएम हाउस भेजा तथा परिजनों द्वारा बताया गया कि चार भाइयों में से सचिन बड़ा पुत्र था जिसकी 4 वर्ष पूर्व शादी हुई थी एक माह में ही पत्नी छोड़कर चली गई थी तब से मृतक शराब पीने का आदी था परिजनों द्वारा कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किया 168.60 करोड़ लागत की 7 परियोजनाओं शिलान्यास

मंत्री ने 46.74 करोड़ लागत की 9 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

नीट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा शिवानी मौर्य को किया गया सम्मानितआयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को वितरित किए गोल्डन कार्ड, मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के लाभार्थियों का किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर आए मा. मंत्री, जलशक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) श्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने ग्राम कनरखी एवं ग्राम बंगालीपुरवा में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान गोबरहिया नाले पर रेगुलेटर निर्माण की परियोजनाओं का विधि विधान से भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। माननीय मंत्री जी ने बाढ़ खण्ड बाराबंकी एवं सिंचाई खण्ड सीतापुर की 168.60 करोड़ लागत की 7 परियोजनाओं का शिलान्यास किया तथा सीतापुर प्रखण्ड शारदा नहर, सीतापुर एवं सिंचाई खण्ड, सीतापुर की 46.74 करोड़ लागत की 9 परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम महाअभियान के अंतर्गत पौधारोपित कर सभी को अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा पर्यावरण को संरक्षित रखने का भी संदेश दिया। साथ ही श्रमिकों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।मा. मंत्री जी, की अध्यक्षता में ग्राम बंगालीपुरवा में विकसित भारत का अमृत काल-सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष के अवसर पर पंचायत चौपाल भी आयोजित की गयी। मा. मंत्री जी ने नीट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शिवानी मौर्य को सम्मानित किया। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत श्याम लाल, ओम प्रकाश, कमला देवी, नेम कुमार, नैना देवी, भोला नाथ आदि लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लगभग 200 पात्रों का पंजीकरण कर आयुष्मान कार्ड जारी कराए गए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के लाभार्थियों माधव राव, अशोक कुमार, राम प्रसाद, कल्लू राम, छोटे लाल एवं सोमवारी लाल आदि को सम्मानित भी किया। इसके उपरांत मा. मंत्री जी ने ग्राम बगसी में सरयू नदी के दायें तट पर स्थित चहलारीघाट गनेशपुर के किमी0 18.920 से किमी0 19.670 के मध्य बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया।इस अवसर पर मा. मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देश एवं प्रदेश का निरन्तर विकास हो रहा है। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सभी पात्रों को बिना किसी भेदभाव के सभी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, आवास, शौचालय, पेयजल आदि के पात्रों हेतु निःशुल्क एवं समुचित प्रबंध सुनिश्चित किया गया है। प्रदेश की कानून व्यवस्था बेहतर हुई है तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में भी सुधार हुआ है। बेहतर सड़कों का भी प्रबंध सुनिश्चित करने का कार्य भी प्रदेश एवं केंद्र की सरकार द्वारा किया गया है। मा. मंत्री जी ने कहा कि केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का सर्वांगीण विकास संभव हो सका है। उनकी सेवा, संकल्प एवं सुशासन से व्यापक परिवर्तन हुए हैं। विश्वपटल पर देश की स्थिति मजबूत हुयी है। योजनाओं से पात्र लाभान्वित हो रहे हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक प्रयास किए गए हैं, जिनमें ड्रोन दीदी योजना के द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। गांव गांव तक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। मा.मंत्री जी ने ग्रामीणों से अपेक्षा की कि वह अपने बेहतर स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर कार्य करें। परिवार में महिलाओं एवं बुजुर्गों का सम्मान करें। गांव में आपसी समन्वय एवं सौहार्द की भावना से रहें तथा बुरी आदतों से दूर रहें।मा. विधायक सेवता श्री ज्ञान तिवारी ने क्षेत्र के विकास हेतु व्यापक स्तर पर परियोजनाएं स्वीकृत कराए जाने पर मा. प्रधानमंत्री जी, मा. मुख्यमंत्री जी एवं मा.मंत्री जल शक्ति विभाग का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में भी जानकारी दी तथा सरकार की बेहतर कार्यप्रणाली से क्षेत्र को हुए लाभों के विषय में बताया। उन्होंने लोकार्पण एवं शिलान्यास की गयी परियोजनाओं के विषय में भी जानकारी दी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, अधिशासी अभियंता सिंचाई विशाल पोरवाल, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई हरिश्चन्द्र गुप्ता सहित सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली विभाग की लापरवाही बनी जानलेवा

कस्बे के बीचो बीच लगे बिजली के खम्भे में चार दिन से दौड़ रहा करंट, विभागीय अधिकारी मौन

खम्भे के पास से रोजाना गुजरते है,सैकड़ों लोग, स्कूली बच्चों का भी होता है आवगमन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर। कस्बे के बीचो बीच पुरानी बाजार में कटरा स्कूल के सामने लगे एक बिजली के खंभे में बीते चार दिनों से लगातार करंट दौड़ रहा है, लेकिन बिजली विभाग की कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। मुख्य मार्ग पर मौजूद इस खंभे के पास से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं, स्कूल के मासूम बच्चे, बाजार के ग्राहक और दुकानदार हर कोई अनजाने खतरे की चपेट में है, लेकिन विभाग गहरी नींद में सोया हुआ है।स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार, मोहम्मद अकरम, रोशन लाल, संदीप, शाहिद और मोहित ने बताया कि इस गंभीर समस्या की सूचना जेई खैराबाद को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि विभाग मौत के बाद ही जागेगा?स्कूल के सामने और व्यस्त बाजार मार्ग पर करंटयुक्त खंभा होना किसी खुली जानलेवा साजिश से कम नहीं। ये वही इलाका है जहाँ पिछले वर्ष सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दरवाजे पर करंट उतरने से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, लेकिन लगता है बिजली विभाग ने उस हादसे से भी कोई सबक नहीं लिया।आसपास के दुकानदारों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है। सभी का कहना है कि यदि समय रहते खंभे से करंट नहीं हटाया गया और कोई हादसा हुआ, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग और संबंधित अधिकारी की होगी।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग है कि तुरंत प्रभाव से इस खतरे को दूर किया जाए, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो इसके लिए ठोस व्यवस्था की जाए।

खबरों को संज्ञान ले डीसी मनरेगा ने ब्लॉक सकरन का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददात

सकरन, सीतापुर। सकरन में मनरेगा से लगाई जा रही फर्जी हाजिरी के मामले में डीसी मनरेगा ने ग्राम पंचायतों की जांच कर टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण की बात कही मक्किास खंड सकरन में मनरेगा में लगाई जा रही फर्जी हाजिरी के मामले समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी अभिषेक आनंद के आदेश पर डीसी मनरेगा चंदन पांडेय द्वारा सकरन ब्लॉक की लखनियापुर,सरैयाकलां,बारा सिंघा,ताजपुर सलौली,जमलापुर,मानपुर सिकरी,गठिया कलां आदि समेत 17 ग्राम पंचायतों को नोटिस जारी कर स्थलीय जांच के आदेश दिए थे बुधवार को मामले की जांच करने ब्लाक पहुंचे डीसी मनरेगा चंदन पांडेय ने सभी ग्राम पंचायतों के दस्तावेजों की जांच की उन्होंने बताया ग्राम पंचायतों में मजदूरों के लिए जाने वाले एनएमएमएस तकनीकी हाजिरी आईटी सेल रिफेंटेड साफ्टवेयर द्वारा लगाई जाती है जिसमें किसी एक एंगिल से फोटो खींचने पर कम लोग दिखते है मजदूरों की सही एंगिल से फोटो खीचने के निर्देश दिए गए है जनपद में ग्राम पंचायतों में किए जाने वाले एनएमएमएस एपीओ मनरेगा की देखरख में अपलोड होंगे तालाबों व पोखरों में पानी भरवाने के कारण जनपद में वाटरलेवल बढ़ा है वाटर हार्वेस्टिंग के मामले में जनपद का नाम टाप टेन सूची में है उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों की स्थलीय जांच के लिए खंड विकास अधिकारी के नेतृत्व में पांच सदस्सीय टीम गठित कर जांच करवाई जाएगी ब्लाक में हर रोज लगाई जा रही मजदूरों की फर्जी हाजिरी के बारे में मीडिया द्वारा सवाल पूंछे जाने पर सन्तोष जनक जवाब नही दिया।

आमजन के यक्ष प्रश्न

पूर्व के वृक्षारोपण पर लाखों खर्च बाद भी क्षेत्र में नहीं दिख रहे एक भी पेड़ पर क्या अबकी बार कुछ सुधार कर पाएंगे खंड विकास अधिकारी या पूर्व की भांति इस साल भी लाखों पौधों को खुले में जल, खाद बगैर सूखने, पशुओं के चरने के लिए छोड़ दिया जाएगा या वृक्षारोपण उपरांत पुनः पेड़ों की मौजूदगी का स्थलीय निरीक्षण करेंगे पदासीन डीसी मनरेगा।गौशालाओं में मनरेगा से करवाए गए मानक विहीन निर्माण कार्यों में जो खुल्लम खुल्ला लूट की गई है उसकी जाँच कब?फर्जी मनरेगा जॉब कार्ड बनवा चुके मजदूरों का सत्यापन कब मनरेगा कार्यों में मानकों की अनदेखी कब तक?

गन्ना रेट बढ़ाने और बेसिक कोटा समाप्त करने लेकर आजाद अधिकार सेना ने भेजा ज्ञापन

सीतापुर।आजाद अधिकार सेना, जिला सीतापुर के अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर गन्ना आयुक्त, उत्तर प्रदेश को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि इस वर्ष गन्ने का रेट किसानों के हित में बढ़ाया जाए, जिससे उन्हें उत्पादन लागत का सही मूल्य मिल सके।ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि गन्ना पर्चियों का वितरण रकबा (भूमि क्षेत्रफल) के आधार पर किया जाए, जिससे सभी किसानों को पारदर्शिता के साथ पर्चियां प्राप्त हो सकें। वर्तमान में प्रचलित बेसिक कोटा प्रणाली को समाप्त करने की मांग भी जोरदार तरीके से की गई, क्योंकि इससे बिचौलियों को अनुचित लाभ मिलता है जो किसानों से गन्ना खरीदकर ज्यादा दामों पर बेचते हैं।नवल किशोर मिश्रा ने यह भी कहा कि छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर गन्ना पर्चियां शीघ्र प्रदान की जाएं, जिससे उन्हें अपने उत्पादन को समय पर मिल में भेजने का मौका मिल सके।आजाद अधिकार सेना ने चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो किसानों के हित में आंदोलन भी किया जा सकता है।

व्यक्तिगत कोड पर लिखी दवाइयां हॉस्पिटल के अंदर ही संचालित फार्मेसी पर लेने को मजबूर मरीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद के लखनऊ सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अटरिया में हिंद इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस का संचालन हो रहा है। जहां पर ओपीडी से लेकर इमरजेंसी सेवाएं भी संचालित हो रहे हैं। मरीजों के लिए एम आर आई, सिटी स्कैन ,एक्स-रे आदि जैसी जांचें निर्धारित शुल्क पर की जाती है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि दूर दराज से आए मरीजों को देख कर एक व्यक्तिगत कोड आवंटित किया जाता है। जिस कोड पर मरीज का परीक्षण परामर्श एवं दवाइयां गोपनीय रखी जाती है। अस्पताल के अंदर संचालित फार्मेसी पर ही उस कोड पर्ची को दिखाकर मरीज दवाइयां लेने को मजबूर होता है। दवाइयां काफी महंगी मिलती हैं। एक तरफ प्रदेश सरकार स्वास्थ्य को लेकर आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ दे रही है। वहीं पर दूसरी तरफ मकड़जाल की तरफ है पनपते हॉस्पिटल अपनी मनमानी के चलते मरीजों का खून चूसने के लिए नए-नए हथकंडे अपनाते नजर आ रहे हैं। स्वास्थ्य महकमा अपनी मठाधीशी में मदमस्त नजर आ रहा है।

अवैध शस्त्र सहित तीन अभियुक्त गिरफ्तार

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। उक्त दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी बिसवां के निकट पर्यवेक्षण में थाना बिसवां पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्तगण 1. मुबस्सिर उर्फ अता पुत्र मो0समीम नि0 मो0 पुराना किला थाना बिसवां जनपद सीतापुर 2.मो0रेहान उर्फ बाला पुत्र मो0 वसीम नि0 मो0थवईटोला थाना बिसवां जनपद सीतापुर 3.मो0आरिफ उर्फ किटनी पुत्र मो0 हासिम नि0 मो0 मधवापुर थाना बिसवां जनपद सीतापुर को पुरैनी पुल मन्दिर के पास से 03 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 03 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद अवैध शस्त्रों के संबंध में थाना बिसवां पर अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया।

लखीमपुर खीरी ने रचा जल संरक्षण का इतिहास, एक महीने में बने 1030 तालाब

'हर गांव तालाब' अभियान को डीएम के मार्ग दर्शन, सीडीओ के नेतृत्व ने दिलाई नई उड़ान, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जब इरादे मजबूत हों और संकल्प सामूहिक हो, तो इतिहास बनता है और इस बार जल संरक्षण के क्षेत्र में यह इतिहास रचा है लखीमपुर खीरी ने। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के मार्गदर्शन, सीडीओ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण विकास विभाग लखीमपुर खीरी द्वारा चलाए गए विशेष अभियान 'हर गांव तालाब अभियान' के अंतर्गत 15 मई से 15 जून तक केवल एक महीने की अवधि में 1030 सामुदायिक तालाबों का निर्माण कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को मान्यता देने के लिए बुधवार को विकास भवन स्थित विवेकानंद सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने मंच से लखीमपुर खीरी द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की घोषणा की और जिले को जल सशक्तिकरण का चमकता सितारा बताया। उन्होंने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान किया और प्रशासनिक टीम और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास की सराहना की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने इसे सामूहिक प्रयास, प्रशासनिक समर्पण और जनभागीदारी का आदर्श उदाहरण बताया। इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड के जरिए लखीमपुर खीरी ने यह सिद्ध कर दिया है कि ठोस इच्छाशक्ति और समर्पित प्रयासों से ग्रामीण विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। 'हर गांव तालाब' अभियान अब सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जल सुरक्षा की दिशा में एक जनांदोलन बन चुका है।डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि जिला प्रशासन के लिए यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि जल संरक्षण की दिशा में एक जनभागीदारी से उपजी ऐतिहासिक उपलब्धि है। हमने एक महीने में 1000 से अधिक तालाबों की खुदाई का लक्ष्य पूरा किया और वह भी इस संकल्प के साथ कि पहली बारिश से पहले हर तालाब तैयार हो जाए। इस अभियान की कमान सीडीओ अभिषेक कुमार ने पूरी निष्ठा और नेतृत्व के साथ संभाली, और हमारी समर्पित टीम ने इसे मिशन मोड में बदल दिया। प्रत्येक ब्लॉक में लगभग 70 से 80 तालाब खोदे गए और करीब 700 एकड़ भूमि को जल संरक्षण योग्य क्षेत्र में तब्दील कर दिया गया। यह किसी क्रांति से कम नहीं।उन्होंने कहा कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने हमारे प्रयास को मान्यता दी, और एक समारोह में हमें यह रिकॉर्ड प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किया। आज उनकी टीम ने न सिर्फ निरीक्षण किया, बल्कि हमें 'एक महीने में सर्वाधिक तालाब निर्माण' के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सुशोभित किया।इस कार्यक्रम में डीसी मनरेगा सुशांत सिंह, डीपीआरओ विशाल सिंह, सभी खंड विकास अधिकारी और इंडिया बुक का रिकॉर्ड की पूरी टीम मौजूद रही।इससे...*रोजगार भी, महिला भागीदारी भी : 'हर गांव तालाब' बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संबल*हर गांव तालाब' अभियान केवल जल संरक्षण की पहल नहीं रहा, बल्कि इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने का भी काम किया। अभियान के दौरान करीब 7 लाख मानव दिवसों का सृजन हुआ, जिससे उन किसानों और श्रमिकों को रोजगार मिला, जो कृषि कार्यों के ठहराव के कारण खाली थे। अभियान की एक विशेष उपलब्धि रही 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, जिसने इसे सिर्फ विकास परियोजना नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशन की मिसाल भी बना दिया।

अवैध तमंचा-कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में एवं प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली सदर के नेतृत्व में आज थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त आशुतोष पाण्डेय पुत्र राजेश पाण्डेय निवासी मोहल्ला रामनगर कालोनी थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी को 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद खोखा कारतूस 315 बोर बरामद कर खाली प्लाटिंग मो0 पटेलनगर से गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0 504/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मैलानी पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी गोला के कुशल मार्गदर्शन में एवं थानाध्यक्ष मैलानी के नेतृत्व में थाना मैलानी पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी अभियुक्त नन्हेलाल पुत्र रामभरोसे निवासी गोपालपुर थाना पूरनपुर जनपद पीलीभीत . सुरेश कुमार पुत्र रामप्रसाद निवासी नरौठा हंसराम थाना खुटार जनपद शाहजहांपुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा वारण्टी अभियुक्तों उपरोक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु सम्बन्धित माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया

मितौली पुलिस दो लुटेरो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

लखीमपुर, खीरी। जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी मितौली के कुशल मार्गदर्शन में एवं प्रभारी निरीक्षक थाना मितौली के नेतृत्व में थाना मितौली पुलिस द्वारा महिला के कान का कुण्डल लूटने की घटना का सफल अनावरण कर 02 नफर अभियुक्तों हरिओम अवस्थी पुत्र अनिल अवस्थी .अंकित पाण्डेय पुत्र शिशुपाल पाण्डेय निवासी गण ग्राम नगरा दरी थाना मितौली जनपद खीरी को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, कुण्डल व नगद धनराशि बरामद की गई। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों उपरोक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु सम्बन्धित माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया।गिरफ्तार अभियुक्त हरिओम अवस्थी पुत्र अनिल अवस्थी निवासी ग्राम नगरा दरी थाना मितौली जनपद खीरी अंकित पाण्डेय पुत्र शिशुपाल पाण्डेय निवासी ग्राम नगरा दरी थाना मितौली जनपद खीरीगिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम-में उ0नि0 प्रशान्त श्रीवास्तव थाना मितौली जनपद खीरी है0का0 रमाशंकर थाना मितौली जनपद खीरी है0का0 रामदेव वर्मा थाना मितौली जनपद खीरी का0 पीयूष थाना मितौली जनपद खीरी का0 यशवन्त सिंह थाना मितौली जनपद खीरी का है।

अवैध खनन और जुए के खिलाफ भाकियू का एसओ हैदराबाद पर गंभीर आरोप, एसपी से की शिकायत

लखीमपुर खीरी। जनपद के गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र में अवैध खनन और जुए के बढ़ते मामलों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने बड़ा मोर्चा खोल दिया है। संगठन के जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर थाना हैदराबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण गौतम की शिकायत की।स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि थाना क्षेत्र में मिट्टी का अवैध खनन जोरों पर है। इससे न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि मिट्टी से भरे भारी वाहनों की वजह से उड़ने वाली धूल से सड़क पर चलना भी मुश्किल हो गया है। साथ ही लिंक मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।ग्राम कोटावरा में जुए का अड्डा सक्रियग्रामीणों का कहना है कि कोटवारा गांव में खुलेआम जुए का अवैध कारोबार चल रहा है, और इसमें स्थानीय पुलिस की मिलीभगत के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, शिकायत करने वालों को धमकाया जा रहा है और प्रतिष्ठित नागरिकों की भी बात को नजरअंदाज किया जा रहा है।भाकियू ने उठाई एसओ के खिलाफ कार्रवाई की मांगभारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने मांग की है कि थाना हैदराबाद के एसओ के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बहाल हो सके।ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यदि मामले की जांच का भरोसा दिलाया है।स्थिति को देखते हुए अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

गोला गोकर्णनाथ में नए बाबा हरिओम शुक्ला का विवादित आगमन

खाटू श्याम के नाम पर निकाली शोभायात्रा में खुद की आरती उतरवाते दिखे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ (खीरी)। नगर में दो दिन पूर्व आए एक नए बाबा हरिओम शुक्ला द्वारा खाटू श्याम जी के नाम पर निकाली गई शोभायात्रा अब विवादों में घिरती नजर आ रही है। बाबा ने नगर में एक भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया, जिसमें वह स्वयं रथ पर विराजमान होकर अपनी आरती उतरवाते दिखे। आश्चर्य की बात यह रही कि यात्रा में खाटू श्याम जी की एक भी तस्वीर तक नजर नहीं आई।बाबा हरिओम शुक्ला ने अपना आश्रम महेशपुर के पास बिहारीपुर में स्थापित किया है और अब वह श्याम नाम पर जल वितरण का आयोजन करने जा रहे हैं। उनका दावा है कि उनके द्वारा वितरित किया गया जल गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज करेगा। इस दावे को लेकर नगर में सनातन धर्म के अनुयायियों में आक्रोश देखा जा रहा है।श्री श्याम दीवाने सेवा समिति ने इस पूरे घटनाक्रम को धार्मिक आस्थाओं के साथ खिलवाड़ बताया है और इसे ढोंग करार देते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समिति ने प्रशासन से मांग की है कि बाबा हरिओम शुक्ला की पूर्ण जांच करवाई जाए और सच्चाई सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाए।इस विरोध में प्रमुख रूप से समिति के सेवादार अनिल जलोटा, प्रिंकल जलोटा, दीपक राजपूत, अजय गुप्ता, सुधीर गुप्ता, मोहित गुप्ता, शिवम गुप्ता, संदीप राजपूत, अभिषेक राजपूत, प्रमोद सोनी, मयंक महेश्वरी, अनुराग गुप्ता, सुमित राठौर, आकाश गुप्ता, सरिता देवी, नेहा गुप्ता, नीलम सोनी सहित कई लोग शामिल रहे।समिति ने अपील की है कि प्रशासन ऐसे ढोंगी बाबाओं पर सख्त रुख अपनाए और सनातन धर्म की गरिमा को बचाए रखने में सहयोग करे।

लखीमपुर में 'ऑपरेशन सिंदूर' सेल्फी प्वाइंट का भव्य लोकार्पण

वीर जवानों को समर्पित स्मृति स्थल बना प्रेरणा का केंद्र, सेल्फी लेने के लिये जुटी भीड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर,खीरी। नगरवासियों के लिए गर्व का क्षण उस समय सामने आया जब शहर में ''ऑपरेशन सिंदूर'' सेल्फी प्वाइंट का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया और इसका लोकार्पण 17 जून 2025, दिन मंगलवार को सायं 6:30 बजे एक भव्य समारोह में संपन्न हुआ। यह स्मरणीय स्थल भारतीय सेना के वीर जवानों और वीरांगनाओं की शौर्यगाथा को समर्पित है और इसे एक प्रेरणादायक स्मृति स्थल के रूप में विकसित किया गया है, जो आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति और सेवा की भावना से प्रेरित करेगा।इस स्थल का उद्घाटन सदर विधायक श्री योगेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त कर्नल श्री सी. पी. मिश्रा एवं अधिशासी अधिकारी के कर कमलों द्वारा किया गया।समारोह में नगर पालिका के सभासद, अधिकारी, कर्मचारी तथा नगर की सम्मानित जनता ने भारी संख्या में भाग लिया।''ऑपरेशन सिंदूर'' सेल्फी प्वाइंट शहर में न सिर्फ एक आकर्षक स्थान के रूप में विकसित हुआ है, बल्कि यह वीरता, बलिदान और देशसेवा की भावना को जीवंत रखने वाला प्रतीक स्थल भी बन चुका है।नगर पालिका प्रशासन ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए इसके संरक्षण और प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया है।

कृषि वैज्ञानिकों ने जैविक खाद को लेकर किसानों को किया जागरूक, बताएं लाभकारी उपज के लाभ

प्योर एण्ड स्योर कंपनी ने जैविक खाद पर आधारित किसान संगोष्ठी की आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। बुधवार को महराजगंज कस्बे के चंदापुर रोड पर स्थित शिव धर्म कांटा परिसर में प्योर । स्योर कंपनी के विशेषज्ञों द्वारा जैविक खाद पर आधारित किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी तादात में किसानों ने पहुंचकर खेती में जैविक प्रयोग करने की विधि व मात्रा की जानकारी से अवगत हुए। कृषि वैज्ञानिकों ने आए हुए किसानों से जैविक खाद को ज्यादा से ज्यादा धान की फसल में प्रयोग करने पर बल दिया और जहर मुक्त खेती करने की सलाह दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक व भाजपा नेता रामलाल अकेला एवं विशिष्ट अतिथि महराजगंज व बछरावां कस्बे के प्रथम नागरिक प्रभात साहू और शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया। प्योर । स्योर कंपनी के पदाधिकारी द्वारा आए हुए अतिथियों को माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।आपको बता दें कि, बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक व भाजपा नेता रामलाल अकेला ने अपने संबोधन में संगोष्ठी में आए हुए किसानों से वर्तमान में चल रहे धान की खेती में जैविक खाद डालने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि, आए हुए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा आप लोगों को बताया जाएगा कि, कैसे और कौन सी जैविक का प्रयोग कब-कब और कितनी मात्रा में करना है, किसानों के लिए फायदेमंद होगा। साथ ही प्योर । स्योर कंपोस्ट की जानकारी भी देंगे।श्री अकेला ने कहा कि, रासायनिक खाद से निश्चित रूप से खेती की उर्वरा शक्ति का ह्रास होता है। इसलिए किसानों को जैविक खाद के प्रयोग में ज्यादा दिलचस्पी रखनी होगी। उन्होंने नई तकनीक से खेती करने पर भी बल दिया। बतौर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता प्रभात साहू ने किसानों से जैविक खेती को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि, जैविक खेती रसायनों के बिना खेती करने का एक उत्तम तरीका है, जिसमें प्राकृतिक तरीकों का उपयोग किया जाता है। यह एक टिकाऊ कृषि प्रणाली है, जो मिट्टी पानी और पर्यावरण के स्वास्थ्य को बनाए रखने पर केंद्रित है।

जैविक खाद को लेकर चेयरमैन ने भी बताया लाभ

बछरावां चेयरमैन शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी ने बताया कि, वह अपनी नगर पंचायत बछरावां में पौधों के रोपण में भी जैविक खाद का प्रयोग करते हैं। यह बहुत लाभकारी है। जैविक के प्रयोग से जमीन भुरभुरी होती है, जिससे पौधों की जड़ों का विकास तेजी से होता है तथा अंकुरण भी जल्दी एवं ज्यादा निकलता है, जैविक खाद का प्रयोग सभी प्रकार की फसलों में किया जा सकता है। कार्यक्रम में मौजूद एग्रीकल्चर हेड वरुण प्रताप सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते किसानों को प्योर । स्योर को खेती के लिए बहुत ही उत्तम और लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि, यह एक ऐसा उत्पाद है जो भूमि की उर्वरा शक्ति को खत्म होने से बचाता है, तथा फसल को हरा-भरा बनाएं रखता है। यह पौधों की तृतीय जड़ों का विकास बहुत तेजी से करता है। इसका प्रयोग सभी फसलों में किया जाता है। जैविक खाद मिट्टी के पानी को सूखने की क्षमता को बढ़ाता है तथा फसल के स्वास्थ्य को मजबूत करता है। यह क्लोरोफिल की मात्रा को भी बढ़ाता है, जिससे फसल में हरापन आता है, और फसल को सभी प्रकार के मौसम को सहन करने में सहायता करता है। उन्होंने कहा कि, किसान भाई खेत की मिट्टी और पानी की जांच अवश्य कराएं, इसके साथ ही फसल की जांच भी करायेंउन्होंने किसान गोष्ठी के माध्यम से जैविक खेती के बारे में किसानों को जागरूक किया, सही बीज की जानकारी दी, मौसम के हिसाब से खाद-दवा को डालने का सही तरीका बताया और सरकारी योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाई तथा लागत को कम करने का भी तरीका बताया।इस मौके पर कृषि विशेषज्ञ डॉ अरुण मौर्य, फील्ड अफसर राजेश यादव, अजय यादव समेत क्षेत्रीय गणमान्यों पूर्व प्रधान अतुल सिंह, अभिषेक यादव, राहुल यादव, पूर्व प्रधान पप्पू यादव, कृपा शंकर शुक्ला समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भाजपा के पदाधिकारियों ने मेला ग्राउंड की जमीन को सुरक्षित कराने के लिए एसडीएम से की मांग

महराजगंज,रायबरेली। महराजगंज कस्बे के रायबरेली रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर मेला ग्राउंड की जमीन को सुरक्षित कराए जाने की मांग भाजपा पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी से की है। बताते चलें कि, भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधित्व मण्डल महराजगंज द्वारा उपजिलाधिकारी महराजगंज सचिन यादव से मिलकर सुविख्यात हनुमानगढ़ी मंदिर रायबरेली रोड महराजगंज के मेला ग्राउंड व आदिकाल से चला आ रहा रावण दहन स्थल को व श्री रामलीला चबूतरा स्थल को सुरक्षित करने की मांग की। जिसमें उपजिलाधिकारी द्वारा तत्काल मौके पर लेखपाल को भेजा गया। लेखपाल संतोष पटेल द्वारा अवगत कराया गया है कि, वहां पर सरकारी भूमि बहुत है नगर पंचायत चाहे तो उसी पर निर्माण करा सकती है और रावण दहन स्थल व श्री रामलीला चबूतरा को बचाया जा सकता है। इस मौके पर नगर पंचायत जमुना प्रसाद, मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, विद्यासागर अवस्थी, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्री मती सुधा अवस्थी, पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर मातादीन पासी, जिला प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश वर्मा, मंडल महामंत्री शिवम मिश्र, मंडल मंत्री राघवेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा व पूर्व सभासद विजय धीमान, अतुल पांडेय, समाजसेवी संदीप वैश्य, प्रिंकल सिंह, घनश्याम चौरसिया, रामचंद्र सिंह सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

देवीपुर दुर्गापुर के नौ युवाओं को मुख्यमंत्री ने दिया नियुक्ति पत्र

गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम सभा देबीपुर (दुर्गापुर) के नौ युवाओ ने अपनी दक्षता का मिशाल पेश कर पुलिस परीक्षा उत्तीर्ण कर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के कर कमलो से मिले नियुक्ति पत्र पाकर खुसी से झूम उठे नियुक्ति पत्र लेकर घर पहुंचने पर ग्रामीणो ने गर्मजोसी से स्वागत किया । उ0प्र0 सरकार द्वारा युवाओ को रोजगार देने की दिशा में चलाये जा रहे पुलिस भर्ती में गोरखपुर जिले की सदर तहसील के ग्राम सभा देबीपुर (दुर्गापुर) एक ही ग्राम सभा के नौ युवाओ ने मुख्य मंत्री के हाथो नियुक्ति पत्र लेकर ग्राम सभा का नाम रौशन किया है अपने गांव पहुंचने पर ग्रामीणो ने सभी महिला पुरुष अभ्यार्थियो (रिक्रूट) को माला पहना कर भव्य स्वागत किया चयनित अभ्यर्थियो में ज्योति यादव, प्रियंका भारती ,अविनाश कुमार, उमेश यादव, विजय चौहान ,रामनवल, रामलगन, विकास कुमार सिंह को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया है ।

सोशल मीडिया पर भगवान राम के अपमान का मामला, युवक के खिलाफ तहरीर

धौरहरा, खीरी। मंगलवार की देर रात एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट ने क्षेत्र में धार्मिक भावनाओं को आहत कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लालापुरवा निवासी युवक राकेश गौतम पर आरोप है कि उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सनातन धर्म के आराध्य भगवान श्रीराम के चित्रण के साथ अभद्र टिप्पणी करते हुए एक विवादित वीडियो साझा किया।वीडियो में डॉ. भीमराव अंबेडकर को भगवान राम के चित्रण को हथौड़े से मारते हुए दिखाया गया है, जिसके साथ ''ऐ मेरा साला'' जैसी अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है। यह पोस्ट वायरल होते ही लोगों में आक्रोश फैल गया।इस मामले में कस्बा निवासी राजहंस मिश्रा पुत्र आशाराम मिश्रा ने कोतवाली प्रभारी को लिखित तहरीर देकर आरोपी युवक पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।प्रभारी निरीक्षक सुरेश मिश्रा ने बताया कि प्राप्त तहरीर और वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांचोपरांत आरोप सिद्ध होने पर संबंधित धाराओं में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले इस प्रकार के मामलों में सख्ती से निपटा जाए, ताकि समाज में सौहार्द्र बना रहे।आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वाले आरोपी फोटो

जिला कृषि अधिकारी एवं सहायक निदेशक उद्योग विभाग की संयुक्त टीम की छापेमारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। प्रमुख सचिव कृषि विभाग उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के निर्देश पर उन्नाव जनपद में स्थापित औद्योगिक इकाइयां जैसे कैटल फीट, साबुन पेंट, प्लाईवुड के निर्माण में प्रयोग किया जा रहे अनुदानित यूरिया की जांच कर अनुदानित यूरिया के प्रयोग की जाने पर फार्म पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने हेतु उर्वरक निरीक्षक एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर छापेमारी की गई टीम में जिला कृषि अधिकारी शशांक एवं सहायक निदेशक उद्योग विभाग रियाजुद्दीन द्वारा मगरवारा, अकरमपुर, सहजनी, बत्तर क्षेत्र तथा रविचंद्र प्रकाश, उप कृषि निदेशक उन्नाव एवं श्रीमती करुणा राय, उपायुक्त उद्योग विभाग द्वारा दही चौकी क्षेत्र में स्थित कुल 05 औद्योगिक इकाइयों का गहन निरीक्षण किया गया। जिसमें किसी प्रकार की अनुदानित यूरिया का प्रयोग होता नहीं पाया गया। साथी एक टेक्निकल ग्रेड यूरिया का नमूना ग्रहित किया गया जिसे परिक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा।साथ ही जिला कृषि अधिकारी द्वारा समस्त औद्योगिक इकाइयों के प्रोपराइटर को निर्देशित किया गया कि अनुदानित यूरिया का प्रयोग कदापि न करें यदि किसी भी औद्योगिक इकाई में अनुदानिक यूरिया का प्रयोग किया जाता पाया गया तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदि 1985 एवं वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत विधि कार्रवाई की जाएगी।

महिला के घर में घुसे तीन बदमाश 45 हजार नकद समेत जेवर लूटे

पुलिस अधीक्षक ने खुलासे के लिए बनाईं 5 टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर दो बजे तीन बदमाशों ने एक घर में लूट की वारदात को अंजाम दिया। गोपीनाथपुरम मोहल्ले में कुसुम श्रीवास्तव अपनी 86 वर्षीय मां मुन्नी देवी और नौकरानी विमला के साथ घर में मौजूद थीं। बदमाश घर में घुसकर धमकी देते हुए 45 हजार रुपए नकद, तीन जोड़ी चांदी की पायल, एक सोने की अंगूठी, चांदी के सिक्के और नौकरानी का मोबाइल लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह और गंगाघाट थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आपको बताते चलें कि पुलिस ने पीड़ित परिवार और पड़ोसियों से पूछताछ की। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें बनाई गई हैं। टीमें तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच कर रही हैं। फील्ड यूनिट और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स से भी साक्ष्य जुटाए गए हैं। थाना प्रभारी पी के मिश्र के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र तरूण गाबा द्वारा पुलिस लाईन खीरी में नवचयनित आरक्षी प्रशिक्षुओं की ट्रेनिंग का किया निरीक्षण

पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र,द्वारा पुलिस लाईन खीरी में नवचयनित आरक्षी प्रशिक्षुओं की ट्रेनिंग हेतु रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया

रिक्रूटों के रहने हेतु बैरिक एवं मेस आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी, पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र लखनऊ, श्री तरूण गाबा द्वारा पुलिस अधीक्षक खीरी, श्री संकल्प शर्मा के साथ आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2023 में चयनित अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण हेतु पुलिस लाइन खीरी में रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा नवचयनित रिक्रूटों से वार्ता कर उन्हें प्रशिक्षण के संबंध में ब्रीफ किया गया एवं प्रशिक्षण को अच्छी तरह से लगन के साथ पूर्ण करने हेतु बताया गया। महोदय द्वारा नवचयनित प्रशिक्षुओं के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं का मूल्यांकन किया, ताकि उन्हें बेहतर प्रशिक्षण वातावरण मिल सके और उनकी शारीरिक एवं मानसिक तैयारियों को उत्तम तरीके से आकार दिया जा सके। निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा बैरक की साफ-सफाई, स्नानागार की सुविधाएं, भोजनालय (मैस), भोजन की गुणवत्ता और ग्राउंड पर आयोजित शारीरिक प्रशिक्षण की सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करने के संबंध में निर्देश दिये गये एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता और कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी/पश्चिमी), क्षेत्राधिकारी सदर एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

रामकोट पीएचसी की बदहाली पर आजाद अधिकार सेना ने उठाई आवाज, स्वास्थ्य सेवाएं हुई लचर

वर्षों से चिकित्सक नहीं, एकमात्र फार्मासिस्ट के भरोसे चल रही स्वास्थ्य व्यवस्था

आजाद अधिकार सेना, सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा के नेतृत्व में इस मामले को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन भेजा गया है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामकोट, सीतापुर। जनपद सीतापुर के रामकोट क्षेत्र में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से लड़खड़ाई हुई हैं और स्थानीय नागरिकों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है।

आजाद अधिकार सेना, सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा के नेतृत्व में इस मामले को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन भेजा गया है। डिलीवरी प्वाइंट सिर्फ काग़ज़ों पररामकोट पीएचसी को शासन द्वारा डिलीवरी प्वाइंट घोषित किया गया है, लेकिन वर्षों से न तो कोई डॉक्टर नियुक्त है और न ही एटीएम चालू किट उपलब्ध है। इससे प्रसव जैसी आपातकालीन स्थिति में महिलाओं को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है, जिससे जान का जोखिम बढ़ जाता है।

एल.टी. स्टाफ भी अनुपलब्धपीएचसी में दो लैब टेक्नीशियन तैनात हैं, पर वास्तविक स्थिति यह है कि एक पूरी तरह से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैराबाद में सम्बद्ध है, जबकि दूसरे एलटी को सप्ताह में दो दिन आरआई (टीकाकरण) कार्यों में सुपरवाइजर बनाकर बाहर भेजा जाता है और बाकी दो दिन खैराबाद से सम्बद्ध कर दिया गया है। इससे रामकोट पीएचसी पर नियमित लैब जांच जैसी मूलभूत सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।थाना क्षेत्र में घटना होने पर भी इलाज 30 किमी दूररामकोट थाना क्षेत्र में जब भी मारपीट या गंभीर घटना की एफआईआर दर्ज होती है, तो मेडिकल परीक्षण और उपचार के लिए 30 किलोमीटर दूर सीएचसी खैराबाद भेजा जाता है।

इससे पीड़ितों को काफी असुविधा और देरी का सामना करना पड़ता है।सफाईकर्मी और वार्डबॉय भी नहींरामकोट पीएचसी पर वार्ड बॉय और स्वीपर जैसे ज़रूरी पद भी वर्षों से खाली पड़े हैं। यहां की पूरी व्यवस्था एकमात्र फार्मासिस्ट के भरोसे चल रही है, जिससे कार्य का भारी बोझ उसी पर पड़ा है और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हो रही है।आजाद अधिकार सेना की प्रमुख मांगें:1. रामकोट पीएचसी पर डॉक्टर की तत्काल नियुक्ति की जाए।2. डिलीवरी सेवाओं के लिए एटीएम चालू किट और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध कराया जाए।3. एलटी स्टाफ को स्थायी रूप से रामकोट में ही तैनात किया जाए।4. रिक्त पदों जैसे वार्ड बॉय और स्वीपर की शीघ्र नियुक्ति हो।5. थाना क्षेत्र के मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही मेडिकल सुविधा दी जाए।नवल किशोर मिश्रा ने प्रशासन को चेताया है कि यदि शीघ्र ही स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो आजाद अधिकार सेना जनहित में चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।यह रिपोर्ट स्थानीय स्वास्थ्य तंत्र की विफलता को उजागर करती है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन की ओर प्रशासन का ध्यान खींचती है।सत्य घोष न्यूज चैनल सीतापुर से नवल किशोर मिश्रा की रिपोर्ट।

एपेक्स हॉस्पिटल: इलाज के नाम पर अवैधता लापरवाही और आस्था पर प्रहार

सीतापुर। जिले के सकरन क्षेत्र में संचालित अस्पताल बना चिंता का विषय, कब जागेगा प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। स्वास्थ्य सेवा के नाम पर क्षेत्रीय जनता की आस्था और जान दोनों के साथ हो रहा है खुला खिलवाड़। कस्बा सकरन में संचालित एपेक्स हॉस्पिटल न केवल अवैध रूप से कार्यरत है, बल्कि मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की मूल भावना पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

पंजीकरण विहीन हॉस्पिटल, अप्रमाणित चिकित्सक

इस अस्पताल का न तो कोई वैध पंजीकरण है और न ही यहाँ कार्यरत डॉक्टरों की डिग्रियों का कोई सरकारी सत्यापन उपलब्ध है। इसके बावजूद खुलेआम चल रहा इलाज गरीब और अनपढ़ ग्रामीणों की मजबूरी का लाभ उठा रहा है।

इलाज के नाम पर लापरवाही, व भारी भरकम बिल

कई स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि इस अस्पताल में इलाज के नाम पर घोर लापरवाही बरती जाती है, पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के चक्कर काटने शुरू कर दिए हैं, पर अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी।

अहम सवाल प्रशासन से

क्या बिना पंजीकरण और चिकित्सकीय मान्यता के कोई अस्पताल इस तरह से खुला रह सकता है?क्या लापरवाही से मौतें और शोषण प्रशासन की नजर में ''सामान्य घटनाएं'' हैं? क्या स्वास्थ्य विभाग और कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी दबाव में है।

अब ज़रूरत है जवाबदेही की

एक ओर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे अवैध संस्थान गरीबों की जान और विश्वास के साथ खुला खिलवाड़ कर रहे हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक निष्क्रियता नहीं, बल्कि आमजन की सुरक्षा से जुड़ा गम्भीर मामला बन चुकी है।*स्वास्थ्य महकमे की सुस्ती से क्षेत्र में ऐसे ही सैकड़ों क्लीनिक व हॉस्पिटल ले रहे गरीबों की जान*क्षेत्र में अवैध क्लीनिक हॉस्पिटल व पैथोलॉजी के मकड़जाल में फंस अपनी गाढ़ी कमाई ही नहीं जान तक गंवा रहे क्षेत्रीय मरीज पर बार बार ख़बर प्रकाशन बाद भी जिम्मेदारों के कान पर नहीं रेंगती जू। क्षेत्र के क़स्बा सांडा में अवैध प्रसव केंद्रों सहित दर्जनों क्लीनिक, मोहलिया चौराहा,कोंसर चौराहा,हरैया बाजार, सकरन,गोड़ियनपुरवा चौराहे पर जमा बालाजी हॉस्पिटल, शाहपुर,उल्लहा आदि जगहों पर खुलेआम धड़ल्ले से इलाज के नाम पर किया जा रहा गरीबों की जिंदगियों का सौदा।आखिर मुख्यचिकित्साधिकारी व उनकी उड़नदस्ता टीम कब लेगी ऐसे क्लीनिक, हॉस्पिटल व पैथोलॉजी संचालकों की ख़बर जिससे स्थानीय प्रशासन है बेखबर या यूँ ही इन झोलाछापों के मकड़जाल में फंस लोग गवाते रहेंगे जान व माल।

शासन की मंशा के अनुरूप तीन मामलों में न्यायालय जनपद खीरी द्वारा किया गया दण्डित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनपद लखीमपुर खीरी पुलिस द्वारा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही व पैरवी के क्रम मे 03 मामलों में माननीय न्यायालय जनपद खीरी द्वारा दण्डित किया गया है सजा का विवरण निम्नवत है1.वर्ष 2011 में थाना *सम्पूर्णानगर* जनपद खीरी पर *अभि0 अफजल हुसैन पुत्र रहमत हुसैन निवासी ग्राम टण्डोला थाना पूरनपुर जिला पीलीभीत* के कब्जे से अवैध नशीला पदार्थ बरामद होने पर मु0अ0सं0 951/2011 धारा 8/21/20/22/23/29ए/29 गक्ष्ध्ट्ठ एक्ट थाना सम्पूर्णानगर जनपद खीरी पर पंजीकृत हुआ था। उक्त मुकदमे का विचारण मा0 न्यायालय इट्टख्-06 खीरी द्वारा करते हुए दिनांक 18.06.2025 को अभि0 *अफजल* उपरोक्त को *जेल मे बितायी गयी अवधि के कारावास व 3000/- रू0 के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी।2.वर्ष 2024 में थाना *मैंगलगंज* जनपद खीरी पर *अभि0 लवकुश पुत्र चुन्नीलाल यादव निवासी ग्राम लालपुर थाना मैंगलगंज जनपद खीरी* के कब्जे से 01 अदद तमंचा 12 बोर व 01 अदद 12 बोर जिन्दा कारतूस बरामद होने पर मु0अ0सं0 12/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना मैंगलगंज जनपद खीरी पर पंजीकृत हुआ था। उक्त मुकदमे का विचारण मा0 न्यायालय ख्ख्र-मोहम्मदी खीरी द्वारा करते हुए दिनांक 18.06.2025 को अभि0 *लवकुश* उपरोक्त को *जेल मे बितायी गयी अवधि के कारावास व 5000/- रू0 के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी।3.वर्ष 2023 में थाना *मैंगलगंज* जनपद खीरी पर *अभि0 लवकुश पुत्र चुन्नीलाल यादव निवासी ग्राम लालपुर थाना मैंगलगंज जनपद खीरी* के कब्जे से अवैध चाकू बरामद होने पर मु0अ0सं0 133/2023 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट थाना मैंगलगंज जनपद खीरी पर पंजीकृत हुआ था। उक्त मुकदमे का विचारण मा0 न्यायालय ख्ख्र-मोहम्मदी खीरी द्वारा करते हुए दिनांक 18.06.2025 को अभि0 *लवकुश* उपरोक्त को *जेल मे बितायी गयी अवधि के कारावास व 5000/- रू0 के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी।

श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा आयोजन

सीतापुर। अठ्ठासी हजार ऋषियों की तपोभूमि में श्रीधाम वृन्दावन से पधारे कथा व्यास राममुदगल शास्त्री के पावन सानिध्य में नैमिष के बलराम धर्मशाला में कथावाचक गोविंद शास्त्री के श्रीमुख से कथा का रसपान भक्तों को कराया जा रहा है। कथा व्यास ने बताया कि नैमिष किया गया दान पुण्य तप का फल कई गुना ज्यादा है। कि श्रीमद् भागवत हमारे जीवन को महान बनाती और जीवन सार्थक बनाती है इसलिए कलयुग में श्रीमद् भागवत के बताए रस्ते पर चलना चाहिए। कथा का आयोजन पंडित देवकरन शास्त्री छलांघी महराज के द्वारा 17 जून से 23 जून को विशाल भंडारे के साथ पूर्णाहुति होगी।

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षियों के प्रशिक्षण सुविधाओं का लिया जायजा

आरक्षियों के ठहरने खानपान और पेयजल बिज ली आदि व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने रिज र्व पुलिस लाइन में आरक्षी भर्ती-2023 के अंतर्गत जे.टी.सी.प्रशिक्षण हेतु आए प्रशिक्षु आरक्षियों से सं वाद स्थापित कर उनके प्रशिक्षण संबंधी आव श्यक जानकारियाँ प्राप्त की गईं।ये प्रशिक्षु वर्तमान में जे.टी.सी (ज्वॉइनिंग ट्रेनिंग कोर्स)के प्रथम चर ण हेतु पुलिस लाइन गोण्डा में उपस्थित हुए हैं।पुलिस अधीक्षक के द्वारा प्रशिक्षण के प्रारंभिक चरण में ही प्रशिक्षु आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन,जनसेवा एवं पुलिस कार्य की मूल अवधारणाओं से अवगत कराने की आवश्यकता पर बल दिया गया।उन्होंने प्रशिक्षणाधीन जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि ल्लआप सभी उत्तर प्रदेश पुलिस के भविष्य हैं।आपके प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल शारीरिक दक्षता तक सीमित नहीं, बल्कि आपको एक संवेदनशील,कर्तव्यपरायण एवं समाजोन्मुख पुलिसकर्मी के रूप में तैयार करना है।संवाद के दौरान प्रशिक्षु आरक्षियों ने प्रशिक्षण, अनुशासन और विभागीय व्यवस्थाओं को लेकर अपने विचार साझा किए।उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि जनपद गोण्डा में उन्हें एक सशक्त,प्रेरणादायक एवं सकारात्मक वातावरण मिल रहा है,जो उनके समग्र विकास के लिए उपयुक्त है।ङ्कसंवाद के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने मेस,बैरक,शौचालय,पेयजल व्यवस्था,स्वच्छता, एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का भौतिक निरी क्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कुछ बैरकों में साफ-सफाई की नियमितता ब ढ़ाने की आवश्यकता है।पेयजल की उपलब्धता तो सुनिश्चित है,परन्तु गुणवत्ता की जांच नियमित हो। मेस में पोषणयुक्त भोजन एवं समयबद्धता का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। इस संबंध में महोदय ने प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्त व्यवस्थाएं गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से सुचारु रहें।प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना अभ्यर्थियों को न करना पड़े, इसके लिए निरंतर निगरानी एवं समीक्षा की जाए।निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा, प्रशिक्षु उपाधीक्षक मयंक मिश्रा,प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डिहवा शेरबहादुर सिंह स्थित शक्ति केंद्र पर आयोजित हुई भाजपा कार्यकर्ताओं की चौपाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैसरगंज बहराइच। 288 विधानसभा कैसरगंज में मंडल कैसरगंज के शक्ति केंद्र डिहवा शेर बहादुर सिंह में शक्ति केंद्र संयोजक रामेंद्र चौधरी के प्रतिष्ठान चौधरी ट्रैक्टर्स कैसरगंज पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत का अमृतकाल एवं सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित केंद्र की भाजपा सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित की गई।उत्तर बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवानंद सिंह की अध्यक्षता में ''मोहल्ला चौपाल'' का आयोजन किया गया । चौपाल सभा में मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता भगवान दास सोनी ने उपस्थित जनता-जनार्दन को सम्बोधित कर उन्हें डबल इंजन वाली भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष एवं अभियान के मंडल संयोजक विनोद कुमार वर्मा, बूथ अध्यक्ष उमा प्रताप सिंह, अखंड प्रताप सिंह, संजीव जायसवाल, प्रमोद मौर्या, राम गोपाल वर्मा, सुनील कुमार वर्मा आदि सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने गर्मी में गोवंश की देखभाल के लिए प्रतिदिन दो बार निरीक्षण के दिये निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। गर्मियों की भीषण परिस्थितियों के बीच गोवं श की सुरक्षा और देखभाल को लेकर जिलाधिका री नेहा शर्मा ने एक बार फिर संवेदनशीलता और प्रशासनिक दृढ़ता का परिचय दिया है जिलाधिका री ने जनपद में संचालित सभी गो-आश्रय स्थलों पर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से खण्ड विका स अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है।खण्ड विकास अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक पंचायत सचि व अपने क्षेत्र के गो-आश्रय स्थलों का प्रतिदिन दो बार–सुबह और शाम–निरीक्षण करें और व्यव स्थाओं की रिपोर्ट फोटोग्राफ्स के साथ वाट्सएप समूह में साझा करें।नेहा शर्मा ने कहा है कि गोवंश की देखभाल केवल औपचारिकता नहीं,बल्कि एक मानवीय और प्रशासनिक दायित्व है।संज्ञान में यह बात आई है कि कुछ गो-आश्रय स्थलों पर हरे चारे, पेयजल,चिकित्सा और स्वच्छता जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की अनदेखी हो रही है,जिससे व हां संरक्षित गोवंश को समस्याएं हो रही हैं।जिला धिकारी ने इस स्थिति को 'अत्यंत खेदजनक एवं अस्वीकार्य' करार देते हुए इसे सुधारने के लिए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने अपने निर्देशों में खण्ड विकास अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा है कि वे न केवल सचिवों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करें, बल्कि स्वयं भी रैंडम निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति का आ कलन करें और जहां कमियां पाई जाएं,उनका त त्काल निराकरण कराएं।इसके अतिरिक्त, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को भी निर्देशित किया गया है कि वे वाट्सएप समूह में साझा किए गए फोटोग्राफ्स और रिपोर्ट्स का सूक्ष्म विश्लेषण करें और जिन समस्याओं का समाधान उनके स्तर से संभव हो,उन्हें तत्काल प्रभाव से अटेंड करें।साथ ही, वे प्रत्येक शनिवार को विकासखण्डवार रिपोर्ट जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें, जिससे जिला स्तर पर व्यवस्थाओं की समीक्षा हो सके।

गोण्डा मेडिकल कॉलेज में मरीज के नाक की नली और इंजेक्शन के नाम पर की धनउगाही

गोंडा मेडिकल कॉलेज में बिना सुविधा शुल्क दिए नहीं होता है उपचार,तीमारदार ने लगाया आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मेडिकल कॉलेज में तैनात एक कर्मचारी का दो सौ रुपए एक मरीज के तीमारदार से रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वीडियो सोशल मीडिया पर अब वायरल होने के बाद गोंडा के स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।हालांकि इस वायरल वीडियो की कैनविज टाइ म्स पुष्टि नहीं करता है।बताया जा रहा है कि भट्ठा परेड सरकार गांव की रहने वाली रामादेवी चोटिल होने के कारण गोंडा के मेडिकल कॉलेज में भर्ती थी।जिनका दो दिन से उनके परिजन गोंडा मेडिक ल कॉलेज में इलाज करवा रहे हैं नाक से नली को हटाने को लेकर एक स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा दो सौ रुपए की रिश्वत ली है।उसके बाद नाक की नली हटाई रात्रि में भी इंजेक्शन लगाने के लिए दो सौ की मांग की थी रुपए न देने पर इंजेक्शन नहीं लगा या था।तीमारदार ने जब सुबह दो सौ रुपए दिए त ब जाकर के मरीज को इंजेक्शन लगाया गया है। पूरे मामले को लेकर के गोंडा मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्राचार्य डॉ धनंजय श्रीकांत कोटास्थाने ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले में जांच के निर्देश दिए हैं।जांच में जो भी निकलकर आएगा की सच्चाई क्या है जांच में दोषी मिलने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

पूर्व मंत्री ने निजी कोष से फखरपुर सीएचसी मे बनवाये गए जन सुविधा केंद्र का किया शुभारम्भ

फखरपुर, बहराइच । पूर्व सहकारिता मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मुकुट बिहारी वर्मा ने अपने कोष से निर्मित जनसुविधा केंद्र/सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन कर उसे आम जनता को समर्पित कर दिया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छता की बुनियादी सुविधा मिल सके, इसी भावना से यह निर्माण कराया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसेवा ही उनका उद्देश्य रहा है और आगे भी वह इस दिशा में कार्य करते रहेंगे।कार्यक्रम में भाजपा नेता गौरव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुवेद वर्मा,भाजपा मंडल अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला,सीताराम पांडे,सुनील वर्मा,रोमी मेहरोत्रा समेत मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ योग संगोष्ठी का आयोजन

बहराइच । अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के आयोजन के संबंध में पूरे जनपद में हो रहे विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में समस्त तहसील, विकासखंड, ग्राम पंचायत, सार्वजनिक स्थलों, उद्यान आदि में सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम प्रातः सम्पन्न हुआ। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी योगाभ्यास कार्यक्रम संपादित किया गया। ज़िला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विभिन्न विद्यालयों में योगासन, निबंध, चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिता कराई गई। समस्त ग्राम पंचायतों में आयुष ग्राम योग दिवस का आयोजन किया गया। वृद्धाश्रम में भी योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विकास भवन सभागार में डॉ अंतरिक्ष वैसवार,डॉ अजय सिंह, योग प्रशिक्षक जय प्रकाश वर्मा ज़िला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ प्रभात मिश्रा ने तथा कलेक्ट्रेट सभागार में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ रंजन वर्मा, चिकित्साधिकारी डॉ पियूष पांडेय, डॉ पीयूष नायक, योग प्रशिक्षक जय प्रकाश वर्मा ने योग एवं आयुष द्वारा संगोष्ठी संपादित की गई।

तार टूटने से कई घंटे वाधित रही विद्युत व्यवस्था

गोरखपुर। जुडियांन उपकेंद्र के बरहुआ फीडर के तहत अमटौरा गांव में केबिल गीरने से लगातार 17 घंटे बिजली व्यवस्था बाधित रही।जिसकी वजह से ग्रामीणों में इस भीषण तपती गर्मी कि वजह से हाहाकार मच गया। लगातार 17 घंटे बिजली कटने से बिजली से चलने वाले यंत्र पंखा,कुलर,एसी इत्यादि सब बेकार बन गए। ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। ग्राम सभा अमटौरा गांव में कुल पांच हजार आबादी निवास करती है तथा करिब 110 बिजली कनेक्शन धारी हैं। ग्रामीणों कि माने तो आए दिन गांव के केबिल के तार टूटकर गिरते हैं, जिसका आज तक बिजली विभाग कोई स्थाई समाधान नहीं निकाल पाया।जिसकी वजह से आए दिन ग्रामिणों को परेशानी उठानी पड़ती है।इस संबंध में अवर अभियंता आर के सिंह ने बताया कि केबिल के संबंध में अमटौरा गांव का प्रपोजल भेजा गया है,समय लगेगा,पर निदान हो जाएगा।।

राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने गोरखपुर के प्रधानों के साथ की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चरगांवा,गोरखपुर। राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा का गोरखपुर में आगमन हुआ तथा प्रधानो ने जोरदार स्वागत किया। विकास भवन के सभागार में संगठन के जनपद इकाई के पदाधिकारियों एवं प्रधानों के साथ प्रदेश अध्यक्ष के अध्यक्षता मे बैठक हुई तथा मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी एवं जिला पंचायतराज अधिकारी निलेश प्रताप सिंह से मिलकर जनपद गोरखपुर के पंचायतो से संबंधित समस्याओं एवं उनके निराकरण के लिए चर्चा किया गया। आज की बैठक में बिंदुवार मुख्य रूप से निम्न विषयो पर विचार विमर्श एवं शासन प्रशासन से निस्तारण की मांग किया गया। बैठक में विगत दिवस शासन स्तर पर संगठन के साथ हुई बैठक के कार्य वृत्ति एवं16वें वित्त आयोग की बैठक के विषय पर प्रधानों को अवगत कराया गया, माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा विगत वर्ष पंचायत उत्कृष्ट कार्यक्रम लखनऊ में घोषित किए गए सभी आदेशों का पालन किया जाए। इसके अलावा पंचायतो के भुगतान की डोंगल प्रणाली को हटाकर चेक प्रणाली किया जाए ,15वां वित्त आयोग की इस वर्ष की किस्त को तत्काल रिलीज किया जाए। मनरेगा के सभी बकाया मजदूरी एवं सामग्री का भुगतान शीघ्र किया जाए। जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर जल, घर-घर नल योजना से ग्राम पंचायत के टूटी हुई सड़कों का शीघ्र मरम्मत कराया जाए। जल जीवन मिशन अंतर्गत वाटर सप्लाई का संचालन ग्राम पंचायत को दिया जाए तथा उस पर आने वाले सभी प्रकार के खर्चों का भुगतान सरकार अतिरिक्त धनराशि आवंटित करके करें। जल जीवन मिशन को पंचायतो के राज्य वित्त का 1/3 अंश काट कर दिए जाने के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त किया जाए जैसे मनरेगा को स्वच्छता से जोड़ा जाए तथा प्रतिदिन प्रत्येक ग्राम पंचायत को 5 से 10 मजदूरों का मस्टरोल जारी किया जाए जिससे सफाई के लिए ई-रिक्शा का संचालन, ग्राम पंचायतो में स्ट्रीट लाईटो के मरम्मत के लिए इलेक्ट्रिशियन का मानदेय, सामुदायिक शौचालय के केयर टेकर का मानदेय इत्यादि का कुशल संचालन नगर पंचायतो के तर्ज पर हो सके। बैठक में अन्य मुददो पर भी चर्चा हुई।

कर्नलगंज तहसील में नजारत विभाग का सरकारी कार्यालय बना बाहरी व्यक्तियों का आरामगाह

कर्नलगंज तहसील का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा जिसमे एक बाहरी व्यक्ति सरकारी कुर्सी पर बैठा नजर आ रहा है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। कर्नलगंज तहसील स्थित नजारत कार्यालय का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,जिसमें एक बाहरी व्यक्ति सरकारी कुर्सी पर साहब की तरह बैठा नजर आ रहा है। वायरल वीडियो की कैनविज टाइम पुष्टि नहीं करता है।वही सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो सामने आते ही प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।यह वीडियो न सिर्फ सरकारी कार्यालयों में लापरवाही और अनुशासनहीनता को उजागर कर ता है,बल्कि यह भी एक सवाल उठाता है कि आ खिर किसकी शह पर यह सब हो रहा है।वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति सरकारी टेबल-कुर्सी पर बैठा है,जैसे वह खुद कोई अधिकारी हो।उसके हाव-भाव और बैठ ने का अंदाज़ देखकर यह साफ झलकता है कि व ह दफ्तर के माहौल में पूरी तरह सहेज है। वहीं आ स - पास मौजूद कर्मचारी या अन्य लोग उसकी उ पस्थिति पर कोई आपत्ति जताते नहीं दिखते, जिस से यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि इस व्यक्ति को किसी की शह प्राप्त है अब तक की जानकारी के अनुसार,यह व्यक्ति तहसील कर्मी नहीं है और न ही किसी अधिकृत पद पर तैनात है।फिर सवाल उठ ता है कि आखिर यह शख्स किसके बुलावे पर द फ्तर के भीतर आया और आराम से कुर्सी पर बैठा रहा? क्या यह रोज़ का ही मामला है.. ? क्या यह किसी 'सिस्टम' का हिस्सा है या फिर महज़ एक लापरवाही है इस मामले ने तहसील के कार्य प्रणा ली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।आमतौर पर नजारत कार्यालय जैसी जगहों पर सुरक्षा और गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाता है,जहां दस्तावेज़ों और कार्यालयीन सामग्री का आदान-प्रदान होता है।ऐसे में एक बाहरी व्यक्ति का वहां बिना किसी रोक-टोक के पहुंचना और अधिकारि यों की कुर्सी पर बैठ जाना दर्शाता है कि या तो सुर क्षा व्यवस्था नाम मात्र की है,या फिर यह किसी आं तरिक मिलीभगत का नतीजा है।सूत्रों की माने तो इस व्यक्ति का नाम प्रकाश वीर सिंह है जो विकास खंड कटरा बाजार के ग्राम पंचायत कोटिया मदारा का रहने वाला है पेशा इसका विभागों की दलाली करना है इसके पहले थाना कौड़िया में इसके खि लाफ 61/ 2023 दलाली का एक मुकदमा पंजी कृत है जिसमें एक दिव्यांग व्यक्ति से कोटा दिलाने के नाम पर एक लाख रुपए की दलाली किया था। स्थानीय जनता और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस मामले पर नाराज़गी जताई है।उनका कहना है कि जब सरकारी कार्यालयों की स्थिति ऐसी है, तो आम जनता को न्याय और सेवाएं कैसे मिलेंगी...? लोगों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।इस वीडियो के वायरल होने के बाद उप जिलाधिकारी कर्नलगंज यशवंत राव ने कहा कि प्रकरण संज्ञान में आया है जांचोपरांत सम्बंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

प्रदेश के वन राज्य मंत्री का कतर्नियाघाट आगमन 20 जून को

बहराइच । प्रदेश के राज्यमंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्री के.पी. मलिक का 20 जून 2025 को जनपद आगमन का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। श्री मलिक मध्यान्ह 12:00 बजे कतर्नियाघाट वन्यजीव विहार पहुंचकर केन्द्रीय वन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव जी के साथ घड़ियाल के एक वर्षीय बच्चों को नदी में छोड़कर घड़ियाल प्रजाति संरक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। श्री मलिक अपरान्ह 03:00 बजे लखीमपुर के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने दी है। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आजबहराइच । अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग/सचिव, जिला सड़क सुरक्षा समिति ने बताया कि जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में 19 जून 2025 को अपरान्ह 04:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गयी है।

बहराहच में 20 जून से प्रारम्भ होगा खाद्यान्न का वितरण कार्यक्रम

बहराइच । जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त अन्त्योदय अन्न योजना तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को माह जून 2025 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत नियमित वितरण का कार्य 20 जून से 10 जुलाई 2025 तक होगा। अन्त्योदय अन्न योजना के कार्डधारकों को प्रति राशन कार्ड 35 कि.ग्रा. खाद्यान्न (21 कि.ग्रा. चावल 14 कि.ग्रा. गेहूँ) तथा पात्र गृहस्थी योजना कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 कि.ग्रा. खाद्यान्न (03 कि.ग्रा. चावल तथा 02 कि.ग्रा. गेहूँ) का वितरण निःशुल्क किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्त्योदय राशन कार्डधारकों को त्रैमास अप्रैल, मई व जून 2025 हेतु आवंटित चीनी का वितरण 03 किग्रा. चीनी प्रति कार्ड रू. 18 प्रति किग्रा की दर से (अर्थात रू. 54 में 03 किग्रा.) वितरण किया जायेगा। डीएसओ ने बताया कि वितरण की अन्तिम तिथि 10 जुलाई 2025 को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुएं प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं को मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। समस्त उचित दर विक्रेताओं को सचेत किया गया है कि वितरण अवधि में निर्धारित चौहद्दी में ही कार्डधारकों से ई-पास मशीन पर अंगूठा लगवाकर तत्समय ही लाभार्थी को मानक के अनुसार खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। यदि किसी विक्रेता के विरूद्ध अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

अपर पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक के आदेश को ठेंगा

ट्रांसफर होने के बावजूद पुराने कार्यस्थल पर ही जमे हुए हैं पुलिसकर्मी

जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा है कार्यमुक्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। अपर पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक, लखनऊ द्वारा पिछले महीने देवीपाटन रेंज में गोण्डा व बह राइच जिले के 45 पुलिसकर्मियों का तबादला तीन वर्ष के लिए राजकीय रेलवे पुलिस में कर दिया गया है।इसके साथ ही सख्त हिदायत दी गई कि आदेश निर्गत होने की तिथि से दस दिन के अंदर स्थानांतरित पुलिस कर्मियों को अवश्य कार्यमुक्त कर दिया जाए।तबादला आदेश को करीब 23 दिन बीत गए,लेकिन पुलिसकर्मी अपने तैनाती स्थल पर ही डटे हुए हैं। आपको बता दें कि अपर पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक द्वारा दिनांक 26.मई को देवीपाटन रेंज में गोण्डा के 31 व बहराइच के 14 पुलिस कर्मियों का तबादला राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) में कर दिया गया है।गोण्डा के जिन पुलिस कर्मियों को तीन साल के लिए राज कीय रेलवे पुलिस में स्थानांतरित किया गया है, उनमें दुर्गेश कुमार,आलोक कुमार राय,सुनील कुमार वर्मा, पंकज सिंह, बृजेश यादव, करन कुमार, राजेन्द्र यादव,अनूप कुमार, राजू राजभर, सत्येन्द्र कुमार, मंगला सिंह यादव, संदीप कुमार प्रजापति, बिजेंद्र यादव,चेतन पाण्डेय, शशांक द्विवेदी, मिथिलेश कनौजिया, मोहम्मद लुकमान, हरिओम मद्धेशिया,राहुल गौड़, मोहम्मद शाद, संजय यादव, लाल बहादुर, पंकज सिंह, पंकज कुमार मिश्रा, रिंकू लाल, मुनव्वर, चन्द्रमणि, राम आसरे, मुन्ना यादव,अनिल कुमार मौर्य, व विपिन कुमार शामिल हैं।वहीं बहराइच जनपद के जिन पुलिस कर्मियों का तबादला जीआरपी में किया गया है,उनमें अनुराग प्रताप सिंह,ओमशंकर गुप्ता, प्रवीन्द्र कुमार, संतोष कुमार चौधरी,दयाराम चिरंजीत कुमार गौड़, सुनील कुमार, संजीव कुमार दूबे, मुनीर अहमद, अरूण कुमार, शकील अहमद, महेश कुमार, संतोष कुमार व रवि शंकर भारती शामिल हैं।पिछले महीने मई की 26 तारीख को जारी किए गए तबादला आदेश को 23 दिन बीत गए लेकिन अभी तक पुलिस कर्मियों को कार्यमुक्त नहीं किया गया, जबकि स्थानांतरण आदेश में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि आदेश निर्गत होने की तिथि से 10 दिवस के अंदर दिनांक 5.जून तक स्थानांतरित पुलिस कर्मी अवश्य कार्य मुक्त कर दिए जाएं।यह भी हिदायत दी गयी कि विलंब से कार्यमुक्त करने के संबंध में उच्च न्याया लय द्वारा कोई विपरीत आदेश पारित किए जाते हैं तो आपके कार्यालय के संबंधित अधिकारी कर्म चारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।अपर पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक के इस सख्त आदेश के बाद भी न तो स्थानांतरित पुलिस कर्मी राजकीय रेलवे पुलिस में तीन साल के लिए जाना चाहते हैं और न ही जिम्मेदार अधिका रियों द्वारा उन्हें कार्यमुक्त किया जा रहा है।ऐसे में डीआ इजी स्थापना,लखनऊ का यह आदेश कागज का एक टुकड़ा साबित हो रहा है।

ग्राम सचिव सभी विकास कार्यों को समय से पूरा करें: बीडीओ

गोरखपुर। उरुवा ब्लॉक पर आयोजित ग्राम सचिव की बैठक में खंड विकास अधिकारी आसिफ अखलाक ने विकास कार्यों में लापरवाही पर ग्राम सचिवों को सभी कार्यों को समय के भीतर पूरा किए जाने का निर्देश दिया। और लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में खंड विकास अधिकारी द्वारा आवास में सेल्फ सर्वे का सत्यापन दो दिनों के भीतर पूरा करने, मनरेगा में बीस मजदूरों से ज्यादा होने पर महिला मेठ से हाजिरी लगाने, पोषण वाटिका योजना में नौ ग्राम पंचायतों में वाल पेंटिंग के साथ ही आईजीआरएस में लापरवाही बरतने वाले सचिव द्वारा संतोषजनक प्रगति न मिलने पर वेतन बाधित किए जाने की चेतावनी भी दी गई।इस मौके पर एडीओ आईएसबी कृष्ण कुमार उपाध्याय, राघवेंद्र प्रताप, प्रेम नारायण, रवि पांडेय, अनिल शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

सपा के जिला कार्यालय पर जिला प्रशासन का कब्जा विरोध जताने पहुंचे सपा नेताओं की हुई गिरफ्तारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। शहर में स्थित ईओ आवास में संचालित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर नगर पालिका ने कब्जा ले लिया। नगर पालिका बोर्ड ने समाजवादी पाटी का आवंटन निरस्त कर दिया। इसके बाद से ही कार्यालय खाली कराने को लेकर अधिकारियों ने कार्यवाही शुरू की नगर पालिका के जिम्मेदार ईओ सपा नेताओं के कब्जे से मुक्त नहीं करा पाए। बीते माह नगर पालिका चेयरमैन आस्था अग्रवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर नगर पालिका की संपत्ति में संचालित सपा कार्यालय को खाली कराने के लिए पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जिलाधिकारी को कार्यवाही करने के आदेश दिए। इसके बाद जिला प्रशासन व नगर पालिका ने सपा कार्यालय खाली कराने की कवायद तेज की बुधवार को पार्टी दफ्तर के बाहर सुबह से

ही सपाई जुटना शुरू हो गए। जिला प्रशासन के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। नगर पालिका ईओ संजीव कुमार ने कब्जा लेने की कार्यवाही शुरू की। सपाइयों ने नकटादाना चौराहे पर खड़े होकर जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की, लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ा। देखते ही देखते नगर पालिका ने समाजवादी पार्टी के रंग में रंगी दीवारों पर पेंट करवावार कब्जा ले लिया। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एमडीएम सदर आशुतोष गुप्ता, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी समेत नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे सपा नेता दूर से खड़े होकर कार्यालय पर कब्जा लेने की कार्यवाही देखते रहे। जिला प्रशासन के सामने सरेंडर करते हुए अपनी गिरफ्तारी दे दी। मौके पर मौजूद पुलिस वैन से सपाइयों को पुलिस लाइन स्थित स्टेडियम में ले जाया गया। इस दौरान समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू,

यूसुफ कादरी,राशिद अल्वी, पीलीभीत अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी,जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा,महासचिव नफीस अंसारी,दिव्या गंगवार समेत 25-30 कार्यकर्ता गिरफ्तार हुए हैं।

पीलीभीत में जंगल सफारी पर ब्रेक,पीलीभीत टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए 5 माह तक बंद,अब नवंबर में होगा बाघों का दीदार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। देश और दुनिया में मशहूर मिनी गोवा के नाम से चुका स्पॉट अब बंद हो गया है।जंगल की बेहद खूबसूरती और बाघों की निराली दुनिया से सुर्खियों में रहने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व 15 जून से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया।जंगल के राजा और दुर्लभ जीवों का दीदार करने का मौका अब पांच महीने बाद मिलेगा।अब यह चूक 15 नवंबर को दोबारा खुलेगा।सीजन के आखिरी दिन जंगल सफारी का लुत्फ उठाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे।किसी ने कैमरे में बाघ की झलक कैद की तो कोई हाथी की झुंड देख रोमांचित हो उठा।

15 नवंबर से 15 जून तक तक चलता है पर्यटन सीजन

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में हर साल 15 नवंबर से 15 जून तक पर्यटन सीजन चलता है।भारी संख्या देश-विदेश से यहां पर्यटक पहुंचते हैं।इस बार भी पर्यटकों को बाघ, गैंडा, हाथी, पाढ़ा, बारहसिंगा, अजगर और भालू तक का पर्यटकों ने खूब

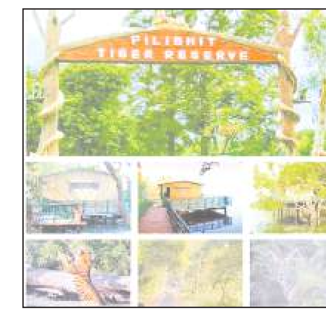

देश और दुनिया में मशहूर मिनी गोवा के नाम से पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पिकनिक चुका स्पॉट

दीदार किया।खास बात यह रही कि इस बार पर्यटकों को रेड कोरल जैसे बेहद दुर्लभ सांप भी देखने को मिले।

इस बार पूरे सीजन में नहीं लगा ब्रेक

पिछले सालों की तुलना में इस बार मौसम ने भी खूब साथ दिया।बारिश या अन्य कारणों से एक भी दिन पार्क बंद नहीं करना पड़ा।पार्क प्रशासन ने व्यवस्था बेहतर बनाए रखी और भ्रमण के लिए आने वाले पर्यटकों को सुगमता से सफारी का मौका मिला।पर्यटकों को अंतिम सफारी कराई गई।रविवार शाम को पार्क के सभी द्वार बंद कर दिए गए हैं। अब यह 15 नवंबर को ही खुलेगा।

कैमरे में कैद हुए जंगल के राजा

अंतिम सप्ताह में पर्यटकों की संख्या में बेहद बढ़ोतरी देखी गयी।स्कूली बच्चों के साथ-साथ परिवार और प्रकृति प्रेमी जंगल सफारी का भरपूर आनंद उठाते हुए नजर आए। कई पर्यटकों को खुले में बाघ टहलते और भालू क्रीड़ा करते दिखे। वन्यजीवों को पास से देखने का अनुभव पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय बन गया।

अब अगले सीजन में होगा रोमांच

15 जून से 15 नवंबर तक पीलीभीत टाइगर रिजर्व बंद रहेगा।इस दौरान मानसून की वजह से जंगलों में हरियाली और दलदली इलाकों की वृद्धि होती है, जिससे पर्यटक सफारी नहीं कर सकते। साथ ही यह समय वन्यजीवों के प्राकृतिक जीवन में खलल न पहुंचाने के लिए भी बेहद अहम माना जाता है।

कई अधिकारियों के हुए ट्रांसफर विकास कार्यों में नई गति संचालित होने की संभावना

कैनविज टाइम्स संवाददात

पीलीभीत।उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी आदेश के तहत कई अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जिससे जिले की प्रशासनिक कार्यशैली और विकास कार्यों में नई गति आने की संभावना जताई जा रही है। शारदा सागर खंड के अधिशासी अभियंता बृजेश पोरवाल का तबादला झांसी कर दिया गया है। उनकी जगह बिजनौर से ट्रांसफर होकर आए प्रवीण प्रकाश गौतम को अधिशासी अभियंता शारदा सागर खंड के रूप में तैनाती दी गई है। स्थानीय स्तर पर माना जा रहा है। कि इस बदलाव से सिंचाई एवं अन्य क्षेत्रीय विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह को प्रयागराज मुख्यालय भेजा गया है।फिलहाल उनकी जगह पर किसी नए अधिकारी की नियुक्ति नहीं किया गया है। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक अचल मिश्रा का भी ट्रांसफर मुख्यालय कर दिया गया है। उनकी जगह कानपुर नगर से राजीव कुमार को नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक संतुलन और अधिकारियों की व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए सहायक उपायुक्त आत्मदेव शर्मा और जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता का स्थानांतरण चित्रकूट जनपद किया गया है।यह दोनों तबादले अधिकारियों के व्यक्तिगत आवेदन के आधार पर शासन द्वारा स्वीकृत किए गए हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस तरह के स्थानांतरण कार्यक्षमता और कार्य संतुलन में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। सूचना विभाग में भी बड़ा बदलाव किया गया है। जिला सूचना अधिकारी विपिन कुमार को सीतापुर स्थानांतरित किया गया है। जबकि उनकी जगह पर मेरठ से स्थानांतरित होकर आए मुशाहिद अली को नया जिला सूचना अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह मंडी सचिव सुभाष सिंह को लखनऊ भेजा गया है।उनकी जगह पर प्रवीण अवस्थी ने मंडी सचिव का कार्यभार ग्रहण किया है। यह बदलाव मंडी प्रबंधन और सूचना संचार प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक,जिले में और भी कई वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले की चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि अभी तक शासन स्तर से इस संबंध में कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। कुल मिलाकर, इन प्रशासनिक तबादलों से जिले में शासन-प्रशासन की कार्य प्रणाली को नया आयाम मिलने की उम्मीद है। वहीं, अधिकारियों के इच्छानुसार किए गए स्थानांतरण यह दर्शाते हैं। कि शासन अब मानवीय दृष्टिकोण से भी निर्णय लेने को तत्पर है। जनपद भर में इस बदलाव को सकारात्मक नजरिये से देखा जा रहा है।

बदहाल विद्युत व्यवस्था के खिलाफ सपा का जोरदार प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक अनूप सण्डा की अगुवाई में जिले में हो रही भारी बिजली कटौती के विरोध में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रर्दशन किया।

गौर तलब है कि पिछले एक माह से प्रचण्ड गर्मी में बिजली की दिन और रात में भारी अघोषित कटौती की जा रही है इसको लेकर जनप्रतिनिधि जहां संवेदन शून्य हैं वहीं कुछ जनप्रतिनिधियों के इस मसले पर बयान जले पर नमक छिडकने का काम कर रहे है। जनता की इस बड़ी समस्या को लेकर पूर्व विधायक अनूप सण्डा ने हजारों समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी द्वारा नामित मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौपा। इस मौके पर पूर्व विधायक

श्री सण्डा ने कहा कि बिजली की आपूर्ति व्यवस्था अगर शीघ्र नहीं सुधरी तो जनता के सहयोग से व्यापक जन आन्दोलन किया जायेगा जिसके लिए शासन एवं प्रशासन जिम्मेदार होगा। बदहाल विद्युत आपूर्ति के खिलाफ जहां कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक तौर पर बांस के बने पखों को हाथ में लेकर विजली कटौती के खिलाफ विरोध जताया, वहीं ''हम बोंलेगे नही बल्कि गर्मी सहने की आदत डालेगे'' जैसे नारे लिख कर अपना तीव्र विरोध जताया। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष, महामन्त्री, पूर्व जिलाध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव, बाजीगर वर्मा, बीरेन्द्र र्मार्या, डा0 उदयनाथ यादव, ज्ञानप्रकाश यादव, त्रियुगी यादव, नितिन मिश्रा, अकुंर द्विवेदी, शरद मिश्रा, शिव तिवारी, धनन्जय सिंह, आलोक मिश्रा, हेमन्त, विकास सिंह, वेद तिवारी, रोहित सिंह रघुवंशी, डा0 सुनील अग्रहरी, सुमित त्रिपाठी, रबीन्द तिवारी, विनोद गौतम, मकसूद आलम, रिजवानगनी खान मोनू फौजी, विकास चौरसिया, रामप्रकाश मौर्या वृजेश यादव, जयन्त यादव, अनिल यादव, देवता दीन निषाद, मन्सूर अहमद कोलई प्रधान, देवनरायन मिश्रा, नफीस अहमद, नफीसा बेगम, शिवकुमार, तस्कील प्रधान, बाबूलाल, शकील अंकित यादव, डा0 कप्तान दूबे, ओपी वर्मा, लोग मौजूद रहे।

तहसील परिसर में फरियादी महिला बेहोश होकर गिरी, तमाशबीन बना तहसील प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव गुलड़िया भूप सिंह की रहने वाले अमित सिंह ने वुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि भगौतीपुर में श्री ठाकुर जी महाराज का मंदिर है। जहाँ वर्ष मंदिर पर मेले का आयोजन होता है। उनकी पत्नी माला सिंह मंदिर पर परमिशन की मांग को लेकर पिछले दो माह से तहसील के चक्कर काट रही हैं। आज बुधवार को महिला मेले की परमिशन के संबंध में एसडीम अजीत प्रताप सिंह से मिलने के लिए पहुंची। तभी अचानक एसडीएम कार्यालय से निकलते ही महिला सीडीओ के पास गिरकर बेहोश हो गई। महिला धूप में सीडीओ के पास काफी देर तक बेहोश पड़ी रही इस दौरान तहसील प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी खड़े होकर तमाशबीन बने रहे। अमित सिंह ने पानी का छीटा मारकर उनको होश में लाए। काफी देर के बाद नायब तहसीलदार ऋषिकांत दीक्षित ने कार्यालय से कुर्सी लाकर महिला को दी। कुर्सी पर बैठी महिला दोबारा से फिर जमीन पर गिर गई। महिला की हालत बिगड़ने की सूचना पर पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टर सूरज पांडे मौके पर पहुंचे और महिला के स्वास्थ्य का प्रशिक्षण किया। जानकारी लगते ही पूरनपुर कोतवाल सत्येंद्र कुमार कोतवाली पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए और महिला से जानकारी की इस दौरान महिला फूट फूट कर रोने लगी और बोली आए दिन घुघंचाई पुलिस महिला पर शांति भग की कार्रवाई कर देती हैं। तहसील प्रशासन के द्वारा बताया जा रहा है कि मंदिर की जमीन को लेकर न्यायालय में दो पक्षों का विवाद चल रहा है और उस विवादित जमीन पर मेले की परमीशन की मांग की जा रही हैं जिसको खारिज कर दिया गया है।

मेले की अनुमति के लिए दो माह से एसडीएम के चक्कर काट रही महिला गश्त खाकर गिरी

पूरनपुर ।तहसील क्षेत्र के गांव गुलड़िया भूप सिंह की रहने वाली माला सिंह पिछले दो माह से भगौतीपुर स्थित श्री ठाकुर जी महाराज मंदिर के मेले की अनुमति मांगने आई थीं। एसडीएम अजीत प्रताप सिंह से मुलाकात के बाद माला सीढ़ियों के पास गश्त खाकर गिर पड़ी गिरते ही आस पास भीड़ इकठ्ठी हो गई। उनके पति अमित सिंह ने पानी के छींटे मारकर होश में लाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार ऋषिकांत दीक्षित ने हनन फ़नन मे कुर्सी की व्यवस्था की, लेकिन वह दोबारा बेहोश हो गई पूरनपुर सीएचसी से डॉक्टर ने पहुंचकर प्राथमिक उपचार किया है।जिससे महिला की स्थिति में सुधार आया है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। माला सिंह ने रोते हुए पुलिस पर बिना कारण शांतिभंग की कार्रवाई करने का आरोप लगाया।मामले की जांच में सामने आया कि मंदिर की करीब 30 बीघा भूमि को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। एसडीएम कोर्ट में यह मामला गया था। जहां से फैसला महिला के विपक्ष में आया।

अवैध संचालित आरा मशीनें बन रहीं हैं हरियाली के दुश्मन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। अवैध आरा मशीनों का बल्दीराय तहसील क्षेत्र गढ़ बन गया है । जो हरियाली के दुश्मन बन गए हैं। जिस पर जिम्मेदरों की मौन स्वीकृति माननीय हाईकोर्ट व शासन के आदेश के लिए खुली चुनौती बन गयी है। बल्दीराय तहसील क्षेत्र में अवैध आरामशीनों का खुला संचालन उच्चतम न्यायालय, शासन और जिला प्रशासन को खुली चुनौती बन गया है। वन विभाग व जिम्मेदारों की नजरन्दाजी जहां बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही है तो वहीं इन अवैध आरा मशीन मालिकों की सांठगांठ से प्रतिबंधित हरे बृक्षों का कटान जारी है। जिससे सरकार की वृक्षों व हरियाली की योजना धराशायी होती जा रही है। देखा जाय तो बल्दीराय विकासखण्ड के महमूदपुर खोन्धवा, इसौली, ऊँचवा, अरवल, भवानीशिवपुर, स्वरांव, पारा में दो सुख बड़ेरी मोड़ बहुरावां, बड़हरा, सिंघनी और धनपतगंज क्षेत्र में मायंग, चंदौर, टीकर,पाली, में अवैध आरामशीन संचालक बेख़ौफ़ हो धड़ल्ले से आरा मशीन चला रहे हैं जिन पर क्षेत्र के ही एक चर्चित व विवादित बन कर्मी का संरक्षण प्राप्त है । सूत्र यह भी बताते हैं कि प्रति आरा मशीनों से विभाग को तयशुदा अच्छी खासी रकम विभाग को दी जाती है । आलम यह हैं कि विभाग के संरक्षण के वजह से तहसीलक्षेत्र के आरा मशीन मालिक निडरता पूर्वक आरा मशीन का संचालन करवाते हुए प्रतिबंधित पेड़ों को कटवा रहे हैं। उच्चतम न्यायालय एवम शासन का सख्त आदेश जिम्मेदारों पर बेअसर है ।जिसका नतीजा है कि तहसीलक्षेत्र में फलदार आम, जामुन, महुआ तथा नीम, पीपल जैसे आक्सीजन के स्त्रोतों के वृक्ष तेजी से समाप्त होते जा रहे हैं ।

चौपाल लगाकर लोगों को किया जागरूक

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के गांव सबलपुर खास में भारतीय जनता पार्टी के विकसित भारत का अमृतकाल एवं सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर शक्ति केंद्र स्तर पर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन शक्ति केंद्र संयोजक विपिन मिश्रा की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।चौपाल में कृषि विभाग अधिकारी अतेंद्र कुमार शर्मा, स्वास्थ्य, ग्राम पंचायत अधिकारी सुरेश चंद्र वर्मा, रोजगार सेवक ठाकुर प्रसाद वर्मा, को कोटा वितरण धीरज मिश्रा,सोनदेव पासवान, महिला स्वास्थ्य विभाग, आदि विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। ग्राम प्रधान बृजपाल कश्यप ने केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर ग्रामीणों को उनकी योजनाओं के बारे में विधिवत जानकारी दी, व आशाओं ने घर–घर जाकर लोगों को मीटिंग के बारे में जानकारी दी और सबलपुर खास के नरेगा भवन में पहुंचने की अपील की वही सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से ग्रामीणों की भी बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को उनके विभागों से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं व लाभों की विस्तार से जानकारी दी। मौके पर समस्याएं भी सुनी गईं और समाधान के लिए सुझाव दिए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाना रहा। ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम की सराहना की है।

भाभी पर चचेरे देवर ने कुल्हाड़ी से किया जानलेवा हमला

शुकुल बाज़ार अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना शुकुल बाजार क्षेत्र के गांव रहमतगढ़ में मंगलवार की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जिसमें चचेरे देवर ने अपनी भाभी पर सोते समय कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया जिससे महिला गम्भीर रूप से घायल हो गई है। महिला को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। इस घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गई है। थाना क्षेत्र के गांव रहमतगढ़ निवासिनी सुन्दरा देवी पत्नी रामनिधि अपने घर के बाहर टीन शेड के नीचे सो रही थी। इसी दौरान रात्रि लगभग एक बजे चचेरे देवर जगदेव पुत्र जगेशर ने उन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया जिससे वह गम्भीर रुप से घायल हो गई। परिजनों द्वारा गम्भीर रुप से घायल सुन्दरा को आनन फानन में सीएचसी शुकुल बाजार लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन वहां हालत गम्भीर देखते तत्काल ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। हमलावर ने घायल महिला के पति रामनिधि के ऊपर हमला किया लेकिन वह बाल बाल बच गये।घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल से दो कुल्हाड़ियां भी बरामद कीं है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अभिनेश कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जायेगा।

पुलिस युवक के शव की शिनाख्त में जुटी

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना इन्हौना क्षेत्र के लखनऊ वाराणसी राष्टीय राजमार्ग पर स्थित कस्बा हजारीगंज में सड़क किनारे एक युवक बेहोशी की हालत मे मिला जिसकी इलाज के दौरान सीएचसी सिंहपुर में मौत हो गयी है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है और शव की शिनाख्त में जुट गई है। थाना क्षेत्र के लखनऊ वाराणसी राष्टीय राजमार्ग पर हजारीगंज कस्बे के निकट सड़क किनारे एक अज्ञात युवक बेहोशी की हालत मे पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने बेहोशी की हालत मे उसे सीएचसी सिंहपुर मे भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार की देर शाम तक युवक के शव की शिनाख्त नही हो सकी है। इस सम्बंध में थाना शिवरतनगंज के थानाध्यक्ष विवेक सिंह ने बताया कि अस्पताल प्रशासन की सूचना पर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है और शव की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है।

कमला नेहरु संस्थान मे इग्नू के अंतर्गत प्रवेश प्रगति पर

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। केएनआईपीएसएस स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र पर सत्र 2025 हेतु प्रवेश अनवरत चल रहा है। इच्छुक छात्र व छात्रायें स्नातक व परास्नातक के विभिन्न विषयों एम.बी.ए. बी.लिब तथा विविध रोजगारपरक डिप्लोमा व सर्टिफिकेट प्रोग्राम में प्रवेश ले सकते हैं। यह जानकारी के.एन.आई स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ शक्ति सिंह ने दी है। इन्होंने बताया कि इस केन्द्र पर 65 से अधिक कार्यक्रम मान्यता प्राप्त है। इस सत्र से एम.ए. साइकोलॉजी एम.इतिहास और डिप्लोमा इन वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स फ्रॉम फ्रूट्स एंड वेजिटेबल जैसे नए कोर्सेज भी शुरू हो रहे हैं। समन्वयक डॉ शक्ति सिंह ने बताया कि दूर–दराज में रहने वाले नवयुवकों के कौशल विकास के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। साथ ही नौकरीपेशा वाले लोग भी इग्नू के अधीन अध्ययन का लाभ उठा सकते हैं।

राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान बचाने की लड़ेंगे लड़ाई : राजेश तिवारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। संगठन सृजन अभियान के बहाने उत्तर प्रदेश में खोई जमीन वापस पाने को बेताब कंग्रेस पार्टी संविधान बचाओ सम्मेलन के माध्यम से जनता की नब्ज टटोलने जुटी है इसके लिए सुल्तानपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियो को संविधान बचाओ सम्मेलन आयोजित कर बुलाया गया प्रदेश के कद्दावर नेताओं ने यहां संविधान बचाने व आम जनता के बीच कंग्रेस पार्टी की विचारधारा को ले जाने का संकल्प लिया ।

दरअसल कंग्रेस पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के देखरेख में संगठन सृजन अभियान के माध्यम से बूथ स्तर पर संगठन बनाने को लेकर अपनी कवायद कर रही है इसके लिए जिला व शहर कोऑर्डिनेटर मनोनीत किए गए हैं जो लगातार कार्यकर्ताओं व नेताओं से मिलकर पार्टी खड़ी करने में लगे हुए हैं पार्टी द्वारा विधानसभाओ में संविधान बचाओ सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है इसी क्रम में सुल्तानपुर विधानसभा का भी संविधान बचाओ सम्मेलन आयोजित किया गया था इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के

पूर्व मंत्री व प्रभारी राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे ! उन्होंने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियो को संगठन मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की द्य पूर्व मंत्री मुईद अहमद ने अपने अनुभव व कंग्रेस पार्टी की विचारधारा को जनसमूह के बीच रखा, किसान कंग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सिंह ने किसानो की लड़ाई के लिए कार्यकर्ताओं का आवाहन किया जिला कार्यक्रम को पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओपी चौधरी प्रदेश सचिव राहुल त्रिपाठी मोहम्मद जफर खान सलाउद्दीन हाशमी फिरोज अहमद अर्जुन पासी हौसला प्रसाद भीम राजेश तिवारी वरुण मिश्रा प्रमोद मिश्रा निकलेश सरोज शकील अंसारी आदि नेताओं ने संबोधित किया.जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व शकील अंसारी ने सैकड़ो पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओं, का आभार व्यक्त करते हुए अतिथियों का स्वागत किया.कार्यक्रम का संचालन कर रहे सभासद संजय कप्तान ने आम जनता की छोटी-छोटी जरूरत के मुद्दों को उठाने का सुझाव दिया. यहां प्रमुख रूप से कुसुम लता मिश्रा सतीश चंद्र मिश्रा अरुण त्रिपाठी सुनील शर्मा ओमप्रकाश त्रिपाठी चौटाला धर्मराज मिश्रा मोहम्मद हारुन इरफान अहमद रणजीत सिंह सलूजा हामिद राइन अरशद पवार अर्श खान लकी बलराम तिवारी आवेश अहमद संजय श्रीवास्तव मोहित तिवारी ममनून आलम ओमप्रकाश दूबे उमाकांत त्रिपाठी संजू संतोष वर्मा पवन मिश्रा कटावा मनीष तिवारी सोहेल अहमद अनवर अंसारी इरफान खां शंकर मिश्रा चंद्रभान सिंह चुन्ना नंदलाल मोर्य अजेंद्र पांडे विभू विनोद पांडे ज़फीर अहमद राम शरण गौतम इकराम अहमद मोहम्मद नसीम दयाशंकर दूबे शाहबाज अहमद अरबाज अहमद लक्ष्मीकांत मिश्रा राहुल मिश्रा जनार्दन शुक्ला राम लौट यादव सुरेंद्र शुक्ला विजयपाल गौतम अमित तिवारी राहुल पांडे ओमप्रकाश सिंह विनोद राणा प्रेम प्रकाश अग्रहरि नफीस पठान सियाराम तिवारी दिलीप मिश्रा मोहसिन सलीम रामकिशोर अरविंद सिंह त्रिलोक चंदी लतीफ अहमद रविंद्र कोरी अनवर अंसारी रियाज अहमद अवधेश गौतम गुड्डू जायसवाल हौसला प्रसाद कनौजिया शीतला प्रसाद साहू समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे ।

दर्जनों महिलाओं के साथ पहुंची कुसुम मिश्रा बसपा छोड़कर आए जफर खान ने की शिरकत

सुल्तानपुर ।विधानसभा के संविधान बचाओ कार्यक्रम में जहां एक और बसपा छोड़कर आये प्रधान संघ के जिला अध्यक्ष रहे जफर खान ने दर्जनों साथियों के साथ शिरकत की वही पूर्व महिला जिला अध्यक्ष कुसुम लता मिश्रा भी दर्जनों महिलाओं के साथ कार्यक्रम में पहुंची. महिलाओं की भागीदारी देखकर मुख्य अतिथि राजेश तिवारी ने सभी महिलाओं का हौसला बढ़ाया.कार्यक्रम में शहर कंग्रेस कमेटी से जुड़े दर्जनों लोग मौजूद रहे जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व शकील अंसारी ने आए हुए सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया. वही कार्यक्रम मैं आने वाले अधिकतर खर्चे को अखिल भारतीय कंग्रेस कमेटी के सदस्य व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी फिरोज अहमद ने वहन किया। हालांकि कार्यक्रम में एक तिहाई कार्यकर्ताओं को बिना भोजन के ही बैरंग लौटना पड़ा प्रदेश सचिव व जिले के प्रभारी अर्जुन पासी का जन्मदिन होने के कारण मौजूद नेता व कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनका जन्मदिन भी मनाया।

कोचिंग का क्रेडिट, स्कूल की गुमनामी

आज जब भी कोई छात्र NEET, JEE, UPSC या अन्य प्रतियोगी परीक्षा में चयनित होता है, तो मीडिया उसकी सफलता को कोचिंग संस्थान की सफलता के रूप में प्रस्तुत करता है। बधाइयाँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, और सोशल मीडिया पोस्ट्स ऽ सब पर एक ही नाम चमकता हैः कोचिंग सेंटर। लेकिन इस पूरे शोरगुल में वह शिक्षक खो जाते हैं, जिन्होंने कभी उस छात्र को पहली बार पेंसिल पकड़ना सिखाया था, जिसने उसे अक्षरों से परिचय कराया था, जिसने उसकी गणना और तर्क की नींव रखी थी। यह वही शिक्षक हैं जो स्कूल और कॉलेजों में वर्षों तक संघर्षरत रहकर बिना किसी विशेष संसाधन के, बच्चों में सोचने की क्षमता और आत्मविश्वास जगाते हैं। यह लेख इसी अदृश्य, उपेक्षित वर्ग की आवाज़ है। शिक्षा कभी एक बाज़ार नहीं थी। वह एक संबंध था गुरु और शिष्य का। लेकिन जब से शिक्षा के क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों का वर्चस्व बढ़ा है, तब से यह संबंध एक सेवा और ग्राहक का रूप ले चुका है। छात्र एक उपभोक्ता बन गया है और शिक्षक ऽ एक उत्पाद बेचने वाला। कोचिंग संस्थान अब एक ब्रांड है, जो सफलता बेचता है, और स्कूल का शिक्षक सिर्फ एक सरकारी कर्मचारी, जिसे ना प्रशंसा मिलती है, ना मंच। शिक्षा में यह असंतुलन क्यों? क्या एक छात्र की सफलता का संपूर्ण श्रेय सिर्फ उस कोचिंग संस्थान को दिया जाना न्यायसंगत है जहाँ वह अंतिम एक या दो वर्षों में गया? और उस स्कूल या कॉलेज की भूमिका क्या शून्य हो जाती है जहाँ उस छात्र ने जीवन के 10-12 वर्ष बिताए? हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी छात्र एकाएक UPSC क्लियर नहीं करता। वह प्रक्रिया कहीं कक्षा-3 की हिंदी की कविता याद करने से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उच्चारण की भूलें सुधारते हैं। वह गणित के पहले गुणा-भाग से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उंगलियों की गिनती को गणना में बदलते हैं। ये शिक्षक किसी ब्रांड के बोर्ड तले नहीं पढ़ाते, इनकी कक्षाएँ बिना एयरकंडीशनर की होती हैं, और कभी-कभी बिना पंखे के भी। लेकिन इनके पसीने से ही भविष्य की नींव तैयार होती है। जब कोई छात्र इंटरव्यू में पूछे जाने पर कहता है कि ''मेरी सफलता मेरे कोचिंग संस्थान की देन है,'' तो यह वाक्य सुनकर कहीं किसी गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़ा रहा एक शिक्षक चुपचाप मुस्कुरा देता है। वह जानता है कि उसने कुछ तो सही किया होगा, तभी यह छात्र उस जगह तक पहुँच पाया है। लेकिन उस मुस्कान में पीड़ा छिपी होती है, उस चुप्पी में वह सवाल होते हैं जो कोई नहीं पूछता ''क्या मेरी कोई भूमिका नहीं थी? कोचिंग संस्थान सफलता का शॉर्टकट दे सकते हैं, लेकिन सोचने की आदत, भाषा की पकड़, सामाजिक चेतना-ये सब स्कूलों में ही पैदा होती है। विद्यालय सिर्फ परीक्षा की तैयारी नहीं कराते, वे व्यक्ति का निर्माण करते हैं। बाज़ार की भाषा में कहें तो आज शिक्षा एक 'ब्रांडेड सर्विस' बन चुकी है। कोचिंग सेंटर सफलता के ग्राफ के साथ खुद को बेचते हैं, और सफल छात्रों को विज्ञापन की तरह इस्तेमाल करते हैं। यह शोषण का एक नया रूप है, जिसमें मेहनत किसी और की होती है और लाभ किसी और को मिलता है। विज्ञापनों की भाषा देखिए हमारे यहाँ से 72 चयनित!, "AIR-1 हमारे छात्र!, बिना कोचिंग के असंभव! इन दावों में किसी स्कूल का नाम नहीं होता। किसी हिंदी, गणित या विज्ञान शिक्षक की तस्वीर नहीं होती, जिन्होंने छात्रों को अपनी सीमित तन्ख्वाह, खस्ताहाल स्कूल और प्रशासनिक दबावों के बीच तैयार किया। यहां एक और विडंबना है जिस छात्र कोचिंग सेंटर में जाकर सफल हुआ, वह खुद एक स्कूल से आया था। उसने कभी कक्षा में बोर होकर या मस्ती करते हुए भी सीखा था। उसके व्यक्तित्व में स्कूल की प्रार्थना, शिक्षक का डांटना, लाइब्रेरी का सन्नाटा और प्रायोगिक कक्षाओं की गंध शामिल होती है। लेकिन सफलता के बाद वह स्कूल के बजाय कोचिंग की ब्रांडिंग करता है। यह ट्रेंड केवल समाज की विस्मृति को नहीं दर्शाता, यह हमारी प्राथमिकताओं की गिरावट भी दिखाता है। मूल शिक्षक केवल क्लासरूम तक सीमित कर दिए गए हैं।

आसान नहीं ईरान के फोर्डो परमाणु स्थल को उड़ाना

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि ईरान के आसमान पर अब हमारा पूरा नियंत्रण है। इजरायली सेना अमेरिका से खरीदे गए विमानों और हथियार प्रणालियों से लैस है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम से छनकर आई खबरों में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप फोर्डो में इजराइल के संभावित हमले में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। उनके सबसे करीबी सलाहकार भी सहमत हैं कि अब फोर्डो को उड़ाने का समय आ गया है। ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि उन्हें पता है कि ईरान का सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छुपा है। हम फिलहाल उसे मारना नहीं चाहते। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के नेता को निशाना बनाने की संभावना से इनकार नहीं किया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान भी काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ईरानी परमाणु सुविधा केंद्र को समाप्त करने के लिए आगे की कार्रवाई करने का निर्णय ले सकते हैं। यह उनका अधिकार है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि ईरान के खिलाफ अब तक के पिछले हमलों का इतिहास बताता है कि उनके नतीजे अप्रत्याशित होते हैं। कोई 15 साल पहले सेंट्रीफ्यूज पर इजराइल के एक साइबर हमले ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल एक या दो साल के लिए ही धीमा किया था। इसके बाद ईरान परमाणु संवर्धन में वापस लौटा, तो वह पहले से कहीं अधिक ताकतवर हो गया था।

इजराइल कई दिनों से ईरान को सामरिक चोट दे रहा है। ऐसी चोट जो ईरान को न रोने दे रही न हंसने दे रही। पिछले छह दिन से दोनों देश एक-दूसरे के आसमान से धरती पर कहर बरपा रहे हैं। इजराइल इस दौरान ईरान के कई प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों और शीर्ष सैन्य कमांडरों को ढेर कर चुका है। अमेरिका उस पर लगातार बिना शर्त समझौता करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है। वह समझौते को बेकरार हैं। यह बेकरारी इससे समझी जा सकती है कि वह कनाडा में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन को छोड़कर स्वदेश लौट आए और सीधे सिचुएशन रूम में अपने सैन्य रणनीतिकारों से विचार-विमर्श करने में जुट गए। माना जा रहा है कि इस दौरान ईरान के फोर्डो परमाणु स्थल पर इजराइल के हमले की योजना को लेकर भी चर्चा हुई। यह ईरान का सबसे महत्वपूर्ण परमाणु सुविधा केंद्र हैं।

ईरान इसे लेकर बेहद संजीदा है। इसे उसने अभेद्य दुर्ग में तबदील कर रखा है। ईरान ने फोर्डो को कोम शहर के पास पहाड़ के नीचे विकसित किया है। फोर्डो ईंधन संवर्धन संयंत्र चट्टानों और मिट्टी के नीचे लगभग 80 मीटर (260 फीट) की गहराई पर है। इसे हवाई हमलों और सैन्य आक्रमण से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसको ईरान का माउंट डूम भी कहा जाता है। कहा तो यहां तक जाता है कि इसकी रक्षा के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली का बंदोबस्त है।

फोर्डो में काम 2009 में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक मिसाइल बेस के रूप में शुरू किया था। बाद में इसे यूरेनियम संवर्धन के लिए भूमिगत सुविधा में बदल दिया गया। इसे अमेरिकी और इजराइल शुरू से परमाणु हथियारों के उत्पादन के लिए एक संभावित खतरे के रूप में देख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और विशेषज्ञों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय ईरानी परमाणु सुविधा रही है। ईरान का एक और भूमिगत परमाणु संवर्धन स्थल नातांज है। इजराइल हमले के पहले दिन ही इसे निशाना बना चुका है। यह दोनों मध्य ईरान में तेहरान के दक्षिण में हैं।

माना जाता है कि फोर्डो को हवाई हमलों का सामना करने के लिए बनाया गया है। 2015 के परमाणु समझौते के तहत, इसे बिना संवर्धन के एक अनुसंधान सुविधा के रूप में इस्तेमाल किया जाना था, लेकिन 2019 के बाद ईरान ने यहां संवर्धन फिर से शुरू कर दिया। समूची दुनिया इसी बात को लेकर चिंतित है। हालांकि फोर्डो को कई लिहाज से अभेद्य माना जा रहा है, मगर कुछ रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ईरान के इस फोर्डो को नष्ट करने की क्षमता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि ईरान के आसमान पर अब हमारा पूरा नियंत्रण है। इजरायली सेना अमेरिका से खरीदे गए विमानों और हथियार प्रणालियों से लैस है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम से छनकर आई खबरों में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप फोर्डो में इजराइल के संभावित हमले में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। उनके सबसे करीबी सलाहकार भी सहमत हैं कि अब फोर्डो को उड़ाने का समय आ गया है। ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि उन्हें पता है कि ईरान का सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छुपा है। हम फिलहाल उसे मारना नहीं चाहते। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के नेता को निशाना बनाने की संभावना से इनकार नहीं किया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान भी काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ईरानी परमाणु सुविधा केंद्र को समाप्त करने के लिए आगे की कार्रवाई करने का निर्णय ले सकते हैं। यह उनका अधिकार है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि ईरान के खिलाफ अब तक के पिछले हमलों का इतिहास बताता है कि उनके नतीजे अप्रत्याशित होते हैं। कोई 15 साल पहले सेंट्रीफ्यूज पर इजराइल के एक साइबर हमले ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल एक या दो साल के लिए ही धीमा किया था। इसके बाद ईरान परमाणु संवर्धन में वापस लौटा, तो वह पहले से कहीं अधिक ताकतवर हो गया था। जॉर्ज डब्ल्यू बुश के शासनकाल से पिछले दो दशकों में इजराइल और अमेरिका ने नातांज परमाणु संवर्धन केंद्र में हजारों सेंट्रीफ्यूज को निशाना बनाने के कई प्रयास किए हैं। इजराइल सेंट्रीफ्यूज के लिए जरूरी पुर्जे बनाने वाले कारखानों को नष्ट कर चुका है। वह परमाणु हथियार कार्यक्रम में शामिल उसके प्रमुख वैज्ञानिकों को भी ठिकाने लगाता रहा है। हकीकत यह है कि इजराइल और अमेरिका के हर हमले के बाद ईरान का परमाणु हथियार कार्यक्रम और मजबूत हुआ है। मगर 2015 में हस्ताक्षरित समझौते के तहत ईरान को अपने 97 फीसद परमाणु ईंधन को छोड़ने और नातांज में संवर्धन को धीमा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। साल 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समझौते को आपदा बताते हुए पीछे हट गए। इसके तुरंत बाद ईरान ने परमाणु कार्यक्रम में तेजी के साथ काम करना शुरू कर दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू तो यहां तक दावा करते हैं कि ईरान के पास अब भी नौ परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त ईंधन है। सवाल यह भी है ईरान ने फोर्डो परमाणु सुविधा स्थल के लिए कोम शहर को ही क्यों चुना? माना जा रहा है कि ईरानी शासक कोम को सबसे पवित्र शहर मानते हैं। यह देश का सातवा सबसे बड़ा महानगर है। कोम तेहरान के दक्षिण में 140 किलोमीटर (87 मील) दूर और को नदी के तट पर स्थित है। कोम को शिया इस्लाम में पवित्र माना जाता है, क्योंकि यह इमाम अली इब्न मूसा रिदा (फारसी में इमाम रजा 789-816) की बहन फातिमा बिन्त मूसा की दरगाह का स्थल है यकीन मानिए कि इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले में यदि फोर्डो को उड़ा दिया जाता है तो इस पवित्र शहर की आत्मा इसके लिए अपने शासकों को जरूर कोसेगी। वह कहेगी फातिमा बिन्त मूसा को चैन से सोने भी नहीं दिया।

मुकुंद

विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ करने वाला व्यवहार उचित नहीं

दीपक कुमार त्यागी

इक्कीसवीं सदी में दुनिया भर के विकसित व विकासशील देशों के हुक्मरान व लोग तो कम से कम यह अच्छे से जानते हैं कि प्रकृति से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ करना धरती पर जीवन के लिए बेहद घातक है और ऐसा करने से भविष्य में बेहद भयावह परिणाम से पृथ्वीवासियों को रूबरू होना पड़ सकता है। लेकिन फिर भी दुनिया के ताकतवर लोगों की यह ज़मात ही विकास के नाम पर भयावह विनाश की नींव रखने का कार्य अपने ही हाथों से करने का काम कर रही है। आलम यह हो गया है कि विकास के नाम पर दुनिया भर में चल रही अंधी दौड़ जल, थल व वायु में उपस्थित सभी जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों आदि के जीवन पर अब भारी पड़ने लगी है। दुनिया में लोगों व जीव-जंतुओं के साथ-साथ अब पेड़-पौधे तक भी असमय काल का ग्रास बनने लगे हैं, लेकिन फिर भी हम लोग ना जाने क्यों अभी भी समय रहते हुए सुधरने के लिए तैयार नहीं हैं। हम लोग अपनी जरूरतों और आर्थिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए जमकर के जल, थल व वायु में उपस्थित प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं। जिस तरह से हमने भूजल का अंधाधुंध दोहन करते हुए उसको प्रदूषित करने का कार्य किया है, उसके चलते ही स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति आज एक बहुत बड़ी चुनौती बन गयी है। हमने समुद्र से बहुमूल्य संपदा निकाल करके, उसकी छाती को चीरते हुए छोटे-बड़े जहाज़ चला कर, समुद्र को कचरा डंप करने का एक स्थान बनाकर के, समुद्र में तेज़ी से अंधकार को बढ़ाते हुए मानव व जलीय जीवों के जीवन को बड़े ख़तरे में डाल दिया है। आज जिस तरह से हम अपने आर्थिक हितों व जरूरतों को साधने के लिए प्रथ्वी के गर्भ में छिपी अथाह प्राकृतिक संपदा का अंधाधुंध दोहन करके धरती को खोखला कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। भूजल को रीचार्ज करने वाले स्रोतों पर कब्जा करके कंक्रीट का जाल बनने से तेज़ी गिरता भूजल का स्तर एक नयी चुनौती है। जिस तरह से हमने वायु प्रदूषण, हवाई यातायात व अन्य कारकों से आसमान को छलनी करने का कार्य किया है, उससे उत्पन्न स्थिति की भरपाई लोगों व जीव-जंतुओं को अपना अनमोल जीवन देकर करनी पड़ रही है। लेकिन विचारणीय तथ्य यह है हम फिर भी नहीं सुधरने का नाम ले रहे हैं। दुनिया भर में प्लास्टिक का कचरा, लोहे का कचरा, मेडिकल कचरा, ई कचरा, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का कचरा, टू व फ़ोर-व्हीलर वाहनों का कचरा, विभिन्न प्रकार के केमिकलों का कचरा, परमाणु पदार्थों का कचरा आदि ने हमारे चारों तरफ की स्वच्छ प्राकृतिक आबोहवा को प्रदूषित करते हुए प्रकृति को भारी नुक़सान पहुंचाने का कार्य किया है। प्रकृति को नुक़सान पहुंचाने की रही-सही कसर दुनिया में चल रही हथियार बनाने की होड़ व युद्ध पूरी कर रहे हैं।

दुनिया भर में पर्यावरण के लिए नुकसानदायक गैसों के उत्सर्जन से ओजोन परत को नुक़सान हो रहा है?, जिसका प्रभाव सभी पर पड़ रहा है। प्रकृति से खिलवाड़ के चलते ही आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग के भयावह दौर से गुजर रहा है, जिसके चलते पर्यावरण में होने वाले बदलाव अब धरातल पर स्पष्ट रूप से नज़र आने लगे हैं। दुनिया में कहीं पर असामान्य बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है, तो कहीं पर जबरदस्त बाढ़ का प्रकोप जान-माल को लीलने का काम कर रहा है, तो कहीं पर जबरदस्त सूखे की मार चल रही है, कहीं पहाड़ों के साथ विकास के नाम पर की गयी छेड़छाड़ के चलते भूस्खलन व पिघलते ग्लेशियर का प्रहार है, कहीं पर गर्म हवाओं के थपेडों की मार है, कहीं पर असामान्य बर्फीली हवाओं का प्रहार है। भारत के संदर्भ में देखें तो हाल ही में जारी आईडीएमसी संस्था की रिपोर्ट के अनुसार 2015 से 2024 के बीच भारत में 32.3 मिलियन लोग विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापित हुए हैं, जिसमें से सर्वाधिक बाढ़ और तूफान के कारण विस्थापित हुए हैं। आईडीएमसी संस्था ने चेतावनी दी है कि भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण नदी और तटीय बाढ़, सूखे और चक्रवाती तूफानों के कारण भारत में विस्थापन का खतरा और बढ़ सकता है। आंकड़ों के अनुसार भारत में बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप तथा भूस्खलन की घटनाएं होना आम बात हैं। देश के लगभग 60 प्रतिशत भू भाग में भूकंप का खतरा हमेशा रहता है। देश में लगभग 40 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बाढ़ बार-बार आती रहती है, जिससे जान-माल का भारी नुक़सान होता है। देश की कुल 7516 किलोमीटर लंबे तटरेखा क्षेत्र में से 5700 किलोमीटर के तटरेखा क्षेत्र में चक्रवात का खतरा बना रहता है।

सेहत मंत्र

वज़न कम करने में सहायक होती है गुणकारी लौकी

लौकी एक गुणकारी सब्ज़ी है और यह हर घर में पकाई व बड़े ही चाव के साथ खाई जाती है। गर्मियों में लौकी का सेवन न केवल शरीर को ठंडक पहुंचाता है, बल्कि मौसमी बीमारियों से भी बचाता है। यह पचाने में काफी आसान है और वज़न घटाने के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है। वज़न कम करने के लिए यदि आप डायट पर हैं, तो लौकी को अपने आहार का हिस्सा ज़रूर बनाएं। वैसे वज़न कम करने के लिए लोग जाने क्या-क्या करते हैं पर आप सिर्फ लौकी की सब्ज़ी खाकर घर बैठे-बैठे वज़न कम कर सकते हैं। एक लौकी में लगभग 15 कैलोरी और ढेर सारा विटामिन, खनिज और फाइबर पाया जाता है। इसलिए वज़न घटाने के लिए इसे एक अच्छे विकल्प के रूप में देखा जाता है। हालांकि बहुत से लोग वज़न घटाने के लिए लौकी के जूस का सेवन करते हैं, जो की गलत है। लौकी के जूस से बेहतर है कि इसे उबाल कर या इसको सलाद के रूप में खाया जाए। एक शोध के मुताबिक, एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ द ट्रॉपिकल मेडिसिन में प्रकाशित जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि लॉकी ने चूहों में वेट गेन होने से रोका, जिन्हें उच्च वसा वाला आहार खिलाया गया था। हालांकि, मनुष्यों पर अभी तक ऐसा कोई शोध नहीं किया गया है। इस सब्जी में बहुत ही कम फैट और कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। वज़न घटाने के लिए इसमें आवश्यक पानी और पोषक तत्व मौजूद होते हैं। साथ ही इसमें विटामिन बी, विटामिन ई, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन ए, आयरन, फोलेट, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। अक्सर सुझाव दिया जाता है कि वज़न घटाने के लिए हमें जूस के बजाय समूचा फल और सब्जियां खानी चाहिए। यहीं बात लौकी के लिए भी लागू होती है। लौकी के जूस में फाइबर की कमी होती है और इसमें साबुत लौकी की तुलना में अधिक कैलोरी होती है। एक कप उबली हुई लौकी में सिर्फ 19 कैलरी और 2 ग्राम फाइबर होता है। लेकिन एक कप लौकी का जूस तैयार करने में ढेरों लौकी का इस्तेमाल होता है, जिससे इसमें कैलरी की मात्रा अपने आप ही बढ़ जाती है।

धर्म मंत्र

सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं सालासर बालाजी

हजारों लोगों की आस्था, श्रद्धा और विश्वास का धार्मिक स्थल सालासर बालाजी धाम भगवान हनुमानजी को समर्पित हैं। यह पवित्र धाम राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर चुरू जिले में सुजानगढ़ के समीप सालासर नामक स्थान पर स्थित है। सालासर धाम सालासर कस्बें के मध्य में स्थित है। यहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु देश कोने-कोने से प्रतिदिन मनोकामना लेकर बालाजी के दर्शनार्थ आते हैं। चैत्र पूर्णिमा एवं आश्विन पूर्णिमा के अवसर पर विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है तथा यहां भव्य मेले भरते है जिसमें लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। सालासर में स्थित हनुमानजी को भक्तगण भक्तिभाव से बालाजी के नाम से पुकारते हैं। मंदिर के संदर्भ में प्रचलित कथानक के अनुसार माना जाता है कि बहुत समय पूर्व असोता गांव में एक खेती करते हुए एक किसान का हल किसी वस्तु से टकरा गया। वह वहीं पर रूक गया और जब किसान ने देखा तो उसे शिला दिखाई दी। उसने वहां खुदाई की तो पाया कि वह मिट्टी से सनी हुई हनुमानजी की मूर्ति थी। वह दिन श्रावण शुक्ल की नवमी का दिन और उस दिन शनिवार था। किसान इस घटना के बारे में लोगों को बताया। जब वहां के जमींदार को भी उसी दिन सपना आया कि भगवान हनुमान उसे आदेश देते है कि उन्हें सालसर में इस मूर्ति को स्थापित किया जाए। कहा जाता है कि एक निवासी मोहनदास को भी हनुमान जी ने सपने में दर्शन देकर आदेश दिया कि मुझे असोता से सालासर में ले जाकर स्थापित करें।

पर्यटन

पांगोंग झील: बर्फीले रेगिस्तान का सतरंगी इंद्रधनुष

विश्वास करना कठिन हो रहा था कि पानी अपने रंग को बदल रहा है। लेकिन दुनिया के आठवें आश्चर्य को अपनी आंखों से देखते हुए कभी कभार यूं लगता कि आंखें भी धोखा खा रही हैं। लेकिन यह सब अक्षरशः सच था कि पानी ने अपना रंग बदला था और वह भी उस समय जब सूर्य या आदमी अपने आप को हिलाता था। इस दुनिया के आठवें आश्चर्य को देखने के लिए आदमी को भारत-चीन सीमा पर स्थित इस झील के किनारे किनारे आगे पीछे होना पड़ता था ताकि वह विश्वास न किए जाने वाले तथ्य पर भी विश्वास करने को मजबूर हो जाए। यह सब महज एक सपना या जादू नहीं है बल्कि हकीकत है कि सात रंगों में अपने पानी को बदलने वाली झील भी इस दुनिया में मौजूद है। और सतरंगी झील का प्यारा का नाम है- पांगोंग सो। (सो-को लद्दाखी भाषा में झील कहा जाता है।) एक और आश्चर्यजनक पहलू इस झील का यह है कि यह विश्व की सबसे ऊंचाई पर स्थित नमकीन पानी की झील भी है जिसे देख आदमी स्वर्ग की छटा को भी भूलने को मजबूर हो सकता है। पूरी तरह से प्राकृतिक तौर पर बनी विश्व की सबसे ऊंचाई पर स्थित इस झील का क्षेत्रफल भी कम नहीं है बल्कि यह एक समुद्र के समान है जिसकी लंबाई 150 किमी के लगभग है। हालांकि आधिकारिक रिकार्ड में यही लंबाई दर्ज है मगर आम लोगों (जो उसके आसपास के गांवों में रहते हैं) के अनुसार यह 138 किमी लंबी है और चौड़ाई भी कुछ कम अचंभित करने वाली नहीं है। 700 फुट से लेकर 4 किमी की चौड़ाई लिए यह झील समुद्रतल से 14256 फुट की ऊंचाई पर स्थित है जो बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख की राजधानी लेह से करीब 160 किमी की दूरी पर है। समुद्र रूपी इस झील का सफर कोई आसान नहीं है। कई ऊंचे ऊंचे दर्रों को पार करना पड़ता है जिसमें सबसे ऊंचा दर्रा 17350 फुट की ऊंचाई पर है। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ ऊंचे दर्रे ही इसकी राह में हैं बल्कि मन को लुभावने वाले रेतीले और पथरीले पहाड़ भी नजर आ जाते हैं। सितम्बर के दूसरे सप्ताह में ही इन पर्वतों पर बर्फ अपनी चादर बिछा देती है।

जीआईसी निन्दूरा के विजय ने रचा इतिहास नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती'' इस प्रेरणादायक पंक्ति को साकार कर दिखाया है राजकीय इंटर कॉलेज, निन्दूरा (बाराबंकी) के मेधावी छात्र विजय कुमार गौतम ने। विजय ने न केवल इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2024 में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, बल्कि अपने पहले ही प्रयास में नीट (मेडिकल) जैसी कठिनतम प्रतियोगी परीक्षा को भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर जनपद का नाम गौरवान्वित किया है।

विजय एक अत्यंत साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। उनके पिता श्री बृजलाल, बटाई पर खेती एवं दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में भी विजय ने अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा और कठोर परिश्रम व आत्मविश्वास से यह सफलता अर्जित की और अब डाक्टर बनेगा गाँव का लाल।

विजय ने बताया, ल्लमैं अपने परिवार का पहला सदस्य हूं जिसने इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण की है। मेरी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर रही, लेकिन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री भानु प्रताप सिंह एवं समस्त गुरुजनों का मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और विश्वास मिला तथा जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय का नवाचार *मिशन पहचान* के अंतर्गत होने वाले ओएमआर आधारित परीक्षा मेरे लिए सबसे बड़ा संबल बना।

उन्होंने यह भी बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के यूट्यूब चैनल तथा खान अकादमी जैसे ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफॉर्म्स से उन्हें विषयवस्तु को समझने और परीक्षा की तैयारी में अत्यंत सहयोग मिला। विजय की इस असाधारण सफलता पर जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी ने छात्र को सम्मानित करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि, ल्लविजय जैसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ सीमित संसाधनों में भी उच्च लक्ष्य पाने की प्रेरणा देती हैं। यह समस्त छात्र समुदाय के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। इस अवसर पर समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक अखिलेन्द्र सिंह प्रधानाचार्य श्री भानु प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

दुर्गेश वर्मा को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बनाए गए जिला संयोजक

दरियाबाद, बाराबंकी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रांत अभ्यास वर्ग का आयोजन 13 से 16 जून तक गोंडा में किया गया, जिसमें विभिन्न सत्रों के माध्यम से संगठन को मजबूती देने पर चर्चा की गई। इसी क्रम में संगठन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दुर्गेश वर्मा को रामसनेहीघाट जिले का नया जिला संयोजक नियुक्त किया है। पूर्व में नगर सह मंत्री, नगर मंत्री और जिला सह संयोजक जैसे कई दायित्वों का निर्वहन कर चुके दुर्गेश वर्मा की कार्यकुशलता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रांत अध्यक्ष प्रो. नीतू सिंह ने अभ्यास वर्ग के समापन सत्र में यह घोषणा की। दुर्गेश वर्मा की नियुक्ति पर जिलेभर के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। कार्यकर्ताओं ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुएढ संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की आशा जताई है।

नव नियुक्त जिला संयोजक दुर्गेश वर्मा ने कहा, ल्लसंगठन द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाऊंगा और छात्र हित में निरंतर कार्य करता रहूंगा।ङ्क

पूर्व संगठन मंत्री लकी ने कहा कि दुर्गेश की नियुक्ति से रामसनेहीघाट जिले की

इसी सत्र में अन्य नियुक्तियों की भी घोषणा की गई—
अरुण कुमार –रामसनेहीघाट जिला प्रमुख
आलोक कनौजिया –जिला सह संयोजक
अविरल शर्मा –पूर्णकालिक कार्यकर्ता
आकाश शुक्ला – बाराबंकी विभाग संगठन मंत्री
आदर्श सिंह– विभाग संयोजक (पुनर्नियुक्त)
पी. जे. पांडे – विभाग प्रमुख (पुनर्नियुक्त)
अजय वर्मा – बाराबंकी जिला प्रमुख (पुनर्नियुक्त)
योगेश सिंह – जिला संयोजक (पुनर्नियुक्त)
प्रांशी बाजपेयी –विभाग छात्रा प्रमुख (पुनर्नियुक्त)
इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सह संयोजक वीरू पांडे, लवकुश पांडे, आलोक, कामिल, अभय, साक्षी, विभु, शुभम, अंजली, साहिब, वंदना समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान दिवस में डीएम ने किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना

अमेठी । शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया तथा मौके पर ही जिलाधिकारी द्वारा उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। किसान दिवस के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी किसान बन्धुओं को उपलब्ध कराई गई तथा किसानों को जैविक व प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी गई। किसान दिवस में किसानों द्वारा अघोषित बिजली कटौती व बिना रीडिंग के मनमानी तरीके से बिल भेजने, माइनरों की सफाई, सहभागिता योजना के अंतर्गत भुगतान, स्वास्थ्य विभाग में रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती तथा नीलगाय और निराश्रित गोवंशों से संबंधित समस्याएं उठाई जिनके निराकरण हेतु जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इसके साथ ही किसान दिवस में कृषि विज्ञान केंद्र कठौरा के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा उन्नत खेती करने तथा फसल को कीट, पतंगों व चूहों से बचाने के उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अब होगा जमुआ गांव का शैक्षिक आर्थिक विकास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ग्रामीण प्रसन्न,राणा की प्रसन्नता में उठे हाथ

निंदूरा बाराबंकी। आवागमन का साधन यानी सड़क किसी गांव के विकास के लिए अत्यधिक आवश्यक है। सड़कें गांव को शहरों और अन्य गांवों से जोड़ती हैं, जिससे आर्थिक विकास : सड़कें व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देती हैं।सड़कें गांव के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा हैं।विकास खंड निंदूरा की ग्राम पंचायत जमुआ के नागरिकों के लिए महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा वरदान बनी है। ग्राम पंचायत जमुआ में छः लाख की लागत से चक मार्ग बड़ी उपलब्धि है। जयबक्स सिंह के खेत से मिश्रीलाल के खेत तक चक मार्ग जमुआ गांव के नागरिकों के शिक्षा और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। क्यों कि सड़कें गांव को शहरों और अन्य गांवों से जोड़ती हैं, जिससे आर्थिक विकास व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा। सड़कें स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंचने में मदद करती हैं। सड़कें रोजगार के अवसरों तक पहुंचने में मदद करती हैं। साथ ही सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देती हैं।सड़क मार्ग गांव के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा हैं। अब देखें जब इस मार्ग का निर्माण हो रहा था तो करीब एक माह तक पांच दर्जन श्रमिकों को रोजगार का अवसर मिला। जिससे उनकी आजीविका भी सुनिश्चित हुई।

आमजन है प्रसन्नचित

जमुआ के नागरिक बुनियादी आवश्यकताओं में महत्वपूर्ण सड़क मार्ग पाकर फूले नहीं समा रहे। उपलब्धि के जनक पंचायत सचिव की अंतःकरण से प्रशंसा करते हैं।

'ग्राम पंचायत सचिव अमित राणा'

कहते हैं कि आवागमन का साधन यानी सड़क किसी गांव के विकास के लिए अत्यधिक आवश्यक है। सड़कें गांव को शहरों और अन्य गांवों से जोड़ती हैं।जिससे आर्थिक विकास व शिक्षा और स्वास्थ्य तथा रोजगार अवसरों तक पहुंचने में मदद करती हैं।

पार्क से लेकर जेल परिसर तक योग शिविरों की धूम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। योग सप्ताह के तहत सभी ग्राम पंचायत स्तर पर योग शिविर का आयोजन कर जनमानस को योग के महत्व को बताते हुए योग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शहर के कमला नेहरू पार्क में योग प्रशिक्षक द्वारा योग कराया जा रहा है तथा दिव्यांग बच्चों हेतु उम्मीद किरन स्पेशल स्कूल एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में योग प्रशिक्षक द्वारा योग कराया जा रहा। तथा जिला संप्रेक्षण गृह (किशोरी) में सहायक योग प्रशिक्षिका द्वारा योग कराया जा रहा है। तथा *जिला कारागार बाराबंकी* में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डा. वीनम यादव एवं जिला होम्योपैथिक अधिकारी डा. अर्चना श्रीवास्तव के निर्देशन में एक योग सत्र का आयोजन किया गया।जिसमें जेल अधीक्षक कुंदन कुमार जेलर जेपी त्रिपाठी, डिप्टी जेलर श्रीमती कुसुम, श्यामाचरण, मनीष कुमार सिंह, की उपस्थिति एवं डॉ अविनाश चंद्र डॉक्टर डीके चौहान ,डॉ ज्ञान ज्योति चौधरी के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षक कमल किशोर श्रीवास्तव ,स्वीटी मौर्य एवं कपिल कुमार ने 50 महिलाओं व 60 पुरुष कैदियों को योगाभ्यास कराया गया।

मोदी योगी की सरकार ने देश को कर दिया खोखला : स्वामी मौर्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर शब्द बाद चलाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आते ही प्रदेश में 27000 परिषदीय विद्यालय बंद हो गए हैं ।जब से भाजपा की सरकार आई है देश में हिंदू मुस्लिम को आपस में लड़ाने का कार्य चल रहा है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य आज जनता पार्टी के तत्वावधान में आयोजित प्रदेश व्यापी संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।कस्बा रामनगर में पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं प्रधान सुनील कुमार मौर्य व नेता आशीष कुमार मौर्य के संयोजन में में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और विलंब के लिए उपस्थित भीड़ से क्षमा भी मांगी। कहा कि आप लोगों ने मेरा बहुत इंतजार किया है।इसके लिए मैं शर्मिंदा हूं। क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों में अक्सर देर हो जाती है ।उन्होंने आगे कहा कि मोदी और योगी की सरकार ने पूरे देश को खोखला कर दिया है। तथा संविधान में भी गड़बड़ करने वाले हैं। इसलिए हमने देश बचाओ तथा संविधान की रक्षा के लिए यह यात्रा निकाला है। इनके शासन काल में केवल अंबानी जैसे लोगों का भला हो रहा है। क्योंकि देश की सभी वस्तुएं प्राइवेट सेक्टर में दे दिया है। नौजवान व्यक्ति नौकरी के लिए इधर-उधर चक्कर लगा रहा है। लेकिन उनके यहां नौकरी नहीं है। प्रदेश में इतनी रोजगारी बढ़ गई है कि लोग त्रस्त हैं। विजय मौर्य ने बुद्ध भगवान की प्रतिमा, अंग वस्त्र देकर तथा माला पहनकर स्वागत किया ।वहीं पर मनोज कुमार मौर्य, आयोजक आशीष कुमार मौर्य, रामकुमार मौर्य, त्रिभुवन नाथ मौर्य ,गुड्डू मौर्य, शिवचरण मौर्य, संतलाल सैनी, लच्छू बाबा ,अंबुज मौर्य सहित अनेक लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लोक गायक जमुना प्रसाद कनौजिया ने अपने गीतों के माध्यम से उपस्थित लोगों का मन मोहा।श्री कनौजिया बड़े-बड़े मंचों पर अपने गीतों के माध्यम से लोगों के जागने का कार्य कर रहे हैं।

शादी के दो माह बाद युवती ने मायके में की आत्महत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुलिस जांच में जुटी, शव भेजा गया पोस्टमार्टम के लिए

दरियाबाद बाराबंकी । दरियाबाद थाना क्षेत्र के बरहुंवा गांव में एक नवविवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरहुंवा गांव निवासी रामकेवल उर्फ गब्बर की 21 वर्षीय पुत्री दामिनी का विवाह दो माह पूर्व, 18 अप्रैल को दरियाबाद थाना क्षेत्र के ढहवा मजरा मल्लूलालपुर निवासी राकेश के साथ हुआ था। शादी के बाद मृतका दो बार ससुराल गई थी, लेकिन बीते एक माह से वह अपने मायके में ही रह रही थी।

बुधवार की सुबह करीब छह बजे दामिनी के पिता ने उसे कमरे में फंदे से लटकता देखा, जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर सीओ रामसनेही घाट, नायब तहसीलदार, दरियाबाद थानाध्यक्ष मनोज सोनकर तथा अलियाबाद चौकी प्रभारी पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

थानाध्यक्ष मनोज सोनकर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है। मृतका ने यह कदम क्यों उठाया, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही चल सकेगा।

मेंथा टंकी फटी, मां बेटे झूलसे

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदोसरांय थाना क्षेत्र के मीरापुर गांव में पेराई के दौरान मेंथा टंकी फटने से मां व बेटा झुलस गए। यह हादसा बुधवार को सुबह 9 बजे हुआ। सुमन 30 व 12 वर्षीय बेटा आदित्य मेंथा की पेराई के लिए टंकी में ईंधन व देखभाल कर रहे थे। इसी दौरान अचानक टंकी फट गई। टंकी में भरा खौलता पानी मां–बेटे पर गिर गया। इस हादसे में आदित्य करीब 80 प्रतिशत जले। आदित्य के बाबा हनुमान ने बताया घायलों को पहले संयुक्त चिकित्सालय सिरौली गौसपुर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

नगदी जेवरात ले उड़े चोर

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना रामसनेहीघाट की चौकी हथौंधा अंतर्गत कस्बा कोटवा सड़क के निकट गांव लालपुर राजपुर में बीती रात कपिल देव के घर में अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया इस दौरान बाला और एक जोड़ी झाला, एक नथ, 3900 रुपये नगद और एक मोटरसाइकिल सहित हजारों रुपये का सामान ले उड़े। पीड़ित की सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई है।

जमीनी विवाद में ग्रामीण पर बांके से जानलेवा हमला

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव नवदिया सुखदासपुर के रहने वाले कालीचरन पुत्र छोटेलाल ने बुधवार सुबह 10:00 बजे बताया कि उनकी कृषि भूमि को उनके भतीजे जबरदस्ती जोत रहे थे। विरोध करने पर अनिल, युज्ञराज, राजेंद्र प्रसाद और पड़ोसी महेश चंद्र ने ग्रामीण के साथ मारपीट करते हुए। जान से मारने की नीयत से उस पर बांके से हमला कर दिया था। जिससे वह घायल हो गया। घायल ग्रामीण ने मामले में पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया है।

चार लाख लेकर ठेके पर दी कृषि भूमि, खेंत जोतने पहुंचे युवक को मिली जान से मारने की धमकी

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव खाण्डेपुर के रहने वाले कुलवन्त सिंह ने बुधवार दोपहर 1:00 बजे बताया कि उन्होंने सेहरामऊ थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर हरीपुर में स्थित 16 एकड़ कृषि भूमि चार लाख रुपए में कुलबीर सिंह निवासी पटियाला मोहाली जीरकपुर से ठेके पर ली थी। आरोप है कि चार लाख रुपए दिए थे जिसके दस्तावेज भी मौजूद हैं। पर अब उक्त लोग कृषि भूमि पर कृषि कार्य नहीं करने दे रहे हैं और न ही रुपए बापस दे रहे हैं। रुपए मांगने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित युवक ने मामले में पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

हृदय के रोगियों के लिए वरदान साबित होगा इस्टेमी केयर

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हृदय रोगियों के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है। स्टेमी केयर की नई स्वास्थ्य व्यवस्था अपने सुल्तानपुर जनपद में शुरू हो गई है। एक मरीज को डॉक्टर अविनाश गुप्ता के देखरेख में थ्रंबोलाइज भी किया गया है यह सुविधा जनपद के हृदय के गम्भीर मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। अब हृदय रोगियों से गंभीर मरीजों को लखनऊ या निजी अस्पतालों का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा यही पर उनका प्राथमिक उपचार करके डॉ राम मनोहर लोहिया भेज दिया जाएगा। जहां पर अगर मरीज को एंजियोग्राफी एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता होगी तो वह भी सुविधा प्रदान की जाएगी, आने वाले ओपीडी के हर पेशेंट को पहले एक लोडिंग डोज देंगे इसमें डिस्प्रिन एटोरवास्टेटिन क्लोपिडोग्रिल दवा देते हुए साथ में उसी के साथ–साथ हम उस मरीज का ईसीजी करेंगे और 10 मिनट के उसका फॉर्मेट तैयार करते हुए तुरंत डॉ राम मनोहर लोहिया लखनऊ में बने हुए हमारे हब में भेजेंगे और रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।थोडे समय में रिपोर्ट आते ही अगर मरीज को पॉजिटिव रिपोर्ट आ रही है कि इसटीएमआई एलिवेशन है चेस्ट पेन के कारण हार्ट अटैक है तो हम तुरंत उसको थ्रंबोलाइज करेंगे। हम लोगों के पास एक इंजेक्शन उपलब्ध है इंजेक्शन टेनेक्टिपलेज लगाकर थ्रंबोलाइसिस करेंगे और इंतजार करते हुए फिर उसको अगर जरूरत है तो आगे की जो चिकित्सा की आवश्यकता है इसे एंजियोग्राफी एनजीओ प्लास्टि के लिए फिर हम उसको हब में भेज देंगे वैसे तो इस इंजेक्शन की कीमत लगभग ?40000 है लेकिन सभी स्वास्थ्य विभाग में सीएससी और मेडिकल कॉलेज में यह फ्री में इंजेक्शन दिया जाएगा।

बुढ़वल चीनी मिल को चालू कराने और सरयू नदी पर पुल निर्माण की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन, राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल ने दी आंदोलन की चेतावनी

रामनगर बाराबंकी । बंद पड़ी बुढ़वल चीनी मिल को पुनः चालू कराने एवं सूरतगंज क्षेत्र के हेतमापुर में सरयू नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसील प्रशासन को सौंपा। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष राम जी तिवारी ने चेतावनी दी कि यदि एक माह के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब बुढ़वल चीनी मिल संचालित थी, तब क्षेत्र के हजारों गन्ना किसानों को आर्थिक रूप से बड़ा लाभ मिलता था, लेकिन पूर्ववर्ती सपा और बसपा सरकारों की किसान विरोधी नीतियों के चलते मिल बंद हो गई। मौजूदा सरकार ने मिल को दोबारा चालू कराने की घोषणा तो की, लेकिन अब तक धरातल पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। बीते वर्ष अनुपूरक बजट में मुख्यमंत्री ने मिल को चालू कराने हेतु 85 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी, साथ ही 20 लाख रुपये खर्च कर 75.10 हेक्टेयर भूमि की घेराबंदी भी कराई गई थी। इसके बावजूद इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि घोषित धनराशि को मथुरा की छाता मिल को चालू कराने के लिए भेज दिया गया, जिससे बुढ़वल मिल की संभावनाएं कमजोर हो गईं। प्रतिनिधियों द्वारा भी प्रयास किए गए, परंतु कोई सफलता नहीं मिली। पार्टी अब राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरेश मिश्रा के नेतृत्व में आंदोलन का बिगुल फूंकेगी।

इसके अतिरिक्त हेतमापुर क्षेत्र में सरयू नदी पर पुल निर्माण की मांग भी कई वर्षों से लंबित है। स्थानीय नागरिकों द्वारा लगातार मांग किए जाने के बावजूद, केवल निरीक्षण और आकलन तक ही कार्य सीमित रहा, जबकि निर्माण कार्य आज तक प्रारंभ नहीं हो सका है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यदि एक माह के भीतर मिल और पुल निर्माण को लेकर कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाया गया, तो पार्टी धरना, प्रदर्शन, सड़क जाम, चक्का जाम जैसे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान महिला मोर्चा अध्यक्ष सुमन अवस्थी, महामंत्री रमा तिवारी, तहसील अध्यक्ष अंकित राजपूत, नगर अध्यक्ष शिवा तिवारी, सोनू शर्मा, रितेश तिवारी, कमलेश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कंगना रनौत बनीं वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

नई दिल्ली। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने बुधवार को घोषणा की कि प्रसिद्ध अभिनेत्री और भाजपा नेत्री कंगना रनौत को नई दिल्ली में होने वाली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। कंगना के इस जुड़ाव से भारत में पैरा स्पोर्ट्स को नई ऊर्जा, अधिक दृश्यता और समाज में समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। ब्रांड एंबेसडर के रूप में कंगना रनौत संघर्ष, समावेशन और उत्कृष्टता जैसे मूल्यों का समर्थन करेंगी।

अपने नए किरदार पर बात करते हुए कंगना ने कहा, ''भारत के पैरा एथलीट हर दिन यह साबित कर रहे हैं कि कुछ भी असंभव नहीं है। मुझे गर्व है कि मैं उनके साथ खड़ी हूं और उनकी उपलब्धियों को देश-दुनिया तक पहुंचाने में सहयोग कर पाऊंगी। पैरा स्पोर्ट सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि साहस की पहचान है और मैं हमारे चैंपियनों के पीछे मजबूती से खड़ी हूं।''

पैरालंपिक कमेटी के अध्यक्ष और दो बार के गोल्ड मेडल विजेता देवेंद्र झाझरिया ने कहा, ''हमें कंगना जी को अपने साथ जोड़कर बहुत खुशी हो रही है। उनकी प्रसिद्धि, जुनून और भारतीय खिलाड़ियों के प्रति समर्पण उन्हें इस चैंपियनशिप के लिए एक आदर्श एंबेसडर बनाता है।''

नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 से अधिक देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे और यह अब तक का भारत में सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट इवेंट होगा। 27 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता में 1000 से ज्यादा एथलीट अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का 12वां संस्करण होगा और पहली बार भारत इसकी मेजबानी कर रहा है। पीसीआई को उम्मीद है कि कंगना रनौत के जुड़ने से पैरालंपिक खेलों के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ेगी और आने वाली पीढ़ी को इससे प्रेरणा मिलेगी।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम जर्मनी रवाना, 4 देशों के टूर्नामेंट में लेगी हिस्सा

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम आज सुबह जर्मनी के बर्लिन के लिए रवाना हो गई, जहां वह 21 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 4 देशों के अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट में भाग लेगी।

टीम की कमान कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल के हाथों में है, जो टूर्नामेंट के पहले पूल मैच में 21 जून को मेज़बान जर्मनी के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। इसके बाद भारतीय टीम का सामना 22 जून को ऑस्ट्रेलिया और 24 जून को स्पेन से होगा। पूल चरण के बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि निचली दो टीमें तीसरे स्थान के लिए 25 जून को मुकाबला करेंगी। सभी मैच टीसी 1899 ब्लाउ वीस, बर्लिन में खेले जाएंगे।

कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, ''यह टूर्नामेंट हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप 2025 अब ज्यादा दूर नहीं है। यह हमारे लिए अपनी रणनीतियों को परखने, नए संयोजन आज़माने और कमजोरियों को पहचानने का बेहतरीन मौका होगा। यहां हमें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिलेगा।''

उपकप्तान आमिर अली ने भी टूर्नामेंट को अहम बताते हुए कहा, ''हमारी कोशिश है कि वर्ल्ड कप से पहले हर छोटी-बड़ी कमी को दूर किया जाए। यह टूर्नामेंट सिर्फ टीम के लिए ही नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आंकने और सुधारने का मौका है।

गौरतलब है कि एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। ऐसे में भारतीय जूनियर टीम के लिए यह टूर्नामेंट वर्ल्ड कप की तैयारियों का एक अहम पड़ाव साबित होगा।

रग्बी अफ्रीका मेन्स 7प टूर्नामेंट के लिए युगांडा की टीम घोषित

एजेंसी

कम्पाला। युगांडा ने मंगलवार को मॉरिशस में 21 से 22 जून तक होने वाले रग्बी अफ्रीका मेन्स 7प टूर्नामेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एलेक्स अतुरिंडा को सौंपी गई है। मुख्य कोच टोल्बर्ट ओन्यांगो ने 12 सदस्यीय टीम का ऐलान करते हुए कहा, ''हम बेहद उत्साहित हैं क्योंकि टीम ने अच्छी तैयारी की है। हमें अपना खिताब बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यह टूर्नामेंट मापो के लाबोर्देन स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। खिताबी मुकाबले के अलावा, टीमें वर्ल्ड रग्बी 7प सीरीज़ के नवप्रस्तावित डिवीजन 3 में जगह बनाने के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। युगांडा की रग्बी क्रेन्स टीम को ग्रुप ए में कोट डी आइवोर, घाना और चिर प्रतिद्वंद्वी केन्या के साथ रखा गया है। कोच ओन्यांगो ने कहा, ''हम अपने ग्रुप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि हर टीम मौजूदा चैंपियन को हराने की कोशिश करेगी। लेकिन हम हर मैच के लिए खास रणनीति के साथ तैयार हैं। अन्य भाग लेने वाली टीमें हैंः दक्षिण अफ्रीका, बुर्किना फासो, जाम्बिया, नाइजीरिया, मेडागास्कर, जिम्बाब्वे, ट्यूनीशिया और मेज़बान मॉरिशस। युगांडा टीमः एलेक्स अतुरिंडा (कप्तान), एलन ओलेंगो, मुबारक वांडेरा, मार्क ओसुना, अर्नोल्ड ओसेन, रॉय किज़िटो, करीम अरिनाइत्वे, मैल्कम ओकेलो, आरोन टुकेई, डेनिस एत्वाउ, जोन्स कामिजा और नोबर्ट ओकेनी।

विश्व टेस्ट चैंपियन बनने के बाद रैंकिंग में छाए दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर नया टेस्ट चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही टीम के कई खिलाड़ियों ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में ''प्लेयर ऑफ द मैच'' रहे एडेन मार्करम ने शानदार 136 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनकी इस परफॉर्मेंस ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 7 स्थान ऊपर पहुंचा दिया है और वह अब टॉप-10 से सिर्फ दो रेटिंग अंक दूर हैं। इसके अलावा, मार्करम को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए भी सराहा गया है और उन्हें टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में 44 स्थान की भारी छलांग मिली है। फाइनल में विजयी रन बनाने वाले डेविड बेडिंघम भी बल्लेबाजी रैंकिंग में 17 स्थान ऊपर चढ़कर अब 40वें स्थान पर हैं। तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में धमाकेदार गेंदबाजी की, जिसका उन्हें फायदा मिला और वे गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर पाकिस्तान के नसीम शाह और श्रीलंका के लाहिरू कुमारा के साथ 37वें स्थान पर आ गए हैं। कागिसो रबाडा ने एक बार फिर अपने क्लास का प्रदर्शन किया और वह गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। उनके 868 रेटिंग अंक भारत के जसप्रीत बुमराह से थोड़े पीछे है लेकिन तीसरे स्थान पर मौजूद पैट कमिंस से 21 अंक आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए हार के बावजूद मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर को रैंकिंग में फायदा मिला। स्टार्क ने टेस्ट में 5 विकेट लिए और दूसरी पारी में अर्धशतक भी जड़ा, जिससे वह गेंदबाजों और ऑलराउंडरों दोनों सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के टॉप स्कोरर रहे वेबस्टर बल्लेबाजी रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़े हैं।

दूसरी ओर, वनडे रैंकिंग में वर्ल्ड कप लीग-2 के चलते कुछ खिलाड़ियों को जबरदस्त फायदा हुआ है। नीदरलैंड्स के बल्लेबाज माइकल लेविट, बल्लेबाजी रैंकिंग में 22, गेंदबाजी में 21 और ऑलराउंडर रैंकिंग में 27 स्थान ऊपर चढ़े हैं। टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भी वह 11 स्थान चढ़कर अब 30वें स्थान पर हैं। उनके साथी खिलाड़ी नोआ क्रोज ने भी स्कॉटलैंड के खिलाफ 50 रन की पारी खेलकर एकदिनी बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 स्थान की छलांग लगाई है। नेपाल के आरिफ शेख ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 16 रन की जीत में सर्वाधिक स्कोर कर 13 स्थान की बढ़त हासिल की है।

संदीप लामिछाने की घातक गेंदबाजी, रोमांचक मुकाबले में नेपाल ने स्कॉटलैंड को दो विकेट से हराया

ग्लास्गो। तीन सुपर ओवर वाले ऐतिहासिक मुकाबले में नीदरलैंड्स से हार का सामना करने के बाद नेपाल ने जोरदार वापसी की और मंगलवार को स्कॉटलैंड को एक लो-स्कोरिंग थ्रिलर में दो विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ नेपाल ने त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी पहली जीत दर्ज की और स्कॉटलैंड को पहला झटका दिया। स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में सिर्फ 97 रन बनाए, जो उनके घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। नेपाल की ओर से स्पिनर संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने स्कॉटलैंड की पारी के अंतिम पांच में से चार विकेट चटकाए। तेज़ गेंदबाज़ करण केसी (2/20) और दीपेंद्र सिंह ऐरी (1/12) ने भी अहम योगदान दिया।

ब्री इलिंग और बेला जेम्स को न्यूजीलैंड महिला टीम का केंद्रीय अनुबंध मिला

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और बल्लेबाज बेला जेम्स को पहली बार न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के लिए केंद्रीय अनुबंध मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने बुधवार, 18 जून को 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, जिसमें इन दोनों युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है। यह स्थान हेली जेनसेन के संन्यास और कप्तान सोफी डिवाइन के कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट पर जाने के बाद खाली हुआ था। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग ने 2022 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक अपनी टीम की प्रमुख विकेट टेकर बन चुकी हैं। 21 वर्षीय इलिंग ने इस सत्र में सभी प्रारूपों में कुल 29 विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने इसी साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जहां उन्होंने छह मैचों में छह विकेट झटके। वहीं, बेला जेम्स ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने मार्च में एक और मुकाबला इसी टीम के खिलाफ खेला। हालांकि, जेम्स ने महज 16 साल की उम्र में घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। न्यूजीलैंड महिला टीम के कोच बेन सॉयर ने कहा, ''ब्री ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। एक विश्वस्तरीय बल्लेबाज जैसे चमारी अटापट्टू के खिलाफ उसका प्रदर्शन यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार है। वहीं, बेला ने घरेलू स्तर पर निरंतर अच्छा खेल दिखाया है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू श्रृंखला में भी शानदार रही थी। 2025-26 के लिए न्यूजीलैंड महिला टीम की केंद्रीय अनुबंध सूचीः सूज़ी बेट्स, ईडन कार्सन, लॉरेन डाउन, इज़ी गेज़, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रैन जोनास, जेस केर, एमेलिया केर, रोसमेरी मेयर, मॉली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, लिया ताहुहु।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में हर्षित राणा बतौर बैकअप शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में बैकअप खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। वह मुख्य टीम के साथ इंग्लैंड पहुंच चुके हैं और 20 जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार देर रात उक्त जानकारी दी।

23 वर्षीय राणा ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए घोषित 18 सदस्यीय मूल टीम में उनका नाम नहीं था। हालांकि, वह इंडिया ए टीम का हिस्सा थे और कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में खेले थे।

हर्षित राणा अब तक दो टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल चुके हैं। टीम के अन्य सदस्यों के साथ वह लंदन से ट्रेन के जरिए लीड्स पहुंचे, जहां उन्हें टीम के साथ देखा गया।

वहीं केएल राहुल, करुण नायर, यशस्वी जायसवाल, शार्दुल ठाकुर, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी पहले से ही इंडिया ए टीम के साथ यूके में मौजूद थे और उन्हें वहां मैच अभ्यास का अच्छा मौका मिला। भारत ने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के तहत बेकनहम में इंडिया ए के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच खेला था। टीम इस प्रकार हैः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा (बैकअप)।

संक्षिप्त समाचार

एफआईएच महिला प्रो लीग : अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को मिली 1-4 की हार, दीपिका ने दागा एकमात्र गोल

लंदन। एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ 1S4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस मुकाबले में दीपिका (30') ने भारत के लिए एकमात्र गोल दागा, लेकिन अर्जेंटीना की अनुभवी खिलाड़ी अगस्टिना गोरजेलानी ने हैट्रिक (42', 54', 55') लगाकर मुकाबले को भारत की पहुंच से बाहर कर दिया। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन भारत की शुरुआत उत्साहजनक रही। सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल के करीब मौके बनाए। भारतीय टीम ने तेज़-तर्रार खेल दिखाते हुए अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति को चौंकाने की कोशिश की, जबकि अर्जेंटीना ने शांतचित्त, संगठित और ऊंचा प्रेसिंग गेम अपनाया। दूसरे क्वार्टर में खेल की रफ्तार बढ़ी। भारत की नवनीत कौर ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया, जबकि सलीमा की तेज़ दौड़ और पास के बाद बलजीत कौर गोल से चूक गईं। 29वें मिनट में अर्जेंटीना की विक्टोरिया फालास्को ने गोल कर बढ़त दिलाई। लेकिन भारत ने तुरंत जवाब दिया। 30वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे दीपिका ने दमदार ड्रैग-फ्लिक से गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले में मौके बनाए, लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर पाए। इस बीच अर्जेंटीना को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे गोरजेलानी ने 42वें मिनट में गोल में बदला। 47वें मिनट में सलीमा फिर एक मौके पर करीब पहुंचीं लेकिन गोलकीपर ने रोक दिया। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः गोरजेलानी ने दो और गोल (54' पेनल्टी स्ट्रोक, 55' पेनल्टी कॉर्नर) कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

बीएसएनएल 5-जी सेवा जल्द होगी शुरू, कंपनी ने दिया नया नाम क्यू-5जी, मिलेगा सुपरफास्ट इंटरनेट

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की 5-जी सेवा का इंतजार अब खत्म होने वाला है। बीएसएनएल 4-जी के बाद अपने 5-जी नेटवर्क को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। दूरसंचार कंपनी ने अपने 5-जी नेटवर्क को एक नया नाम क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी दिया है। भारत संचार निगम लिमिटेड ने 'एक्स' पोस्ट पर अपनी 5-जी सर्विस को लेकर अपडेट दिया है। कंपनी ने अपने 5-जी नेटवर्क को नया नाम दिया है, जो क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी है। बीएसएनएल ने बताया है कि 5-जी नेटवर्क बहुत जल्द लॉन्च कर दिया जाएगा। ऐसे में बीएसएनएल यूजर्स को जल?द ही इसका लाभ मिलने लगेगा। बीएसएनएल ने कहा है कि ''आपने नाम दिया और हमने उसे रख लिया। बीएसएनएल की 5-जी सर्विस को क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी कहा जाएगा।'' इससे पहले दूरसंचार कंपनी ने जनता से अपनी 5-जी सेवा के लिए नाम सुझाने के लिए कहा था।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 फीसदी से अधिक होगीः इक्रा

नई दिल्ली। प्रमुख रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भारत की अर्थव्यवस्था पर नवीनतम आउटलुक जारी किया है। इक्रा ने बुधवार को जारी अपने ताजा अनुमान में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि 6.50 फीसदी से अधिक होगी। एजेंसी ने सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) ग्रोथ 6.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।
रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जारी आउटलुक में बताया कि ग्रामीण मांग मजबूत बनी रहेगी, जिसका कारण रबी की फसलों से होने वाली आमदनी और जलाशयों का सामान्य से अधिक जलस्तर है। इस दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि चालू खाता घाटा 1 फीसदी रह सकता है। इक्रा ने अपनी रिपोर्ट में महंगाई के बारे में कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई चालू वित्त वर्ष 202526 में 4.2 फीसदी से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई 2.7 फीसदी से अधिक रहेगा।

सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन गिरावट, चांदी में मामूली तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज लगातार तीसरे दिन मामूली गिरावट दर्ज की गई है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,360 रुपये से लेकर 1,00,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,990 रुपये से लेकर 92,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

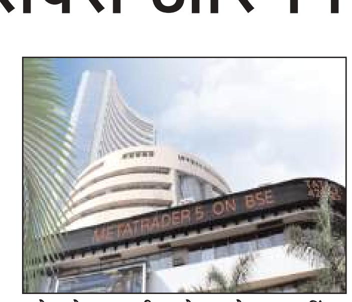

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के कुछ मिनट बाद ही लिवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दस बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस और टाइटन कंपनी के शेयर 4.37 प्रतिशत से लेकर 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर कोटक महिंद्रा, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 0.89 प्रतिशत से लेकर 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,555 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 773 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 268.68 अंक की कमजोरी के साथ 81,314.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बाजार में खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 135.82 अंक की मजबूती के साथ 81,719.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अधिकारियों के निर्णयों और कार्यों में लोगों का जीवन बदलने की शक्ति: मुर्मु

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न सेवाओं के परिवीक्षाधीन अधिकारियों से कहा है कि सार्वजनिक सेवा की चुनौतियों का सामना करते हुए उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि उनके निर्णयों और कार्यों में लोगों का जीवन बदलने की शक्ति है।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय कॉरपोरेट लॉ सर्विस, रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा और केंद्रीय श्रम सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उनकी उपलब्धि उनके दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रतिबिंब है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें सार्वजनिक सेवा की चुनौतियों का सामना करते हुए याद रखना चाहिए कि उनके निर्णयों और कार्यों में लोगों के जीवन को बदलने की शक्ति है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के पथप्रदर्शक होंगे। भारतीय कॉरपोरेट लॉ सर्विस के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि और विकास का प्रमुख स्तंभ है। कॉरपोरेट कानूनों के कार्यान्वयन और प्रवर्तन का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों के रूप में, कॉरपोरेट लॉ सर्विस के अधिकारियों की भूमिका एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने में महत्वपूर्ण होगी जो पारदर्शी, जवाबदेह और नवाचार तथा उद्यमिता के लिए अनुकूल हो। श्रीमती मुर्मु ने केंद्रीय श्रम सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी भूमिका महत्वपूर्ण और बहुआयामी दोनों हैं। एक ओर वे कानून के संरक्षक हैं जिनका काम श्रमिकों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करने वाले श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित करना है, दूसरी ओर वे सामाजिक न्याय के लिए दयालु मध्यस्थ और अधिवक्ता के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का काम नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच जटिल संबंधों में संतुलन ला सकता है। रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य विमानन में गुणवत्ता का मतलब केवल तकनीकी निर्देशों को पूरा करना नहीं है। यह परिचालन सुरक्षा, मिशन की तैयारी, विश्वसनीयता और रणनीतिक श्रेष्ठता सुनिश्चित करने के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी है कि सभी सैन्य विमानन स्टोर, चाहे स्वदेशी हों या आयातित, उच्चतम वैश्विक मानकों के बराबर कठोर गुणवत्ता और उड़ान योग्यता आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए न केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को मजबूत करने की आवश्यकता है, बल्कि निजी क्षेत्र की सक्रिय रूप से मदद करने और सक्षम बनाने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत नीतियों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से निजी उद्यमों को रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल कर स्वदेशीकरण के प्रयासों में तेजी ला सकता है और खुद को वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है।

पनडुब्बी रोधी स्वदेशी युद्धपोत ‘अर्नाला’ नौसेना के बेड़े में शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में ही बनाया गया अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस ‘अर्नाला’ बुधवार को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया जिससे नौसेना की मारक क्षमता काफी हद तक बढ जायेगी। आईएनएस अर्नाला को नौसेना के विशाखापत्तनम स्थित डॉकयार्ड में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान की उपस्थिति में नौसेना की पूर्वी कमान में शामिल किया गया। यह देश में ही बनाये जाने वाले इस तरह के 16 युद्धपोतों में से पहला पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। जनरल चौहान ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय नौसेना अब ‘खरीददार’ के बजाय ‘विनिर्माण’ करने वाली नौसेना के रूप में उभर रही है। अभी देश में बड़ी संख्या में युद्धपोत तथा अन्य नौसैनिक पोत निर्माणाधीन हैं जिससे भारत पोत निर्माण में एक दुर्जेय शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि यह देश की ‘समुद्री आकांक्षाओं’ का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी युद्धपोतों में अब अत्याधुनिक प्रणालियाँ हैं जिनमें स्टील्थ तकनीक से लेकर इलेक्ट्रॉनिक वारफ़ेयर सूट और उन्नत सेंसर शामिल हैं। ये युद्ध की तैयारियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करते हैं। पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया आईएनएस अर्नाला निगरानी, खोज और बचाव मिशन तथा छोटे समुद्री अभियानों में सक्षम है। इसका वजन 1490 टन से अधिक है और 77 मीटर लंबा युद्धपोत डीजल इंजन-वॉटरजेट न द्वारा संचालित सबसे बड़ा भारतीय नौसैनिक युद्धपोत है। इससे न केवल भारत की रक्षा क्षमता मजबूत हुई है बल्कि इसे स्वदेशी डिजाइन, इंजीनियरिंग और विनिर्माण के क्षेत्र में उपलब्धि के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस युद्धपोत का नाम महाराष्ट्र के ऐतिहासिक तटीय किले के नाम पर रखा गया है और यह भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए नौसेना क्षमताओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम है। समारोह में नौसेना की पूर्वी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ , वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स तथा लार्सन एंड टूब्रो शिपबिल्डिंग के प्रतिनिधि शामिल हुए।

ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत पर सर्वदलीय बैठक बुलायें मोदी: कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच फोन पर हुई बातचीत को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।

पार्टी ने पहलगाम हमले और उसके बाद के घटनाक्रम की समीक्षा और सुझाव के लिए कारगिल युद्ध के समय की तरह एक विशेषज्ञ समिति गठित करने और उसकी रिपोर्ट संसद में रखे जाने की भी मांग की है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को पार्टी की ओर से इस मांग को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री को तीन देशों की यात्रा से लौटने के बाद तत्काल एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करनी चाहिए , ताकि विपक्ष के नेताओं को जानकारी दी जा सके कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से टेलीफोन पर बातचीत में कहा क्या है। कांग्रेस चाहती है कि सरकार इस मुद्दे पर देश को विश्वास में ले।

कांग्रेस ने उन खबरों को भी ‘बड़ा झटका’ करार दिया, जिनमें कहा गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को श्री ट्रम्प के साथ वाशिंगटन में आज दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किये गये हैं। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति को इस पर भारत की नाराजगी से अवगत कराना चाहिए था। पार्टी ने कहा है कि आपरेशन सिन्दूर के दौरान 10 मई को संघर्ष विराम के बाद से लेकर अब तक 14 बार श्री ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने युद्ध विराम में मध्यस्थता की, उन्होंने व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया और उन्होंने पाकिस्तान और भारत को एक साथ रखा लेकिन प्रधानमंत्री अब तक चुप्पी साधे रहे। गौरतलब है कि श्री मोदी ने जी 7 शिखर सम्मेलन के सिलसिले में कनाडा की अपनी यात्रा के दौरान वहीं से श्री ट्रम्प के साथ फोन पर आधे घंटे से भी अधिक बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं की आतंकवाद, ऑपरेशन सिन्दूर और पाकिस्तान के बारे में बहुत खुलकर बात हुई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस वार्ता में श्री मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि लड़ाई रोकने के लिए व्यापार समझौते या मध्यस्थता की कोई बात नहीं हुयी थी और भारत इसे कतई स्वीकार नहीं करता है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कनाडा से रवाना होने के पहले एक वक्तव्य में कहा कि श्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की द्विपक्षीय मुलाकात जी 7 शिखर सम्मेलन के इतर होनी तय थी।

सेना प्रमुख और पूर्व सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की बारिकीयों पर सैन्य नेतृत्व के साथ गहन विचार विमर्श के एक दिन बाद सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ कई पूर्व सेना प्रमुखों ने बुधवार को तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात की।

राष्ट्रपति से मिलने वालों में जनरल वी पी मलिक, जनरल एन सी विज, जनरल जे जे सिंह , जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे शामिल हैं। पूर्व सेना प्रमुखों ने मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित ‘चीफ्स चिंतन’ सम्मेलन में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भविष्य की चुनौतियों तथा आकस्मिक स्थितियों से और बेहतर ढंग से निपटने की तैयारियों में जुटे सैन्य नेतृत्व के साथ इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की थी। पूर्व सेना प्रमुखों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सैन्य नेतृत्व के साथ कुछ सिफारिशें और सलाह भी साझा की थी।

खेती को उन्नत, समृद्ध करने के प्रयास का आह्वान

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण शिवराज सिंह चौहान ने खेती को उन्नत और समृद्ध करने के प्रयास का आह्वान करते हुये कहा है कि भविष्य की कृषि नीति किसानों के सुझावों के आधार पर बनेगी।

श्री चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के समापन पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार निरंतर किसानों के बीच खेतों में जाकर खेती को उन्नत और किसानों को समृद्ध बनाने का प्रयत्न करती रहेगी। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मिले किसानों के सुझावों को भविष्य की कृषि नीति में अनिवार्य रूप से शामिल किया जायेगा और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि कृषि विकास केंद्रों (केवीके) और खेतों के बीच दूरी का पाटने का प्रयास किया जायेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के अनुरूप नोडल एजेंसी हर जिले के लिए बनायी जायेगी, जो किसानों के हित में समन्वय करेगी। केवीके के वैज्ञानिक अनिवार्य रूप से सप्ताह में तीन दिन खेतों में किसानों के बीच जायेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय करने के लिए विकसित खेती और समृद्ध किसान के लिए काम करने वाली जितनी भी संस्थायें हैं, उनका एक दिशा में चलना अनिवार्य हैं और इसलिए इसके समन्वय की भी चर्चा कर निश्चित तौर पर व्यवस्था करेंगे। राज्य में कृषि के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की तरफ से एक नोडल अफसर तय किया जायेगा, जो उस राज्य में सारे वैज्ञानिक प्रयोगों को समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखकर सलाह और सुझाव देगा। उन्होंने कहा कि कृषि पर राज्य सरकारों से संवाद और संपर्क जारी रहेगा और अधिकारी भी अलग-अलग राज्यों सरकारों के साथ चर्चा करेंगे, ताकि उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें। श्री चौहान ने कहा कि अमानकीकृत बीज और कीटनाशक किसानों की दो बड़ी समस्यायें हैं, जिन पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए बीज अधिनियम को और कड़ा बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाये जायेंगे। गुणवत्तायुक्त बीज किसानों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ये अभियान थमेगा नहीं बल्कि रबी की फसल के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान फिर से चलेगा। अभियान के अंतर्गत वैज्ञानिकों, अधिकारियों ओर कृषि विशेषज्ञों के 2170 दलों ने देशभर में 1.42 लाख से अधिक गांवों में पहुंचकर 1.34 करोड़ से ज्यादा किसानों से सीधा संवाद किया।

पेज एक का शेष

‘ऑपरेशन सिंदूर’...

करने पर जोर दिया, जिसके बाद फोन पर बातचीत करायी गयी। मोदी ने ट्रंप को बताया कि उन्होंने पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को बताया कि भारत ने छह-सात मई की रात को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की कार्रवाई ‘‘नपी-तुली, सटीक तथा तनाव को और बढ़ावा न देने’’ वाली थी। मोदी ने ट्रंप को यह भी बताया कि उन्होंने ऐलान किया था कि ‘गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ट्रंप को बताया कि उन्हें नौ मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया था और वेंस ने पाकिस्तान द्वारा ‘‘बड़े हमले’’ के बारे में आगाह किया था। मोदी ने वेंस को स्पष्ट रूप से कहा था कि अगर पाकिस्तान ऐसा करता है तो भारत और कड़ा जवाब देगा। मिसरी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर इजराइल तथा ईरान के बीच जारी संघर्ष के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर दोनों नेताओं ने सहमति जतायी कि जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत आवश्यक है और इस दिशा में प्रयास जारी रहने चाहिए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर ट्रंप और मोदी ने अपने विचार साझा किए और क्षेत्र में क्वाड की अहम भूमिका के लिए समर्थन जताया। मिसरी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को क्वाड की अगली बैठक के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने न्यौता स्वीकार कर लिया और कहा कि वह भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

आतंक को मूक समर्थन...

विरोधी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य है। भारत के पड़ोस में तो आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउन्ड है! वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए- यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। लेकिन दुर्भाग्यवश, वास्तविकता इसके उलट है। एक तरफ तो हम अपनी पसंद-नापसंद के आधार पर, भांति-भांति के प्रतिबंध लगाने में देर नहीं करते। दूसरी ओर, जो देश खुले आम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत करते हैं। इस कमरे में जो बैठे हैं, उनसे मेरे कुछ गंभीर सवाल हैं। क्या हम आतंकवाद को लेकर गंभीर हैं भी या नहीं? क्या हमें आतंकवाद का मतलब सिर्फ तब समझ आएगा जब वह हमारे घर के दरवाजे पर दस्तक देगा? क्या आतंकवाद फैलाने वाले को और आतंकवाद से पीड़ित को एक ही तराजू में रख कर देखा जायेगा? क्या हमारे वैश्विक संस्थान एक मज़ाक बन कर रह जायेंगे? उन्होंने विश्व शक्तियों को आगाह करते हुए कहा, ल्ल यदि हमने आज मानवता के विरुद्ध खड़े इस आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कदम नहीं उठाये, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। निजी हितों के लिए, आतंकवाद को मूक सम्मति देना, आतंक या आतंकवादियों का साथ देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है। भारत ने सदैव अपने हितों से ऊपर उठकर मानवता के हित में काम किया है। हम आगे भी सभी विषयों पर जी-7 के साथ अपना संवाद और सहयोग जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का शानदार स्वागत एवं आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया और जी-7 समूह के 50 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर सभी को बधाई दी। उन्होंने विषय पर चर्चा शुरू करते हुए कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हम इसे केवल अपनी प्राथमिकता ही नहीं, बल्कि अपने देशवासियों के प्रति जिम्मेदारी भी मानते हैं। उपलब्धता, पहुंच, किफायत और स्वीकार्यता के मूल सिद्धांतों पर आगे बढ़ते हुए भारत ने समावेशी विकास का रास्ता तय किया है। श्री मोदी ने कहा कि आज भारत के लगभग सभी घरों में बिजली के कनेक्शन हैं। भारत की गिनती सबसे सस्ती बिजली देने वाले देशों में है। विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होते हुए भी, भारत पेरिस संकल्पों को समय से पहले पूरा करने वाला देश है। हम 2070 तक नेट ज़ीरो के लक्ष्य की ओर भी तेज़ी से बढ़ रहे हैं। इस समय हमारी कुल स्थापित क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा का है। हम 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर हैं। स्वच्छ ऊर्जा के लिए हम ग्रीन हाइड्रोजन, परमाणु ऊर्जा, इथेनॉल मिश्रण पर जोर दे रहे हैं। हम विश्व के सभी देशों को प्रदूषण मुक्त और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके लिए हमने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदारोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन (सीडीआरआई), मिशन लाइफ, वैश्विक जैविकईंधन गठबंधन, एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड जैसी वैश्विक पहलों की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऊर्जा संक्रमण में आगे बढ़ते हुये सभी देशों का साथ चलना आवश्यक है। मैं नहीं, हम की भावना से आगे बढ़ना होगा। दुर्भाग्यवश, अनिश्चितता और टकरावों का सबसे अधिक असर ग्लोबल साउथ के देशों को झेलना पड़ता है। तनाव चाहे विश्व के किसी भी कोने में हो, इन देशों पर खाद्य, ईंधन, उर्वरक और वित्तीय संकट का कहर सबसे पहले टूटता है। जनता, सामग्री, विनिर्माण और आवागमन भी प्रभावित होते हैं। भारत ने ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं और चिंताओं को विश्व मंच तक पहुंचाना अपना दायित्व समझा है। हमारा मानना है कि किसी भी प्रकार के दोहरे मापदंड के रहते मानवता का सतत और समावेशी विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ऊर्जा के विषय में मैं कुछ बिन्दु रखना चाहूंगा। निःसंदेह, एआई हर क्षेत्र में दक्षता और नवान्वेषण बढ़ाने का बहुत ही प्रभावी माध्यम बन रहा है। लेकिन, एआई खुद, एक बहुत ज्यादा ऊर्जा खपत वाली प्रौद्योगिकी है। एआई डेटा सेंटरों के कारण ऊर्जा की खपत और आज की टेक्नोलॉजी आधारित सोसायटी की ऊर्जा की जरूरतों को टिकाऊ तरीके से पूरा करने का अगर कोई उपाय है, तो वह नवीकरणीय ऊर्जा है। उन्होंने कहा, किफायती, भरोसेमंद और टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित करना भारत की प्राथमिकता है। इसके लिए हम सौर ऊर्जा और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर जोर दे रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा मांग के केन्द्रों को जोड़ने के लिए हम स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हरित ऊर्जा कॉरीडोर बना रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, भारत में हमारे सभी प्रयास मानव केन्द्रित रुख पर आधारित रहे हैं। हम मानते हैं कि किसी भी प्रौद्योगिकी का वास्तविक मूल्य तभी है जब उसका लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुँचे। ग्लोबल साउथ में भी कोई अछूता न रहे। उदाहरण के तौर पर, अगर हम एआई आधारित मौसम भविष्यवाणी ऐप बनाते हैं, तो उसका लाभ मेरे देश के छोटे से गांव में रहने वाले किसान या मछुआरे को मिलता है। भारत में एआई आधारित भाषा ऐप भाषिणी बनाया गया है, ताकि एक गांव का व्यक्ति भी विश्व की भाषाओं से जुड़कर, वैश्विक संवाद का हिस्सा बन सके। हमने टेक्नोलॉजी का लोकतांत्रीकरण किया है और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा से अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सामान्य लोगों को सशक्त किया हैं।

3000 रुपए...

शुल्क लागू हो सकते हैं। राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि वार्षिक ‘पास’ केवल निजी गैर-वाणिज्यिक कार/जीप/वैन के लिए ही लागू है। किसी भी वाणिज्यिक वाहन के लिए इस्तेमाल किए जाने पर बिना किसी सूचना के इसे तत्काल निष्क्रिय कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि वार्षिक ‘पास’ अनिवार्य नहीं है और मौजूदा फास्टैग प्रणाली हमेशा की तरह काम करती रहेगी, ‘‘जो उपयोगकर्ता वार्षिक ‘पास’ का विकल्प नहीं चुनते हैं, वे टोल प्लाजा पर लागू उपयोगकर्ता शुल्क दरों के अनुसार नियमित लेनदेन के लिए अपने फास्टैग का इस्तेमाल करना जारी रख सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि राजमार्ग उपयोगकर्ता 200 यात्रा की सीमा समाप्त होने के बाद वार्षिक ‘पास’ फिर से खरीद सकते हैं, भले ही एक साल की वैधता अवधि समाप्त नहीं हुई हो।

अयोध्या में लौह पुरुष...

प्रस्तावित है। इसके साथ नगर निगम क्षेत्र में 17 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। रीडगंज चौराहे से गुलाबबाड़ी तक मार्ग का चौड़ीकरण 9.50 करोड़, लगभग 33 करोड की लागत से रामपथ से गद्दोपुर होते हुए रायबरेली रोड तक चौड़ीकरण, 40 करोड की लागत से देवकाली से जेल रोड का चौड़ीकरण तथा सुदृढीकरण, लगभग 113 करोड की लागत से नियावां चौराहे से पाटेश्वरी देवी मंदिर होते हुए रामपथ तक फोरलेन का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। रामकथा पार्क में नवीन पर्यटक आवास गृह का निर्माण कार्य, गुलाबबाड़ी पार्क का सौन्दयीकरण, गुप्तारघाट में यात्रियों की सुविधा के लिए बैंच व प्रकाश व्यवस्था, राजघाट के निकट एम्पिलिथिएटर एवं फूड कोर्ड का कार्य, किया जाएगा। स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान योगी सरकार ने स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओ पर विशेष ध्यान दिया है। इसके तहत 351 करोड़ रुपये की लागत से 27 हजार घरों को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे शहर की स्वच्छता और जनस्वास्थ्य में सुधार होगा। साथ ही नियावां से पाटेश्वरी मंदिर होते हुए रामपथ तक फोरलेन सड़क का निर्माण होगा, जो यातायात को सुगम बनाएगा और तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, नगर निगम क्षेत्र में अन्य सड़कों के निर्माण और सौंदर्गीकरण का कार्य भी प्रस्तावित है, जो अयोध्या को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगा। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार में भयमुक्त परिवेश के कारण आज उत्तर प्रदेश निवेशकों की पसंद बन गया है। उन्होंने बताया कि अमृत-2 के तहत 351.4 करोड़ की लगात से नगर निगम की सीवरेज योजना पार्ट-2 के तहत 27 हजार घरों को जोड़ा जाएगा। इस परियोजना की लागत 351 करोड़ रुपये है। जिसमें चार पम्पिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें टेंडर की प्रक्रिया चल रही है।

एक्सिओम मिशन...

ने सूचित किया है कि अगली संभावित लॉन्च तिथि 22 जून 2025 है। एक्सिओम मिशन-4 की खास बात यह है कि नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पैगी व्हिटसन वाणिज्यिक मिशन की कमान संभालेंगी, जबकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पायलट के रूप में काम करेंगे। दो मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी परियोजना अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू हैं। चालक दल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से फाल्कन-9 पर स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर उड़ान भरेगा।

हिंदी में सुशील...

नेपाली में साड़मु लेप्चा को ‘शांति वन’ (उपन्यास) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से नवाज़ने का फैसला किया है। बयान के मुताबिक, असमिया में सुरेंद्र मोहन दास को ‘मैनाहंतर पद्द’ (कविता), बोडो में बिनय कुमार ब्रह्मा को ‘खान्थि बोसोन आरो आखु दानाय’ (कहानी), डोगरी में पी.एल. परिहार ‘शौक’ को ‘नन्हीं टोर’ (कविता), कोंकणी में नयना आडारकार को ‘बेलाबायचो शंकर आनी हेर काणयो’ (कहानी) तथा मणिपुरी में शांतो एम. को ‘अंगंगशिंगगी शन्नाबुंगसिदा’ (नाटक) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार मिलेगा। इसमें कहा गया है कि तेलुगु में गंगिसेट्टी शिवकुमार को ‘काबुरला देवता’ (कहानी), तमिल में विष्णुपुरम सरवणन को ‘ओत्तराई सिरगू ओविया (उपन्यास), सिंधी में हीना अगनानी ‘हीर’ को ‘असमानी परी’ (कविता), ओड़िया में राजकिशोर परही को ‘केते फूला फुटिची’ (कविता), मलयालम में श्रीजित मुतेडत को ‘पेंग्विनुकालुडे वंकारायिल’ (उपन्यास), कन्नड में के. शिवलिंगप्पा हण्दिहल को ‘नोटबुक’ (कहानी) और कश्मीरी में इजहार मुबाशिर को ‘शुर्य त चुर्यगिश्य’ (कहानी) के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, एक अन्य बयान में, राव ने बताया कि हिंदी में युवा पुरस्कार पार्वती तिर्की को उनके कविता-संग्रह ‘फिर उगना’ के लिए प्रदान किया जाएगा। उनके मुताबिक, अंग्रेज़ी में अद्वैत कोट्टरी को उनके उपन्यास ‘सिद्धार्थः द ब्यॉंय हू बिकेम द बुद्ध’ के लिए, पंजाबी में मनदीप औलख को कविता-संग्रह ‘गर्ल्स हॉस्टल’ तथा उर्दू में नेहा रुबाब को उपन्यास ‘मज़हरुल हक़ तारीक़ए-आज़ादी-ए-हिंदः हिंद का फ़रामोश कर्दा क़ायद’ के लिए युवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। राव ने बताया कि इनके अलावा असमिया में ‘कूँचियानामा’ (कहानी) के लिए सुप्रकाश भुइयां को, बांग्ला में ‘एकरोखा चिरुनी तोलाशी’ (कविता) के लिए सुदेशना मोइत्रा को, बोडो में ‘आं असुर’ (कविता) के लिए अमर खुंगुर बर को, गुजराती में ‘नरसिंह टेकरी’ (निबंध) के लिए मयूर खावडू को और कन्नड़ में ‘पक्केयां जगुल (आलोचना) के लिए आर. दिलीपकुमार को युवा पुरस्कार से नवाज़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि कश्मीरी में ‘हर्फ़स हर्फ़स जाग’ (आलोचना) के लिए साइका सहर को, कोंकणी में ‘गांवगाथा’ (कहानी) के लिए ग्लिनिस डायस को, मैथिली में ‘बनारस आ हम’ (कविता) के लिए नेहा झा मणि को, मलयालम में ‘राम सी/ओ आनंदी’ (उपन्यास) के लिए अखिल पी. धर्मजन को, मणिपुरी में ‘खोयुम नोंग्दम काऊ’ (महाकाव्य) के लिए ए. के. जितेन को, मराठी में ‘खोल खोल दुष्काल डोले’ (उपन्यास) के लिए प्रदीप कोकरे को युवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। सचिव ने बताया कि नेपाली में ‘जूनको आँसू’ (कविता) के लिए सुवास ठकुरी को, ओड़िया में ‘कदम्बबना’ (कहानी) के लिए सुब्रत कुमार सेनापति को, राजस्थानी में ‘अंतस रै आंगणै’ (कविता) के लिए पूनम चंद गोदारा को, संस्कृत में ‘पारिभाषिकशब्दस्वारस्यम्’ (वेदान्तपरिभाषासन्दर्भे) (आलोचना) के लिए धीरज कुमार पाण्डेय को, संथाली में ‘अरा साओ इन’ (कविता) के लिए फागू बास्की को, सिंधी में ‘पांधीअड़ो’ (कविता) के लिए मंथन बचाणी को, तमिल में ‘कुट्टोन्रु कुटिर्रू’ (कहानी) के लिए लाटशमिहर को और तेलुगु में ‘मैरावण’ (उपन्यास) के लिए प्रसाद सूरी को युवा पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। बयान के अनुसार, दोनों श्रेणियों में लेखकों की पुस्तकों को त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना तथा कार्यकारी मंडल ने बहुमत या सर्वसम्मति के आधार पर इन पुस्तकों को पुरस्कार के लिए स्वीकृत किया। राव ने बताया कि दोनों श्रेणियों में विजेता लेखकों को पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। बाद में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें इन पुरस्कारों से नवाज़ा जाएगा।

नहीं करेंगे सरेंडर... जंग...

में इजरायल के एक एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली रक्षा बलों ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है और उन्होंने ईरान की इस रिपोर्ट को निराधार और झूठा करार दिया है। गौरतलब है कि इज़रायल ने 13 जून की रात को बिना किसी उकसावे के ईरानी क्षेत्र में हमले शुरू कर दिये, इन हमलों में रिहायशी इमारतों को भी निशाना बनाया गया। इजरायल के लक्षित हमलों में उच्च पदस्थ ईरानी सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को मार दिया गया। इजरायल की ओर से घरों पर सीधे हमले के कारण नागरिक भी हताहत हुये। इजरायल की सेना ने ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के खिलाफ भी हमले किये। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष मेजर जनरल मोहम्मद बाकरी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के मुख्य कमांडर मेजर जनरल होसैन सलामी तेहरान में हुये हमले में मारे गये वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों में शामिल हैं। इसके बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खायी और लगातार इजरायल पर हमले कर रहा है, जिसमें अब तक 24 से ज़्यादा नागरिक मारे गए हैं। वहीं, इजरायल ने अपने हमलों को और भी तेज़ कर दिया है, तेहरान के कई इलाकों को निशाना बनाया है और ईरान के मशहद और तबरीज़ हवाई ठिकानों को नष्ट कर दिया है।

पटाखा फैक्ट्री में भयानक विस्फोट दो की मौत, मलबे में दबे कई मजदूर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखंड के हरिद्वार जनपद अंतर्गत बहादराबाद थाना क्षेत्र के गांव मूलदासपुर माजरा में बुधवार सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक जबरदस्त विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज़ कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विस्फोट सुबह करीब 9 बजे के आसपास हुआ, जिसके बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें आसमान तक उठने लगीं और आसपास का क्षेत्र धुएं से ढक गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया है, जिसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। चश्मदीदों के अनुसार, हादसे के समय फैक्ट्री में कई लोग मौजूद थे। मलबे में दबे कुछ अन्य मजदूरों की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों ने अपने स्तर पर राहत कार्य शुरू किया और प्रशासन को सूचना दी।

सूचना मिलते ही बहादराबाद पुलिस, फायर ब्रिगेड, और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि फैक्ट्री में ज्वलनशील रसायनों या अवैध बारूद के भंडारण के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है। हालाँकि, फॉरेंसिक जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घटनास्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं और शांति बनाए रखें। इस हादसे ने क्षेत्र में चल रही पटाखा फैक्ट्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि यह फैक्ट्री पहले भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर चर्चा में रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस हादसे ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया है कि नियमों को ताक पर रखकर चल रही फैक्ट्रियों पर कब तक आंखें मूंदी जाएंगी?

जिलाधिकारी ने डेंगू से बचाव के लिये फॉगिंग के दिये निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बुधवार को विकास भवन एनआईसी कक्ष में डेंगू की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग व नगर निकायों से अभी तक की गयी कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियमित रूप से निकायों में फॉगिंग व लोगों को डेंगू से बचने के लिये जागरुक करें। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि लोगों को घरों के बाहर पुराने बर्तनों, टायर, कूलर, गमलों सहित जिन वस्तुओं में पानी एकत्रित होता है, उनको हटाने के लिये कहा जाय। यदि बार-बार अनुरोध के बाद भी उनके द्वारा उक्त सामग्री नहीं हटायी जाती है, ऐसे लोगों के खिलाफ चालानी कर्रवाई करना सुनिश्चित करें। वहीं जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के प्रति जागरुक करें।उ जिलाधिकारी ने नगर निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियमित रूप से बस्तियों में फॉगिंग करायें और प्रतिदिन उसकी फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय को दें। साथ ही ऐसे स्थानों को विशेष रूप से चिन्हित किया जाये जहां डेंगू फैलाने वाले मच्छर ज्यादा पनपते हों। ताकि निगम मच्छरों के लार्वा नष्ट करने के लिये प्रभावी कार्रवाही करें। जिला मलेरिया अधिकारी इंद्रपाल सिंह ने बताया कि 23 अप्रैल से अब तक श्रीनगर, कोटद्वार, लक्ष्मणझूला, पौड़ी, सतपुली व कोट में 61379 घरों का भ्रमण किया गया है। जिनमें 180 घरों में मच्छर के लार्वा पाये गये लार्वा को तत्काल नष्ट किया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि जनवरी, 2025 से जून माह तक डेंगू की जांच के लिये 2279 आरडीटी और एलाइजा परीक्षण किये गये हैं। अभी तक कोई भी मामला प्रकाश में नहीं आया है। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एल.डी. सेमवाल, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारुल गोयल, सफाई निरीक्षक नगर पालिका पौड़ी हेमंत कुमार आदि शामिल रहे।

रक्तवीरों को सम्मान, रेलवे बोर्ड सदस्य ने बढ़ाया उत्साह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रुड़की। फ़ेडरल बैंक की रुड़की शाखा द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत बुधवार को एक भव्य स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर रुड़की ब्लड सेंटर के सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शोभा रेलवे बोर्ड की सदस्य व समाजसेवी पूजा नंदा ने बतौर मुख्य अतिथि बनकर बढ़ाई। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता पंकज नंदा मौजूद रहे।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक भंवर भाटिया ने कहा कि रक्तदान न केवल जीवनदायिनी सेवा है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रक्तदान को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

मुख्य अतिथि पूजा नंदा ने अपने संबोधन में कहा, रक्तदान एक पवित्र कार्य है। इससे किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिल सकता है। ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता फैलती है और सेवा की भावना को बल मिलता है। वहीं, विशिष्ट अतिथि पंकज नंदा ने कहा कि रक्तदान से न केवल व्यक्ति की जान बचती है, बल्कि यह सामाजिक सहभागिता का भी प्रतीक है। शिविर में निरंतर रक्तदान कर रहे रक्तवीर अंशुल मित्तल को उनकी सेवा भावना के लिए स्मृति चिन्ह देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे रक्तदान जैसे पुण्य कार्य में आगे आएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक मुख्यालय) सत्य वीर कतारा के नेतृत्व में यह अभियान पूरे शहर में कई स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। विशेष पुलिस आयुक्त ट्रैफिक अजय चौधरी ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत स्कूली छात्रों, साइकिल चालकों, ऑटो/टैक्सी चालकों, ई-रिक्शा चालकों, सार्वजनिक परिवहन कर्मचारियों और आम नागरिकों को ट्रैफिक नियमों, महिलाओं की सुरक्षा, हेलमेट/सीट बेल्ट की अनिवार्यता, शराब पीकर गाड़ी न चलाने, गलत दिशा में न चलने जैसी सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। प्रमुख चौराहों पर ऑन-ग्राउंड जागरूकता अभियानदिल्ली के प्रमुख ट्रैफिक चौराहों जैसे पीरागढ़ी चौक और जी.टी.बी. हॉस्पिटल रेड लाइट पर चलाए गए इस अभियान में लगभग 6800 सड़क उपयोगकर्ताओं को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई। पैदल यात्रियों, टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर चालकों और साइकिल सवारों ने भाग लिया। रोशनारा रोड, पीरागढ़ी चौक और आर.के. आश्रम मार्ग पर आयोजित इस विशेष अभियान में 268 साइकिल चालकों को सड़क सुरक्षा के बारे में बताया गया। उनके साइकिलों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए जिससे रात के समय दृश्यता बढ़े और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इसी क्रम में ई-रिक्शा चालकों के बीच ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के लिए पीरागढ़ी चौक और आर.के. आश्रम मार्ग पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें कुल 55 चालकों को जागरूक किया गया।अ वहीं डीटीसी और क्लस्टर बस चालकों के लिए प्रशिक्षण सत्र डीटीसी इलेक्ट्रिक डिपो नंद नगरी और राजघाट पर आयोजित किए गए। इन सत्रों में 68 डीटीसी बस चालक, 32 क्लस्टर बस चालक व कंडक्टर तथा 6 अधिकारियों को सुरक्षित ड्राइविंग, ट्रैफिक नियम, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और ब्रेकिंग तकनीक सिखाई गई।

फ़ेसबुक पर 'ऑस्ट्रेलिया भेजने' का झांसा देकर 2200 डॉलर की ठगी, आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी वीजा देने वाले गिरोह के एक आरोपित को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान पंजाब निवासी कुलदीप सिंह (31) के रूप में हुई है। एयरपोर्ट डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि मुंबई निवासी शिकायतकर्ता खेमचंद बोरवाल ने शिकायत दी थीं कि वे फ़ेसबुक पर ऌगुरजीत कौरङ्क नाम की प्रोफाइल के संपर्क में आए। जिसने विदेशों में वीजा दिलाने के झूठे विज्ञापन डाले थे। खुद को एजेंट बताकर आरोपित ने खेमचंद को ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा दिया और भरोसा दिलाया कि बिना अग्रिम भुगतान के वह वीजा और यात्रा का पूरा इंतजाम कर देगा। डीसीपी के अनुसार खेमचंद से पासपोर्ट की फोटो मंगवाई गई और फर्जी वीजा व टिकट भेजे गए। फिर 6 जून 2025 को उन्हें 2200 अमेरिकी डॉलर लेकर दिल्ली आने को कहा गया। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3, गेट नं. 5 पर मुलाकात के दौरान आरोपित ने नकदी ले ली और बहाना बनाकर चला गया। काफी देर इंतजार के बाद जब वह नहीं लौटा तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मुकदमा किया। इधर जांच में पाया गया कि वीजा और टिकट दोनों फर्जी थे। एसएचओ इंस्पेक्टर सुशील गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मगर शुरू में कोई सुराग नहीं मिला। अंततः मुखबिर द्वारा मिली जानकारी के बाद आरोपित कुलदीप सिंह को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने मुंबई और विदेशों (बैंकॉक, मलेशिया) में ठगी से कमाए पैसे से मौज-मस्ती में की। वह खुद को ट्रैवल एजेंट बताकर फ़ेसबुक पेज चलाता था।

तालाब से शव बरामद

श्रीभूमि (असम)। श्रीभूमि जिले के दरगारबंदर इलाके से शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जिले के दरगारबंदर इलाके में कांग्रेस नेता बुद्ध दास के तालाब में शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से मृतक का शव तालाब से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। अंतिम सूचना मिलने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। हालांकि, तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत हुई या उसकी हत्या की गई है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल पाएगा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृतक की पहचान करने में जुट गई है।

जांजगीर : रक्तदान, एचबी, एनीमिया, स्वास्थ्य जांच, परामर्श शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कोरबा/जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य, पंचायत, आयुष विभाग एवं स्व सहायता समूहों के साथ समन्वय स्थापित कर जिले के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रक्तदान, एचबी, एनीमिया, स्वास्थ्य जांच, परामर्श शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आज आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में 365 गर्भवती माताओं एवं 630 किशोरी बालिकाओं का एनीमिया, एच.बी, बीएमआई, शुगर, बीपी जांच किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना अंतर्गत 34 बच्चों का कुपोषण जांच किया गया तथा कुपोषण प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान के महत्व, आयरन, प्रोटीनयुक्त खाद्य फल एवं सब्जियों के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही कार्यक्रम में स्तनपान, पूरक पोषण आहार, एनीमिया, हीमोग्लोबिन की कमी के कारण, लक्षण, प्रभाव एवं इसके उपचार के उपाय आदि पर चर्चा करते हुए जानकारी दी गई। इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन में विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में पोषण आहार पर क्वीज प्रतियोगिता की भी आयोजन किया गया।

रुड़की की डिफेंस कॉलोनी में बड़ी सेंध, बंद मकान से लाखों के जेवर और नकदी उड़ाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित डिफेंस कॉलोनी में एक बंद पड़े मकान को चोरों ने निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। यह वारदात तब सामने आई, जब पड़ोसी को मकान का मेन गेट खुला मिला और उन्होंने तुरंत मकान मालिक को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया, और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिफेंस कॉलोनी निवासी विकास कुमार त्यागी पुत्र बेनी प्रसाद गत दो दिनों से अपने गांव गए हुए थे। इस दौरान उनका आवास बंद था और परिवार का कोई भी सदस्य घर पर मौजूद नहीं था। मंगलवार सुबह उनके पड़ोसी कुलदीप त्यागी ने मकान के मुख्य द्वार को खुला पाया। स्थिति को संदिग्ध पाकर उन्होंने तुरंत विकास को फोन कर जानकारी दी और साथ ही पुलिस हेल्पलाइन 112 पर भी सूचना दी।

मकान मालिक विकास कुमार त्यागी मौके पर पहुंचे तो घर के भीतर का दृश्य देखकर दंग रह गए। घर के सभी कमरे अस्त-व्यस्त थे, अलमारियों के ताले टूटे हुए थे और कीमती सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने बताया कि चोर अलमारी में रखी लगभग 60 से 70 हजार रुपये की नकदी और करीब दो लाख रुपये के स्वर्ण आभूषण चोरी कर ले गए हैं। चोरी गए सामान में गहनों के अलावा कुछ महंगे दस्तावेज और घरेलू सामान भी शामिल हैं। सूचना पर पहुंची सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। जांच के दौरान दो संदिग्ध बाइक सवार युवकों की गतिविधियां सीसीटीवी में कैद पाई गई हैं, जिनकी पहचान करने की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं स्थानीय लोग इस घटना से सकते में हैं और कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कॉलोनी में गार्ड की मौजूदगी न होना और रात्रिकालीन गश्त की कमी को भी वारदात की वजह माना जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कॉलोनी में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और सीसीटीवी कवरेज को बेहतर किया जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कैबिनेट मंत्री के बचाव में आए आआपा अध्यक्ष अरोड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रमजीत मजीठिया की ओर से एक कैबिनेट मंत्री को लेकर आपत्तिजनक फोटो वायरल किए जाने के बाद राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। बुधवार को आम आदमी पार्टी के प्रधान अमन अरोड़ा ने अकाली दल को घेरने की कोशिश है। उन्होंने पूर्व मंत्री सुच्चा सिंह लंगाह के बारे सवाल का जवाब मांगा। सेक्टर-26 चंडीगढ़ में वायरल फोटो को लेकर पत्रकारों के सवाल पर आआपा के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि इस बारे में मंत्री खुद अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। कोई व्यक्ति राजनीति को इतने निम्न स्तर पर ले जाएगा, यह मैं उम्मीद भी नहीं करता। यह उचित भी नहीं है। आम आदमी पार्टी की छवि खराब होने के मुद्दे पर अरोड़ा ने कहा कि पार्टी की छवि को धक्का कैसे लग सकता है? मंत्री रवजोत खुद बता चुके हैं, उनकी एक्स-वाइफ के साथ उनकी प्राइवेट फोटो को एआई के माध्यम से छेड़छाड़ कर वायरल किया गया है। अरोड़ा ने कहा कि सवाल तो उस व्यक्ति पर उठाए जाने चाहिए, जिसने वह फोटो वायरल की है। अब इतनी निम्न स्तर की राजनीति की जा रही है। लोग अब बेडरूम तक पहुंच गए हैं। उन्होंने पूछा कि पूर्व मंत्री सुच्चा सिंह लंगाह के बारे क्या विचार है।

इंदौर: प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में आधुनिक मशीनों से किया गया 1225 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

इंदौर। संभागायुक्त दीपक सिंह की पहल पर गेरसंचारी रोगों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा पर प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 1225 लोगों का पंजीयन किया गया, जो अब तक सर्वाधिक है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। उल्लेखनीय है कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग 3800 से अधिक जाँचें की गईं। इनमें मुख्य रूप से 124 ईसीजी, 142 फाइब्रोस्कैन, 468 एचबी, 468 आरबीएस, 324 एसजीपीटी, 324 एसजीओटी, 324 लिपिड प्रोफाइल, 128 ईको, 92 यूएसजी, 55 मैमोग्राफी, 247 जनरल मेडिसिन, 157 कार्डियोलॉजी, 162 गैस्ट्रोलॉजी, 130 गायनेकोलॉजी, 54 रूमेटोलॉजी, 105 कैंसर स्क्रीनिंग, 74 डेंटल चेकअप, जाँचें विशेष रूप से हुईं। संभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना है बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान रोकथाम में भी मदद पहुंचाना है। अरविंदो अस्पताल के चेयरमैन डॉ.विनोद भंडारी ने बताया कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में विभिन्न जाँचों के दौरान ऐसे मरीजों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया जो पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं अथवा जिनके निकट भविष्य में किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की संभावना है। शिविर में कैंसर, पेट से जुड़े रोग,नेत्र,दंत,जनरल मेडिसिन,हृदय रोग,लीवर और टीबी आदि रोगों की जाँच एवं इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में आभा एवं आयुष्मान योजना के तहत भी सैकड़ों मरीजों का इलाज कर चिकित्सा परामर्श दिया गया। अरविन्दो अस्पताल के डॉ.आदित्य चौरसिया एवं डॉ. सृष्टि साखी ने बताया कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर कार्यक्रम के तहत नवम स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 21 जून को विद्या धाम मंदिर एरोड्रम रोड़ पर किया गया है। आगे के शिविर यूपीएचसी गुमाश्ता नगर, पीएचसी स्कूल बिचौली हप्सी, खजराना गणेश मंदिर, यूपीएचसी खजराना और गांधी हॉल में आयोजित किए जाएंगे।

बिक्रम मजीठिया का आपत्तिजनक तस्वीरें पोस्ट कर दावा- इनमें पंजाब का मंत्री

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में उपचुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता विक्रमजीत सिंह मजीठियाने सोशल मीडिया पर कुछ फोटो जारी किए हैं। दावा किया गया है कि यह फोटो पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री रवजोत सिंह के हैं जिसमें उन्हें एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया है।

मजीठिया ने मंगलवार की रात सोशल मीडिया एक्स पर थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर दो पोस्ट डालते हुए दावा किया कि जल्द ही इसका वीडियो भी जारी किया जाएगा। मजीठिया ने इस मामले को सेल्फीकांड नाम दिया है। मजीठिया की पोस्ट के बाद मंत्री रवजोत सिंह ने भी सोशल मीडिया पर अपना बयान जारी किया। सिंह ने सोशल मीडिया पर जवाब देते हुए लिखा कि लुधियाना उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत होते देख विपक्ष इतना बौखला गया है कि उसके नेताओं ने नैतिकता की सारी हदें पार कर दी हैं। इनके कुछ नेता मेरी पूर्व पत्नी के साथ मेरी निजी तस्वीरों को एडिट कर सोशल मीडिया पर फैला रहे हैं।

मंत्री ने लिखा कि मुझे निशाना इसलिए बनाया है, क्योंकि मैं एक दलित परिवार से आता हूं और पंजाब की जनता ने इनकी गुंडागिरी और भ्रष्ट राजनीति को ठुकराकर मुझे चुना है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063